दैनिक
देवव्रत
www.dainikdevvrat.in

आजमगढ़, उ.प्र.
वर्ष 35, अंक 088
पृष्ठ 8, मूल्य 3.00
10 दिसम्बर 2025, बुधवार

लखनऊ, नई दिल्ली, कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी, सोनभद्र (राबर्ट्सगंज, अनपरा, शक्तिनगर), सिंगरौली, मिर्जापुर, अयोध्या, गोरखपुर, जौनपुर, गाजीपुर, बलिया, मऊ, अम्बेडकरनगर एवं आजमगढ़ से प्रसारित

E-mail : dainikdevvrat@gmail.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

पूर्व CJI गवई पर हमला करने वाले राकेश किशोर को साथी अधिवक्ताओं ने कोर्ट परिसर में चप्पल से पीटा

नई दिल्ली, 09 दिसम्बर (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)। दिल्ली के कड़कड़डूमा कोर्ट परिसर में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई, जहां पूर्व मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर. गवई पर जूता फेंकने के आरोपी वकील राकेश किशोर पर ही चप्पल से हमला किया गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह घटना उस समय हुई जब राकेश किशोर कोर्ट परिसर में मौजूद थे। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में वह धार्मिक नारे लगाते हुए नजर आ रहे हैं। हालांकि अमर उजाला वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। बताया जा रहा है कि मंगलवार को कड़कड़डूमा कोर्ट परिसर में वकील राकेश किशोर पर अचानक चप्पल से हमला किया गया। हमलावर को भी वकील बताया जा रहा है। इस घटना के दौरान राकेश किशोर धार्मिक नारे लगाते हुए देखे गए।

इस मामले में शाहदरा बार एसोसिएशन की ओर से कहा गया है कि उन्हें हमले को लेकर अभी तक कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। उन्होंने यह भी पुष्टि की कि हमला करने वाला व्यक्ति भी एक वकील है। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान वकील राकेश किशोर ने तत्कालीन सीजेआई गवई पर जूता उछालने की कोशिश की थी। हालांकि, यह जूता उन तक नहीं पहुंचा था। वकील ने जब डाइस की ओर बढ़ने की कोशिश की थी तो सुरक्षाकर्मी तुरंत हरकत में आ गए थे और उन्हें कोर्ट रूम से बाहर ले गए थे। जब वकील को ले जाया जा रहा था तो उन्हें यह कहते सुना गया था– 'सनातन का अपमान नहीं सहेंगे'। वह कथित तौर पर भगवान विष्णु की मूर्ति की पुनर्स्थापना पर पिछले दिनों सीजेआई की टिप्पणी से नाखुश थे।

वोट चोरी सबसे बड़ी राष्ट्रविरोधी हरकत-राहुल

चुनाव आयोग का इस्तेमाल कर भाजपा पहुंचा रही भारत के लोकतंत्र को नुकसान

नई दिल्ली, 09 दिसम्बर (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)। लोकसभा में मंगलवार 9 दिसंबर को चुनाव सुधारों/एसआईआर पर बहस हुई। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने बहस की शुरुआत की। लेकिन इस मुद्दे पर विपक्ष के नेता राहुल गांधी का हमला ज़ोरदार रहा। विपक्ष संसद के मानसून सत्र के बाद से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर चर्चा की मांग कर रहा है, लेकिन केंद्र ने चुनाव सुधारों पर व्यापक बहस का सुझाव दिया। उन्होंने एसआईआर पर चर्चा की बजाय इसे चुनाव सुधार पर चर्चा का नाम दिया।

लोकसभा में मंगलवार को चुनावी सुधारों पर चर्चा के दौरान विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने नरेंद्र मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा चुनाव आयोग का इस्तेमाल करके भारत के लोकतंत्र को नुकसान पहुंचा रही है। राहुल गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया में बदलाव पर सवाल उठाते हुए केंद्र सरकार से तीन महत्वपूर्ण सवाल पूछे।

राहुल गांधी ने सदन में कहा कि वर्ष 2023 के कानून के तहत चीफ जस्टिस (सीजेआई) को चयन समिति से हटा दिया गया और उनकी जगह केंद्रीय कैबिनेट मंत्री को शामिल किया गया। उन्होंने पूछा, ष्सीजेआई को चयन पैनल से क्यों हटाया गया? क्या हमें मुख्य न्यायाधीश पर भरोसा नहीं है?ष उन्होंने कहा, 'चयन पैनल से सीजेआई को हटाने के पीछे मकसद क्या था? अब उस कमरे में (मुख्य चुनाव आयुक्त की चयन समिति) मेरी कोई आवाज नहीं है।। विपक्ष के नेता के रूप में राहुल गांधी खुद इस तीन सदस्यीय चयन समिति का हिस्सा हैं, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और एक केंद्रीय मंत्री शामिल हैं। उन्होंने दावा किया कि समिति में उनकी आवाज दबा दी जाती है क्योंकि वह अल्पमत में रहते हैं। प्रधानमंत्री और गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में उनकी कोई प्रभावी भूमिका नहीं रह जाती। राहुल गांधी ने तीसरा सवाल मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों (नियुक्ति, सेवा शर्तें और कार्यकाल) अधिनियम, 2023 के क्लॉज 16 का जिक्र करते हुए उठाया। इस प्रावधान के तहत चुनाव आयुक्तों को उनके आधिकारिक निर्णयों से संबंधित कार्यों के लिए सजा से छूट दी गई है। उन्होंने सवाल किया कि चुनाव आयुक्तों को सजा से बचाने के लिए यह कानून क्यों लाया गया।

राहुल गांधी ने स्पष्ट रूप से आरोप लगाया कि भाजपा चुनाव आयोग के माध्यम से भारत के लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास कर रही है। इस मुद्दे पर भाजपा की ओर से सदन में कोई प्रत्यक्ष जवाब नहीं दिया गया। यह बहस लोकसभा में चल रही चर्चा का हिस्सा थी। हालांकि बीजेपी के सांसदों ने जबरदस्त शोरशराबा किया और राहुल को रोकने की कोशिश की।

नेता विपक्ष राहुल गांधी ने एसआईआर और चुनाव सुधार पर बहस में हिस्सा लेते हुए मोदी सरकार पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि आरएसएस इस देश की सभी संस्थाओं पर कब्जा करना चाहता है। राहुल गांधी ने उस पर भारतीय समाज में समानता के मूलभूत सिद्धांत को कमज़ोर करने का आरोप लगाया। गांधी ने आरोप लगाया कि 'आरएसएस समानता में विश्वास नहीं करता। वे मानते हैं कि उन्हें उसमें सबसे ऊपर होना चाहिए।'

उन्होंने महात्मा गांधी की हत्या के बाद आरएसएस की भूमिका पर व्यापक आरोप लगाए। गांधी ने दावा किया कि ष्गांधी की हत्या के बाद, अगला कदम भारत की संस्थाओं पर पूरी तरह से कब्ज़ा करना था।ष फिर लोकतंत्र के प्रमुख स्तंभों को धीरे–धीरे प्रभावित किया गया या उन पर कब्ज़ा कर लिया गया। इन दावों को चुनावी सुधारों के व्यापक संदर्भ से जोड़ते हुए, कांग्रेस नेता ने ज़ोर देकर कहा कि संस्थाओं पर नियंत्रण को केंद्रीकृत करने के प्रयास सीधे तौर पर लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को नुकसान पहुँचाते हैं और चुनावों की अखंडता को कमज़ोर करते हैं।

राहुल गांधी ने भाजपा पर लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने सदन में कहा, 'भाजपा भारतीय लोकतंत्र को नुकसान पहुँचाने के लिए चुनाव आयोग को निर्देशित और इस्तेमाल कर रही है।' कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हरियाणा की मतदाता सूची में अनियमितताओं का फिर से आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'हरियाणा की मतदाता सूची में एक ब्राज़ीलियाई महिला का नाम 22 बार दर्ज है।' उन्होंने कहा, ष्चुनाव में चोरी हुई है और यह चोरी चुनाव आयोग ने कराई है।

गांधी ने तर्क दिया कि चुनाव आयोग के पास 'इन सवालों का कोई जवाब नहीं है' और चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता बनाए रखने में विफल रहने का आरोप लगाया।

लोकसभा में बहस के दौरान, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने ज़ोर देकर कहा कि भारत न केवल दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, बल्कि 'सबसे महान लोकतंत्र' भी है। चुनाव प्रणाली की अखंडता की रक्षा की आवश्यकता पर बल देते हुए, उन्होंने कहा, 'वोट चोरी एक राष्ट्र–विरोधी कृत्य है।

उन्होंने कहा, '30 जनवरी, 1948 को महात्मा गांधी के सीने में तीन गोलियां लगीं। नाथूराम गोडसे ने हमारे राष्ट्रपिता की हत्या की। आज, हमारे मित्र राष्ट्रपिता को गले नहीं लगा रहे हैं। आज, हमारे मित्रों ने उन्हें दूर धकेल दिया है। यह एक असहज सच्चाई है। लेकिन परियोजना यहीं समाप्त नहीं हुई। जैसा कि मैंने कहा, सब कुछ वोट से उभरा है। सभी संस्थाएँ वोट से उभरी हैं। इसलिए यह स्पष्ट है कि आरएसएस को उन सभी संस्थाओं पर कब्ज़ा करना होगा जो इससे उभरी हैं। गांधीजी की हत्या के बाद, परियोजना का अगला चरण भारत के संस्थागत ढांचे पर बड़े पैमाने पर कब्ज़ा करना था।

राहुल हमें नैतिकता न सिखायें-निशिकांत दुबे

नई दिल्ली, 09 दिसम्बर (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)। संसद के शीतकालीन सत्र में मंगलवार को चुनाव सुधार पर चर्चा लगातार जारी है। नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने लोकसभा में चर्चा के दौरान आरएसएस पर देश की सभी संस्थाओं पक कब्जा करने का आरोप लगाया। वहीं, राहुल गांधी की ओर से लगाए गए आरोपों पर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने अब जोरदार पलटवार किया। उन्होंने कांग्रेस के इतिहास पर जोरदार प्रहार किया। इतना ही नहीं उन्होंने राहुल गांधी को कन्फ्यूज नेता तक बता दिया।

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि श्श्आए थे हरि भजन को ओटन लगे कपासश्श। श्शखोदा पहाड़ निकली चुहियाश्श। उन्होंने कहा कि यह वही कांग्रेस है जो शहीदों की चिताओं पर खड़ी हुई, वही कांग्रेस जिसने भारत को बांटा। आज, राहुल गांधी के बयानों के बाद, मैं उन्हें कांपते हुए और कन्फ्यूज देखा। वे अचानक संविधान की बात करने लगे। मैं अपने साथ 196 की पूरी बहस लेकर आया हूं, कैसे कांग्रेस ने संविधान को फाड़ दिया। उनके पास कोई जवाब नहीं है।

राहुल गांधी द्वारा चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाने के बाद, भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कांग्रेस पर जोरदार पलटवार किया। दुबे ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने ही चुनाव आयुक्तों को रिटायरमेंट के बाद ष्मलाईदार पदोंष से नवाजने की परंपरा शुरू की थी, जिससे चुनाव आयोग का राजनीतिकरण हुआ, हमें आप नैतिकता न सिखाएं। उन्होंने सुकुमार सेन, वी.एस. रमादेवी, टी.एन. शेषन और एम.एस. गिल जैसे पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्तों के उदाहरण दिए, जिन्हें कांग्रेस सरकारों ने रिटायरमेंट के बाद विभिन्न पदों से सम्मानित किया था।

वोट चोरी नहीं वोटों की डकैती पड़ रही है-अखिलेश

नई दिल्ली, 09 दिसम्बर (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)।

लोकसभा में मंगलवार को चुनाव सुधार और एसआईआर पर चर्चा के दौरान समाजवादी पार्टी के सांसद अखिलेश यादव ने सत्तारूढ़ भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने प्रशासनिक मशीनरी के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए चुनाव सुधारों पर सवाल उठाए। रामपुर और फर्रुखाबाद में हाल के उपचुनावों का जिक्र करते हुए यादव ने दावा किया कि मतदान के दिन पुलिस और अधिकारियों ने लोगों को घर से बाहर निकलने नहीं दिया, जिससे मतदान प्रतिशत सीधे प्रभावित हुआ। अखिलेश ने कहा– ये वोट चोरी नहीं है, ये वोटों की डकैती है।

उन्होंने बताया कि खुली धांधली के दम पर रामपुर से भाजपा की यह पहली जीत थी और उनकी पार्टी ने ऐसी घटनाओं के ढेरों सबूत चुनाव आयोग को सौंपे थे, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। ष्यह उपचुनावों में वोट चोरी नहीं बल्कि वोट डकैती थी। इलेक्टोरल बॉन्ड के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि भाजपा को सबसे ज्यादा फंड मिला, उसके बाद कांग्रेस, जबकि क्षेत्रीय पार्टियां संघर्ष करती रहीं। ष्हमें कुछ नहीं मिला।ष चुनावी खर्च में भाजपा का सबसे बड़ा हिस्सा है, उसके बाद कांग्रेस। क्षेत्रीय पार्टियां सवाल कर रही हैं कि वे कैसे मुकाबला करेंगी। यह अभियान वित्तपोषण में असंतुलन को दर्शाता है। उत्तर प्रदेश में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) पर चिंता जताते हुए यादव ने दावा किया कि इस प्रक्रिया में अब तक 10 बूथ लेवल ऑफिसर्स (बीएलओ) की जान जा चुकी है।

बिना CJI के मुख्य चुनाव आयुक्त को क्यों चुनना चाहते हैं PM मोदी

नई दिल्ली, 09 दिसम्बर (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)। लोकसभा में आज चुनाव सुधार को लेकर बहस हुई। इसमें राहुल गांधी ने भी हिस्सा लिया। उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत में खादी के कपड़े को लेकर की। इसके बाद उन्होंने आरएसएस पर हमला बोलना शुरू कर दिया। इसके बाद संसद में सत्ता पक्ष के लोगों ने हंगामा शुरु कर दिया। फिर स्पीकर ओम बिड़ला ने राहुल को बीच में रोकते हुए कहा कि आप विषय पर बोलें। इस पर राहुल ने कहा कि मैंने कुछ भी गलत नहीं कहा। हालांकि इसके बाद चुनाव सुधार पर बोलते हुए उन्होंने सरकार पर जमकर निशाना साधा। इसी दौरान उन्होंने सरकार से तीन सवाल भी दागे।

चुनाव आयोग की स्वतंत्रता और पारदर्शिता पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि आयोग पर एक विशेष संगठन का प्रभाव बढ़ गया है और इसी प्रभाव का इस्तेमाल भाजपा लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को नुकसान पहुंचाने के लिए कर रही है। उन्होंने कहा कि सीईसी की नियुक्ति प्रक्रिया से सीजेआई को हटाया जाना इसी दिशा में एक गंभीर कदम था।

राहुल गांधी ने सदन में कहा कि वह विपक्ष के नेता होने के नाते नियुक्ति पैनल में शामिल हैं, लेकिन उनका कोई प्रभाव नहीं रह गया है, क्योंकि पैनल में प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह का पक्ष भारी रहता है। उन्होंने कहा कि सीजेआई को हटाना यह दर्शाता है कि सरकार चुनाव प्रक्रिया को अपनी सुविधा के मुताबिक चलाना चाहती है। उन्होंने पूछा क्या हम सीजेआई पर भरोसा नहीं करते। उन्हें हटाने की क्या मजबूरी थी।

सरकार का इंडिगो पर कड़े एक्शन का दावा

एयरलाइन की उड़ानों में 10% की कटौती, सीईओ बोले-हमें माफ कर दो

नई दिल्ली, 09 दिसम्बर (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने इंडिगो एयरलाइन की उड़ानों में 10 प्रतिशत कटौती करने का कड़ा निर्देश दिया है। पिछले हफ्ते क्रू रोस्टर, फ्लाइट शेड्यूल और संचार की कमी जैसे आंतरिक कुप्रबंधन के कारण यात्रियों को हुई भारी असुविधा को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। मंत्रालय का मानना है कि एयरलाइन के संचालन को स्थिर करने और रद्दीकरण की घटनाओं को कम करने के लिए यह कटौती जरूरी है। हालांकि, इस कटौती के बावजूद इंडिगो अपने सभी मौजूदा गंतव्यों पर उड़ानें जारी रखेगी।

इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स को मंगलवार को विमानन मं मंत्रालय में तलब किया गया, जहां उन्होंने हालात को स्थिर करने के लिए किए जा रहे उपायों पर अपडेट दिया। सीईओ ने पुष्टि की है कि 6 दिसंबर तक प्रभावित उड़ानों के लिए 100 प्रतिशत रिफंड की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। मंत्रालय ने शेष रिफंड और यात्रियों के फंसे हुए सामान को जल्द से जल्द सौंपने के सख्त निर्देश दिए हैं। इंडिगो को किराया सीमा और यात्री सुविधा उपायों सहित मंत्रालय के सभी निर्देशों का बिना किसी अपवाद के पालन करने को कहा गया है। नागर विमानन मंत्री के राममोहन नायडू ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर इसकी जानकारी दी।

मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि 10 प्रतिशत की कटौती का उद्देश्य एयरलाइन के सिस्टम पर दबाव कम करना है ताकि जो भी उड़ानें शेड्यूल में रहें, वे समय पर और बिना रद्द हुए चल सकें। इंडिगो को यह सुनिश्चित करना होगा कि वह उच्च मांग वाले रूट्स पर भी संचालन को सुचारू रखे और किसी भी सेक्टर पर सेवा पूरी तरह बंद न करे। डीजीसीए की ओर इंडिगो को जारी आधिकारिक नोटिस में कहा गया है कि विंटर शेड्यूल के तहत नवंबर 2025 के लिए एयरलाइन को प्रति सप्ताह 15,014 प्रस्थान और कुल 64,346 उड़ानों की मंजूरी दी गई थी। हालांकि, परिचालन आंकड़ों से पता चलता है कि इंडिगो केवल 59,438 उड़ानें ही संचालित कर पाई। नवंबर में एयरलाइन की 951 उड़ानें रद्द की गईं। नोटिस के अनुसार, इंडिगो को समर शेड्यूल 2025 की तुलना में विंटर शेड्यूल में 6: के इजाफे की अनुमति दी गई थी, इसके तहत 403 विमानों के उपयोग की मंजूरी थी। लेकिन एयरलाइन अक्तूबर 2025 में केवल 339 और नवंबर 2025 में 344 विमान ही संचालित कर सकी। डीजीसीए ने कहा कि एयरलाइन ने 2024 की सर्दियों की तुलना में अपने प्रस्थान में 9.66 प्रतिशत और इस वर्ष के गर्मियों के शेड्यूल की तुलना में 6.05 प्रतिशत की वृद्धि की थी, लेकिन वह इस शेड्यूल का कुशलतापूर्वक संचालन नहीं कर सकी। डीजीसीए ने अपने आदेश में कहा, 'एयरलाइन को अपने शेड्यूल को 5 प्रतिशत तक घटाने का निर्देश दिया जाता है, यह कटौती विशेष रूप से अधिक मांग और अधिक फेरों वाले उड़ानों में हो। साथ ही, इंडिगो को किसी रूट पर जारी एकल उड़ानों को बंद करने से बचना चाहिए।

ई-रिक्शा चार्जिंग सेंटर पर छापा, कोडीन कफ सिरप की 30 हजार शीशियां जब्त

वाराणसी, 09 दिसम्बर (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)। वाराणसी जिले के रामनगर थाना क्षेत्र के सुजाबाद इलाके में मंगलवार को कफ सिरप तस्करी रैकेट के खिलाफ एसआईटी को बड़ी सफलता मिली। डीसीपी क्राइम टी. सरवणन के नेतृत्व में गठित टीम ने एक ई–रिक्शा चार्जिंग सेंटर में छापा मारकर भारी मात्रा में प्रतिबंधित कोडीन कफ सिरप बरामद किया। बताया जा रहा है कि इस सेंटर को चोरी–छिपे गोदाम के रूप में उपयोग किया जा रहा था, जहां हजारों कार्टून में भरी कफ सिरप की बोतलें दबाकर रखी गई थीं। जानकारी के अनुसार, एसआईटी टीम को सूचना मिली थी कि करीबियों के नेटवर्क के जरिए चल रहा यह गोदाम तीन महीने पहले किराए पर लिया गया था। राहुल नाम का युवक इस जगह को किराए पर लेकर यहां 'झोले' का कारोबार दिखाया था, जबकि कमरे को हमेशा बंद रखा जाता था। मौके पर पहुंची टीम ने अंदर से लगभग 30 हजार शीशियां बरामद कीं, जिनकी MRP 211 रुपये प्रति बोतल के हिसाब से कुल कीमत करीब 63 लाख रुपये आंकी गई है।

जांच में सामने आया कि यह गोदाम कफ सिरप तस्करी के सरगना शुभम जायसवाल के नेटवर्क से जुड़ा है। बरामद माल उसी खेप का हिस्सा बताया जा रहा है, जिसे कुछ दिन पहले रोहनिया के एक जिम से भी पकड़ा गया था। एसआईटी की प्राथमिक जांच में यह भी स्पष्ट हुआ कि इस गोदाम का संचालन मनोज कुमार यादव के स्टैंड से होता था, जो औसानगंज का रहने वाला बताया जा रहा है। मनोज, शुभम जायसवाल का करीबी बताया जा रहा है। छापेमारी के दौरान आरोपी मौके से भाग गया। कुछ दिन पहले गिरफ्तार हुए आजाद जायसवाल की गाड़ी इसी गोदाम के पास खड़ी मिली थी। इसी सुराग के आधार पर एसआईटी ने लोकेशन की पुष्टि करने के बाद छापेमारी की। टीम अब फरार आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही है, जबकि गोदाम से बरामद कार्टून, रैपर और संबंधित दस्तावेज जब्त कर लिए हैं। एडीसीपी टी. सरवणन ने बताया कि यह कफ सिरप तस्करी नेटवर्क के बड़े सिंडिकेट से जुड़ी हो सकती है। जांच में यह भी देखा जा रहा है कि इतने बड़े पैमाने पर कोडीन युक्त कफ सिरप किस चौनल के माध्यम से वाराणसी में पहुंच रहा था और इसे आगे कहां सप्लाई किया जाना था। टीम ने गोदाम को सील कर दिया है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। पूरे मामले में कई और गिरफ्तारी होने की संभावना जताई जा रही है। पुलिस टीमें जांच में जुटी हैं।

मद्रास हाईकोर्ट के जज को हटाने को इंडिया गठबंधन ने दिया नोटिस

नई दिल्ली, 09 दिसम्बर (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)। मद्रास हाईकोर्ट के जज जीआर स्वामीनाथन को पद से हटाने की विपक्ष ने कवायद तेज कर दी है। मंगलवार को मद्रास हाईकोर्ट के जज के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर डीएमके के नेतृत्व में कई विपक्षी सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को नोटिस सौंपा। नोटिस में जज को पद से हटाने के लिए प्रस्ताव लाने की अनुमति मांगी गई है। जस्टिस जीआर स्वामीनाथन मद्रास हाई कोर्ट की मदुरै बेंच में जज हैं। तमिलनाडु के थिरुवरूर के रहने वाले है। डीएमके संसदीय दल की नेता कनिमोझी, लोकसभा में पार्टी नेता टीआर बालू, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव और कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने 120 से अधिक सांसदों के हस्ताक्षर के साथ यह नोटिस सौंपा। 9 दिसंबर को सौंपे गए महाभियोग नोटिस के मुताबिक, मद्रास हाई कोर्ट के जज जस्टिस जीआर स्वामीनाथन को हटाने के लिए भारत के संविधान के अनुच्छेद 217 और 124 के तहत ये प्रस्ताव पेश किया गया है। पिछले शुक्रवार को यह मुद्दा लोकसभा में भी गूंजा था। बालू ने आरोप लगाया कि भाजपा तमिलनाडु में सांप्रदायिक तनाव भड़काने की कोशिश कर रही है, जबकि केंद्रीय मंत्री एल. मुरुगन ने राज्य सरकार पर पूजा के अधिकार से इनकार का आरोप लगाया। सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार की याचिका पर सुनवाई पर विचार करने की सहमति जताई है। इससे पहले, मदुरै बेंच ने जिला कलेक्टर और पुलिस आयुक्त की अपील खारिज करते हुए एकल–न्यायाधीश के आदेश को बरकरार रखा था, जिसमें भक्तों को दीप जलाने की अनुमति दी गई थी।

'देवव्रत' हिन्दी दैनिक आजमगढ़

'पाकिस्तान विरोध'

सुखमय एयरपोर्ट पर,
मित्रों जो है क्रोध ।
अच्छे दिन का कर रहा,
पाकिस्तान विरोध ।
मदद में देश बाहरी ।

धीरू भाई का दो टूक
10 दिसम्बर 2025

'ट्रॉफी चोर' नकवी की लंदन में हुई घनघोर बेइज्जती

पुलिस ने गाड़ी की ली तलाशी, वीडियो वायरल

नई दिल्ली, 09 दिसम्बर (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष और देश के गृहमंत्री मोहसिन नकवी की लंदन में घनघोर बेइज्जती हुई है। ब्रिटिश पुलिस ने ट्रॉफी चोर नकवी की गाड़ी को रोक कर तलाशी ली। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस घटना ने यह साबित कर दिया है कि दुनिया में पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय साख कैसी है।

बताया जा रहा है कि नकवी शहजाद अकबर और आदिल राजा के प्रत्यर्पण पर बातचीत के लिए ब्रिटेन में थे। लंदन पुलिस ने हालांकि, नकवी की गाड़ी की तलाशी के बारे में कुछ भी टिप्पणी नहीं की है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दिख रहा है कि किस तरह ब्रिटिश पुलिस ने नकवी की गाड़ी को रोक कर तलाशी ली। वीडियो देखकर लग रहा है कि यह रूटीन चेकिंग नहीं थी क्योंकि पुलिस ने हर दिशा से गाड़ी को चेक किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनसार, नकवी की गाड़ी की तलाशी उस वक्त ली गई जब वह अधिकारियों से मिलने के लिए ब्रिटेन के विदेश मंत्रालय पहुंचे। नकवी पीसीबी अध्यक्ष होने के साथ एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के चेयरमैन भी हैं। मालूम हो कि नकवी ने भारत द्वारा जीती एशिया कप की ट्रॉफी अपने पास रख ली है और अब तक इसे भारत को नहीं दिया है। भारत ने इस साल फाइनल में पाकिस्तान को हराकर एशिया कप का खिताब जीता था, लेकिन टीम ने नकवी के हाथों ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था। इसके बाद भारतीय खिलाड़ियों ने ट्रॉफी के बिना ही जश्न मनाया था और टीम इंडिया ट्रॉफी लिए बिना स्वदेश लौटी थी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने हाल ही में नकवी को ट्रॉफी सौंपने के लिए ई-मेल लिखा था। लेकिन नकवी इस जिद पर अड़े हैं कि वह अपने हाथ से ही विजेता टीम को ट्रॉफी सौंपेंगे।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाईस्कूल परीक्षा वर्ष 2019 अनुक्रमांक 2087905 का प्रमाण पत्र सह-अंकपत्र वास्तव में कहीं खो गया है। **नीतिष यादव** पुत्र अशोक कुमार यादव निवासी ग्राम समेंदा लोहरही पोस्ट चण्डेश्वर जनपद आजमगढ़।

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत अपर जिलाधिकारी प्रशासन, आजमगढ़
धारा 30 (2) उ.प्र.रा.सं. 2006 मौजा बरदह

अहिंसक राय पुत्र स्व. राममूरत राय साकिन बरदह परगना देवगांव तहसील मार्टिनगंज जनपद आजमगढ़। —वादी

बनाम

लालजी 2. इन्द्रदेव पुत्रगण स्व. रामप्रसाद 3. दिनेश पुत्र स्व. राममूरत 4. योगेन्द्र 5. अखिलेश 6. सन्तोष पुत्रगण फूलचन्द 7. सुशीला पत्नी स्व. हरिश्चन्द्र 8. पवन कुमार राय 9. विमल कुमार राय 10. राकेश कुमार राय पुत्रगण हरिश्चन्द्र 11. सुभावती पत्नी स्व. सुबाष राय 12. रमेश राय 13. राहुल राय 14. विपुल राय पुत्रगण सुबाष राय 15. श्रीमती मीना देवी पत्नी रतनलाल साकिनान बरदह परगना देवगांव तहसील मार्टिनगंज जनपद आजमगढ़ 16. गांवसभा बजरिये प्रधान ग्राम पंचायत बरदह परगना देवगांव तहसील मार्टिनगंज जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 13 माह 01 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2025 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी सगड़ी, आजमगढ़
धारा 116 उ.प्र.रा.सं. 2006 मौजा केशवपुर

उमाकान्त पुत्र मंगरु 2. शीला पत्नी उमाकान्त साकिनान केशवपुर परगना व तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़। —वादीगण

बनाम

दिनेश पुत्र मंगरु साकिन जोकहरा 2. रम्भा पत्नी रामजनम साकिन लुइई 3. सेवाती देवी पत्नी रामकिसुन साकिन बलुवा 4. सुशीला पत्नी प्रमोद साकिन मुहम्मदपुर 5. ज्योति किरन पत्नी सोहन साकिन रोहुवार 6. राजनन्द पुत्र भोलानाथ साकिन हसनपुर 7. मोलई पुत्र स्व. मुन्नर साकिन हसनपुर परगना व तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़ 8. मीरा देवी पत्नी गुलाब चन्द साकिन चक भगवानदास तहसील घोसी जनपद मऊ 9. गांवसभा बजरिये प्रधान ग्राम पंचायत केशवपुर परगना गोपालपुर तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 13 माह 01 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2025 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा इंटरमीडिएट परीक्षा वर्ष 2021 अनुक्रमांक 216774406 का प्रमाण पत्र सह-अंकपत्र वास्तव में कहीं खो गया है। **विशिष्ट रंजन** पुत्र रंजन कुमार श्रीवास्तव निवासी मोहल्ला 200, एलवल पोस्ट सदर जनपद आजमगढ़।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाईस्कूल परीक्षा वर्ष 2013 अनुक्रमांक 3149290 एवं इंटरमीडिएट परीक्षा 2015 अनुक्रमांक 2171026 का मूल प्रमाण पत्र सह-अंक पत्र कहीं खो गया है। **मेराज अहमद** पुत्र अली अहमद निवासी व पोस्ट मुबारकपुर जनपद आजमगढ़।

अदालती नोटिस

हेतु संदर्शित करने की सूचना
(साधारण प्रारूप)
न्यायालय सिविल जज (जू.डि.)
कोर्ट नं. 23, आजमगढ़

मु.नं. 128/1993

सलामातुल्ला बनाम अब्दुल अली आदि

बनाम- 1/1. बदीउज्जमा उम्र करीब 50 वर्ष 1/2. मो. दानिश उम्र करीब 40 वर्ष 1/3. मो. हारिस उम्र करीब 35 वर्ष 1/4. मो. आसिफ उम्र करीब 32 वर्ष पुत्रगण अब्दुल अली 1/5. सादिया उम्र करीब 72 वर्ष बेवा अब्दुल अली साकिनान बिलरियागंज परगना व तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि

अतएव आपको एतद्द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप उक्त आवेदन के खिलाफ हेतु संदर्शित करने के लिए 2025 के 12 के 11 दिवस 10 बजे प्रातः स्वयं या सम्यकरूपेण अनुदिस्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हों और ऐसा करने में असफल रहने पर उक्त आवेदन एकपक्षीय रूप से सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा।

11.12.2025 आपत्ति/निस्तारण

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज 20 के के दिवस को निकाली गयी। आज्ञा से—
सिविल जज (जू.डि.) कोर्ट नं. 23, आजमगढ़

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी सगड़ी, आजमगढ़
धारा 116 उ.प्र.रा.सं. 2006 मौजा कोठिहार किसुनदेव

रामबली पुत्र सुक्खी 2. लालसा 3. रामबेलास पुत्रगण शिववरत 4. राधेश्याम 5. रामू 6. श्यामू पुत्रगण सीताराम 7. सीतारानी पत्नी सीताराम साकिनान कोठिहार किसुनदेव परगना गोपालपुर तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़। —वादीगण

बनाम

रामदुलार 2. रामहित 3. रामफेरस पुत्रगण मंगरू साकिनान कोठिहार किसुनदेव परगना गोपालपुर तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़ 4. गांवसभा बजरिये प्रधान ग्राम पंचायत कोठिहार किसुनदेव परगना गोपालपुर तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 23 माह 12 सन् 2025 ई0 बवक्त 10 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2025 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

शेयर बाजार में गिरावट का सिलसिला जारी, सेंसेक्स 436 अंक टूटा

नई दिल्ली, 09 दिसम्बर (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत फैसले से पहले निवेशकों द्वारा मुनाफावसूली के कारण शेयर बाजार मंगलवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुए। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 436.41 अंक या 0.51 प्रतिशत गिरकर 84,666.28 अंक पर बंद हुआ। दिन के कारोबार के दौरान, सेंसेक्स 719.73 अंक या 0.84 प्रतिशत गिरकर 84,382.96 के निचले स्तर पर आ गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 120.90 अंक या 0.47 प्रतिशत गिरकर 25,839.65 अंक पर बंद हुआ। दिन के कारोबार में यह 232.55 अंक या 0.89 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,728 के निचले स्तर तक गया। रुपया मंगलवार को डॉलर के मुकाबले 17 पैसे टूटकर 89.88 के स्तर पर पहुंच गया। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में एशियन पेंट्स, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टाटा स्टील, मारुति सुजुकी इंडिया, सन फार्मास्यूटिकल्स, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, अल्ट्राटेक सीमेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा और टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स के शेयर गिरावट में रहे। वहीं, इटरनल, टाइटन, अडानी पोर्ट्स, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फिनसर्व, एनटीपीसी और भारती एयरटेल लाभ में रहे।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेस्पाण्डेन्ट बाबत इत्तिला
तारीख मुकर्ररह समायत अपील
बअदालत अपर आयुक्त (न्यायिक)
आजमगढ़ मण्डल, आजमगढ़

निगरानी सं. सन् 2025

भगेलू बनाम राधिका

बनाम- चिन्ता पत्नी कमलेश 2. राजबली 3. अतुल पुत्रगण कतवारू 4. माया बेवा कतवारू 5. अशोक पुत्र बंजरंगी 6. फूलमती पत्नी मरछू 7. प्रमिला पत्नी अभयनरायन 8. सीमा देवी पत्नी हरिनरायन 9. राधिका 10. भूमली पुत्रीगण महावीर साकिनान गंगऊपुर तहसील मधुबन जनपद मऊ 11. रविन्द पुत्र हरदेव 12. जितेन्द्र 13. नरेन्द्र पुत्रगण प्रभू 14. देवेन्द्र पुत्र धरमू 15. शान्ती बेवा धरमू 16. गुलाब पुत्र हरदेव साकिनान खरगीपुर तहसील मधुबन जनपद मऊ 17. शिवबचन 18. परसाद पुत्रगण विश्वनाथ 19. सुवाष 20. प्रमोद पुत्रगण कपिलदेव साकिनान गंगऊपुर तहसील मधुबन जनपद मऊ। —प्रतिवादीगण

मुत्तिला हो कि अपील बनाराजी डिगरी

इस मुकदमे में धनराशि में पेश किया गया वह इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत में तारीख 12 महीना 12 सन् 2025 ई0 वास्ते समायत इस अपील के मुकर्रर की है। अगर खुद आप या आपके वकील या और कोई शक्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जवाब व सवाल करने का मजाज हो हाजिर न आयेगा तो उसका समायत और तजवीज आपके गैर हाजिरी में एकतरफा की जायेगी। आज बतारिख 05 माह 12 सन् 2025 ई0 मेरे हस्ताक्षर व मुहर अदालत से जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत अपर जिलाधिकारी
(वित्त व राजस्व), आजमगढ़

रामनरायन पुत्र देवनन्दन साकिन बघरा अव्वल परगना बेलहाबास तहसील मेंहनगर जनपद आजमगढ़। —वादी

बनाम

सुरजू 2. रामबचन 3. रामश्री पुत्रगण रामदास 4. रामअवध 5. तहसीलदार 6. वकील पुत्रगण चन्नर 7. कृष्णानन्द 8. गोविन्द 9. श्रवण कुमार पुत्रगण दुर्गविजय 10. राधिका पत्नी दुर्गविजय 11. रामलगन 12. रामबली 13. सूर्यनाथ 14. पंचम पुत्रगण शिवदत्त 15. रमायन 16. रम्मन 17. रामनन्दन पुत्रगण विश्वनाथ 18. शिवनाथ पुत्रगण सकलू 19. दूधनाथ 20. हरीनाथ 21. शिवबच्चन पुत्रगण नौबत 22. इनरू 23. इनरदेव 24. अम्बिका पुत्रगण लहुक 25. योगेन्द्र 26. सुरेन्द्र 27. वीरेन्द्र 28. रविन्द्र पुत्रगण माटू 29. रामदेव पुत्र कोमल 30. गुलाबी पत्नी रामअधार 31. रामअधार 32. सूबेदार 33. हवलदार पुत्रगण भृगुनाथ 34. कल्पना पुत्र वंशी 35. तारा पत्नी दिनेश 36. ओमप्रकाश 37. विशुन दयाल 38. लहजू 39. रामप्रसाद पुत्रगण रामदरस 40. सावित्री पत्नी रामू 41. चिलारू पुत्र जोजन उर्फ रामधारी 42. चन्द्रशेखर पुत्र पलकधारी 43. अंश पुत्र स्व. अशोक 44. सुखराज पुत्र रघुवीर 45. हरिकेश पुत्र नगीना 46. चन्द्रदेई पत्नी नगीना 47. विनोद 48. प्रमोद पुत्रगण अलगू 49. सुखिया पत्नी अलगू 50. रामाश्रय पुत्र रामधनी 51. रामधनी किसान महाविद्यालय बघरा अव्वल प्रबन्धक 52. शीतला प्रसाद पुत्र रामधनी साकिनान बघरा अव्वल परगना बेलहाबास तहसील मेंहनगर जनपद आजमगढ़ 53. सुरेश पुत्र महंगू 54. मंजू देवी पत्नी उमेश साकिनान तितिरा (दुय्यापार) परगना बेलहाबास तहसील मेंहनगर जनपद आजमगढ़ 55. गांवसभा बजरिये प्रधान ग्राम पंचायत बघरा अव्वल परगना बेलहाबास तहसील मेंहनगर जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 12 माह 12 सन् 2025 ई0 बवक्त 10 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 09 माह 12 सन् 2025 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

हेतु संदर्शित करने की सूचना
(साधारण प्रारूप)
न्यायालय सिविल जज (जू.डि.)
शाहगंज जौनपुर, जनपद जौनपुर

मु.नं. 1335/2024

श्रीराज तिवारी बनाम गजेन्द्र पाण्डेय

बनाम- गजेन्द्र पाण्डेय 2. नरेन्द्र पाण्डेय 3. वीरेन्द्र पाण्डेय 4. सुरेन्द्र पाण्डेय 5. योगेन्द्र पाण्डेय 6. अशोक पाण्डेय पुत्रगण स्व. लालमनि पाण्डेय 7. रणजीत तिवारी 8. इन्द्रजीत तिवारी पुत्रगण स्व. हरिनारायन तिवारी 9. चन्द्रप्रकाश तिवारी 10. राकेश तिवारी पुत्रगण स्व. राजनाथ तिवारी उर्फ शेषमणि तिवारी 11. सत्यप्रकाश तिवारी पुत्र स्व. राजनाथ तिवारी उर्फ शेषमणि तिवारी 12. श्रीष तिवारी 13. श्रीधर तिवारी उर्फ शिशिर पुत्रगण स्व. महेन्द्र तिवारी साकिनान शाहपुर परगना अंगुली तहसील शाहगंज जनपद जौनपुर। —प्रतिवादीगण

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि

अतएव आपको एतद्द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप उक्त आवेदन के खिलाफ हेतु संदर्शित करने के लिए 2025 के 12 के 20 दिवस 10 बजे प्रातः स्वयं या सम्यकरूपेण अनुदिस्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हों और ऐसा करने में असफल रहने पर उक्त आवेदन एकपक्षीय रूप से सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा।

20.12.2025 आपत्ति/निस्तारण

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज 20 के के दिवस को निकाली गयी। आज्ञा से—
सिविल जज (जू.डि.)
शाहगंज जौनपुर, जनपद जौनपुर

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारदार उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
बअदालत सिविल जज (जू.डि.)
शाहगंज जौनपुर, जनपद जौनपुर

मु.नं. 1335/2024

श्रीराज तिवारी बनाम गजेन्द्र पाण्डेय

बनाम- गजेन्द्र पाण्डेय 2. नरेन्द्र पाण्डेय 3. वीरेन्द्र पाण्डेय 4. सुरेन्द्र पाण्डेय 5. योगेन्द्र पाण्डेय 6. अशोक पाण्डेय पुत्रगण स्व. लालमनि पाण्डेय 7. रणजीत तिवारी 8. इन्द्रजीत तिवारी पुत्रगण स्व. हरिनारायन तिवारी 9. चन्द्रप्रकाश तिवारी 10. राकेश तिवारी पुत्रगण स्व. राजनाथ तिवारी उर्फ शेषमणि तिवारी 11. सत्यप्रकाश तिवारी पुत्र स्व. राजनाथ तिवारी उर्फ शेषमणि तिवारी 12. श्रीष तिवारी 13. श्रीधर तिवारी उर्फ शिशिर पुत्रगण स्व. महेन्द्र तिवारी साकिनान शाहपुर परगना अंगुली तहसील शाहगंज जनपद जौनपुर। —प्रतिवादीगण

हरगाह ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 20 माह 12 सन् 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन के असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमा के हालत से करार वाकई वाकिफ हो और कुल उमरान अहम मुतल्लिका मुकदमा का जवाब दे सके, जिसके साथ कोई शख्स हो जो कि जवाब ऐसे सवालात की दे सके हाजिर हो और जवाबदेही दावा करे और आपको लाजिम है कि इसी रोज जुमला दस्तावेज को पेश करे। आप बताईद अपने जवाबदेही के इस्तदलाल करना चाहते हों। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर तारीख 20-12-2025 तनकीह पर हाजिर न होंगे तो मुकदमा गैरहाजिरी आपके मजमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2025 ई0 जारी किया गया।

—आज्ञा से
सिविल जज (जू.डि.)
शाहगंज जौनपुर, जनपद जौनपुर

अदालती नोटिस

हेतु संदर्शित करने की सूचना
(साधारण प्रारूप)
न्यायालय अपर प्रधान न्यायाधीश परिवार
न्यायालय तृतीय जौनपुर, जनपद जौनपुर

मु.नं. 475/2025
धारा 144 बी.एन.एस.एस. थाना चन्दवक

ज्योति बनाम विजय

बनाम- विजय मौर्य उम्र करीब 26 वर्ष पुत्र कैलाश मौर्य निवासी ग्राम बरसवां ठेकमा पोस्ट ठेकमा थाना बरदह जनपद आजमगढ़ उ.प्र.। —प्रतिवादीगण

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि

अतएव आपको एतद्द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप उक्त आवेदन के खिलाफ हेतु संदर्शित करने के लिए 2026 के 01 के 17 दिवस 10 बजे प्रातः स्वयं या सम्यकरूपेण अनुदिस्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हों और ऐसा करने में असफल रहने पर उक्त आवेदन एकपक्षीय रूप से सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा।

17.01.2026 आपत्ति/निस्तारण

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज 20 के के दिवस को निकाली गयी। आज्ञा से—
अपर प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय
तृतीय जौनपुर, जनपद जौनपुर

अदालती नोटिस

हेतु संदर्शित करने की सूचना
(साधारण प्रारूप)
न्यायालय सिविल जज (जू.डि.)
एफ.टी.सी. जौनपुर, जनपद जौनपुर

मु.नं. 946/2016

फूलकली बनाम बनवारी

बनाम- बनवारी पुत्र मोहन उम्र करीब 60 साल 2. उदयराज उम्र करीब 30 साल पुत्र बनवारी 3. रामउदई पुत्र बनवारी उम्र करीब 25 साल साकिनान दनापुर परगना अंगुली तहसील शाहगंज जनपद जौनपुर। —प्रतिवादीगण

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि

अतएव आपको एतद्द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप उक्त आवेदन के खिलाफ हेतु संदर्शित करने के लिए 2026 के 01 के 03 दिवस 10 बजे प्रातः स्वयं या सम्यकरूपेण अनुदिस्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हों और ऐसा करने में असफल रहने पर उक्त आवेदन एकपक्षीय रूप से सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा।

03.01.2026 आपत्ति/निस्तारण

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज 20 के के दिवस को निकाली गयी। आज्ञा से—
सिविल जज (जू.डि.)
एफ.टी.सी. जौनपुर, जनपद जौनपुर

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारदार उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
बअदालत सिविल जज (जू.डि.)
एफ.टी.सी. जौनपुर, जनपद जौनपुर

मु.नं. 946/2016

फूलकली बनाम बनवारी

बनाम- बनवारी पुत्र मोहन उम्र करीब 60 साल 2. उदयराज उम्र करीब 30 साल पुत्र बनवारी 3. रामउदई पुत्र बनवारी उम्र करीब 25 साल साकिनान दनापुर परगना अंगुली तहसील शाहगंज जनपद जौनपुर। —प्रतिवादीगण

हरगाह ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 03 माह 01 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन के असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमा के हालत से करार वाकई वाकिफ हो और कुल उमरान अहम मुतल्लिका मुकदमा का जवाब दे सके, जिसके साथ कोई शख्स हो जो कि जवाब ऐसे सवालात की दे सके हाजिर हो और जवाबदेही दावा करे और आपको लाजिम है कि इसी रोज जुमला दस्तावेज को पेश करे। आप बताईद अपने जवाबदेही के इस्तदलाल करना चाहते हों। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर तारीख 03-01-2026 तनकीह पर हाजिर न होंगे तो मुकदमा गैरहाजिरी आपके मजमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2025 ई0 जारी किया गया।

—आज्ञा से
सिविल जज (जू.डि.)
एफ.टी.सी. जौनपुर, जनपद जौनपुर

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारदार उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
बअदालत सिविल जज (जू.डि.)
शाहगंज जौनपुर, जनपद जौनपुर

मु.नं. 330/2025

वकील बनाम अकील अहमद

बनाम- शकील अहमद उम्र करीब 74 साल 2. मतीम अहमद उम्र करीब 67 साल 3. हफीज उम्र करीब 62 साल पुत्रगण मुख्तार अहमद साकिनान सुइथाकलां परगना अंगुली तहसील शाहगंज जनपद जौनपुर 5. मुस्ताक उम्र करीब 47 साल पुत्र इब्राहिम 13. अख्तरी बेगम उम्र करीब 67 साल पत्नी रऊफ 16. मो. नसीम उम्र करीब 42 साल 17. मो. वसीम उम्र करीब 45 साल पुत्रगण रऊफ साकिनान लालापुर परगना अंगुली तहसील शाहगंज जनपद जौनपुर। —प्रतिवादीगण

हरगाह ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 22 माह 12 सन् 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन के असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमा के हालत से करार वाकई वाकिफ हो और कुल उमरान अहम मुतल्लिका मुकदमा का जवाब दे सके, जिसके साथ कोई शख्स हो जो कि जवाब ऐसे सवालात की दे सके हाजिर हो और जवाबदेही दावा करे और आपको लाजिम है कि इसी रोज जुमला दस्तावेज को पेश करे। आप बताईद अपने जवाबदेही के इस्तदलाल करना चाहते हों। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर तारीख 22-12-2025 तनकीह पर हाजिर न होंगे तो मुकदमा गैरहाजिरी आपके मजमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2025 ई0 जारी किया गया।

—आज्ञा से
सिविल जज (जू.डि.)
शाहगंज जौनपुर, जनपद जौनपुर

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत चकबन्दी अधिकारी सदर
द्वितीय मऊ, जनपद मऊ
धारा 12 जो.च. अधि. मौजा पीपरसाथ

राजकेशरी बनाम काशीनाथ आदि

बनाम- विनोद कुमार शुक्ल 2. प्रमोद कुमार शुक्ल 3. अशोक कुमार शुक्ल 4. संजय कुमार शुक्ल 5. काशीनाथ शुक्ल पुत्रगण स्व. सुरेशचन्द शुक्ल साकिनान ब्राहमण टोला (कायस्थ टोला) तहसील मुहम्मदाबाद गोहना जनपद मऊ हाल मुकाम पीपरसाथ तहसील सदर जनपद मऊ। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 18 माह 12 सन् 2025 ई0 बवक्त 10 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 04 माह 12 सन् 2025 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत अपर जिलाधिकारी प्रशासन, आजमगढ़
धारा 30 (2) उ.प्र.रा.सं. 2006

रामकेवल पुत्र नगई साकिन बनकट परगना कौड़िया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़। —वादी

बनाम

गांवसभा बजरिये प्रधान/अध्यक्ष भूमि प्रबन्धक ग्राम पंचायत बनकट परगना कौड़िया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़ 2. अनिल कुमार पुत्र झूरी साकिन बनकट 3. कलावती पत्नी कन्हई साकिन जलालपुर 4. लालजी 5. राना 6. त्रिलोकीनाथ 7. राममिलन पुत्रगण पल्टन साकिन लेदौरा 8. संतोष 9. विनोद 10. प्रमोद पुत्रगण सीताराम 11. रंजना देवी पत्नी सीताराम साकिन लेदौरा 12. कैलाश पुत्र गुप्तार साकिन बनकट परगना कौड़िया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़ 13. कैलाशपति पत्नी सहतू साकिन सिकहुला परगना अतरौलिया 14. धनराजी पत्नी रामनाथ साकिन बनकट 15. पतिराम 16. रामजतन पुत्रगण राजबली 17. विनोद पुत्र पलकधारी 18. कवलपत्ती पत्नी पलकधारी 19. विनोद कुमार 20. सिकन्दर 21. सूर्यनाथ पुत्रगण भग्गी उर्फ भज्जू 22. शान्ती देवी पत्नी भग्गी साकिनान बनकट 23. मंजूलता पत्नी संतोष कुमार साकिन सुल्तानपुर 24. मूलचन्द पुत्र जेठू साकिन बनकट 25. मंगरू प्रसाद 26. विजय नरायन 27. लालबहादुर 28. संजय पुत्रगण हरिवंश 29. श्यामदुलारी पत्नी हरिवंश 30. राजपति 31. रामशकल पुत्रगण तिलकू 32. शिवपूजन 33. रामआसरे 34. कैलाश 35. कपिलदेव पुत्रगण जैश्री 36. भंगारी पत्नी जैश्री 37. रामुदलार पुत्र चितई 38. रामधनी 39. शेरधनी पुत्रगण सुबेदार साकिनान बनकट परगना कौड़िया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़ 40. कुसुम देवी पत्नी रामजीत साकिन कोठरा 41. प्रेमशीला पत्नी राजपति साकिन शम्भूपुर 42. संतोश कुमार 43. रामू 44. श्यामू 45. कृष्ण कुमार पुत्रगण मिठाई 46. राहुल पुत्र अनोखेलाल 47. इन्द्रावती देवी पत्नी गुलाब 48. हंसराज 49. पतिराम पुत्रगण ओरी 50. सविता पत्नी लछिराम 51. अवधेश 52. हरिशंकर पुत्रगण मोतीलाल 53. सुभागी देवी पत्नी मोतीलाल साकिनान बनकट परगना कौड़िया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 12 माह 01 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 01 माह 12 सन् 2025 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी सगड़ी, आजमगढ़
धारा 116 उ.प्र.रा.सं. 2006 मौजा अलाउददीनपट्टी

मु. आमिर बनाम मो. अख्तर आदि

बनाम- मो. अख्तर पुत्र मो. मुनौवर 2. वाहिद 3. शाबिर 4. जाहिद पुत्रगण साबिर 5. शहाबुद्दीन 6. रियाजुद्दीन 7. कमालुद्दीन 8. एहिया पुत्रगण सगीर 9. जाकिरा पत्नी सगीर 10. अबूतलहा 11. अबूओबैदा 12. मु. आदिल 13. मु. अकरम 14. मु. आजिम 15. मु. गाजिम 16. मु. आसिम पुत्रगण हिसामुद्दीन 17. शहरून्निशा पत्नी हिसामुद्दीन साकिनान अलाउददीनपट्टी परगना व तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 17 माह 12 सन् 2025 ई0 बवक्त 10 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 03 माह 12 सन् 2025 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत मुख्य राजस्व अधिकारी, आजमगढ़
वाद सं. डी 202415060002655
धारा 198 (4) ज.वि. अधि. मौजा बनहरमय चक गजड़ी

राजबहादुर बनाम श्रीनिवास

बनाम- श्रीनिवास पुत्र रामबहाल 2. उदयराज 3. अभयराज पुत्रगण भुलई 4. हंसराज 5. ध्रुव कुमार 6. सुरजीत पुत्रगण स्व. सतई 7. लीलावती पत्नी निरंजन 8. दीपचन्द्र 9. दीपक 10. सन्दीप पुत्रगण स्व. निरंजन 11. सोनू पुत्र बहादुर 12. जगदीश पुत्र मदन 13. तीरथ 14. राममूरत पुत्रगण रामदुलार 15. हौसिला पुत्र रामअशीष 16. शेषनाथ पुत्र रामअवध 17. मनतोरा पत्नी रामअवध 18. दयाराम 19. हरीराम 20. सतिराम पुत्रगण सीताराम 21. शान्ति पत्नी सीताराम 22. रामचन्दर 23. ब्रहमदेव 24. हरिप्रकाश 25. संजय पुत्रगण भगौती 26. चन्द्रभान 27. उदयभान पुत्रगण जर्नादन 28. निर्मला पत्नी ईश्वरदत्त 29. परशुराम 30. श्याम पुत्रगण ईश्वरदत्त 31. दुइजी पत्नी झिलंगू 32. रमेश 33. दिनेश पुत्रगण झिलंगू 34. असराफी पत्नी श्रीराम 35. अमन 36. करन पुत्रगण सुरेश 37. शकुंतला पत्नी सुरेश 38. पूर्णमासी पुत्र गुनई 39. जयप्रकाश 40. सुनील पुत्रगण आकाशू 41. तेरसी पत्नी आकाशू 42. रामसिंगार पुत्र लालसा 43. रामनाथ 44. अमरनाथ पुत्रगण रामदुलार साकिनान बनहरमय चक गजड़ी परगना माहुल तहसील फूलपुर जनपद आजमगढ़ 45. गांवसभा बजरिये प्रधान/अध्यक्ष भूमि प्रबन्धक समिति ग्राम पंचायत बनहरमय चक गजड़ी परगना माहुल तहसील फूलपुर जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 27 माह 12 सन् 2025 ई0 बवक्त 10 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2025 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी लालगंज, आजमगढ़
धारा 20/24 उ.प्र.रा.सं. 2006 मौजा चौकी देवगांव

कमर वकार बनाम गांवसभा

बनाम- मन्जू पत्नी राजकुमार साकिन चांदपुर वच्छिनी हाल मुकाम रसूलपुर उर्फ नूरूद्दीनपुर परगना देवगांव 2. ज्ञानता पत्नी रामअचल साकिन बाउलपुर हाल मुकाम रसूलपुर उर्फ नूरूद्दीनपुर परगना देवगांव 3. मीरा पत्नी अर्जुन साकिन चकिया भगवानपुर हाल मुकाम रसूलपुर उर्फ नूरूद्दीनपुर परगना देवगांव तहसील लालगंज जनपद आजमगढ़ 4. गांवसभा बजरिये प्रधान ग्राम पंचायत रसूलपुर दूधरा परगना देवगांव तहसील लालगंज जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 13 माह 12 सन् 2025 ई0 बवक्त 10 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 30 माह 11 सन् 2025 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

संस्थापक :
स्मृतिशेष श्री ठाकुर प्रसाद यादव

सम्पादक :
श्री विजय कुमार यादव

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक श्री विजय कुमार यादव के लिए स्वाभिमान प्रकाशन, शहीद द्वार (सिविल लाईन) आजमगढ़ से मुद्रित कराकर 'देवव्रत' हिन्दी दैनिक कार्यालय, 31 शहीद द्वार आजमगढ़-276001 से प्रकाशित।
पो.रजि.नं. : आ./एन.पी.-92
टेली फैक्स : 05462-297576
मोबाइल : 9415370246
RNI NO. 56765/92

भारत ने श्रीलंका में भेजे चार और युद्धपोत, हजारों लोगों को मिलेगी राहत

नई दिल्ली, 9 दिसंबर, (देवव्रत संवाद)। ऑपरेशन सागर बंधु के हिस्से के रूप में भारतीय सेना चक्रवात दित्वा के बाद श्रीलंका को अपनी निरंतर मानवीय सहायता जारी रख रही है और श्रीलंकाई सेना और नागरिक प्रशासन के समन्वय से महत्वपूर्ण इंजीनियरिंग सहायता और उच्च-गुणवत्ता वाली चिकित्सा देखभाल प्रदान कर रही है। भारतीय सेना के इंजीनियर टास्क फोर्स (ईटीएफ) ने जाफना में क्षतिग्रस्त पुलियामपोक्कानई पुल को निकालने और हटाने का काम शुरू कर दिया है। भारतीय सेना पुल के पैनलों को हटाने के लिए एक पहिएदार उत्खनन मशीन का उपयोग करके सड़क विकास प्राधिकरण (आरडीए), श्रीलंका की सहायता कर रही है। यह कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है और 10 दिसंबर तक पूरा होने की संभावना है, शनिवार दोपहर तक पहले बेली पुल का निर्माण शुरू होने की योजना है।जाफना में 120 फुट लंबे दोहरे मार्ग के निर्माण में सहायता के लिए, आरडीए स्टोर यार्ड से 70% सामान पहले ही स्थानांतरित कर दिया गया है, और शेष सामान बुधवार शाम तक साइट पर पहुँच जाएगा। चिलाव में आरडीए द्वारा अगले 48 घंटों के भीतर घाट निर्माण शुरू करने की उम्मीद है। बेली ब्रिज का एक पूरा सेट पहले ही पहुँच चुका है, जिससे पुनर्निर्माण प्रयासों को और बल मिला है। साथ ही, पठानकोट में चौथे बेली ब्रिज सेट की लोडिंग का काम चल रहा है, जिसके 9 दिसंबर को सुबह 9 बजे रवाना होने की उम्मीद है। आत्मनिर्भर भारत और भारतीय सेना के आधुनिकीकरण एवं प्रौद्योगिकी समावेशन की दिशा में बढ़ते प्रयासों को दर्शाते हुए, ईटीएफ ने जाफना और चिलाव दोनों स्थानों पर पुल स्थलों की विस्तृत जाँच के लिए स्वदेशी ड्रोन, सोनार-आधारित एलआरएफ, दूर से संचालित लड़ाकू क्रूजर यूजीवी और अन्य नई पीढ़ी के उपकरण तैनात किए हैं, जिससे परिचालन समय-सीमा में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

नवजोत कौर सिद्धू को कांग्रेस ने किया सस्पेंड, लगाए थे भ्रष्टाचार के आरोप

नई दिल्ली, 9 दिसंबर, (देवव्रत संवाद)। नवजोत कौर सिद्धू को उनके विवादास्पद बयान के बाद कांग्रेस पार्टी से तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। यह सिद्धू के उस विवादित बयान के कुछ ही घंटों बाद हुआ है जिसमें उन्होंने कहा था कि जो 500 करोड़ रुपये का सूटकेस देता है, वह पंजाब का मुख्यमंत्री बन जाता है। उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप भी लगाए। पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी कौर ने शनिवार को राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से मुलाकात के बाद पत्रकारों से कहा हम हमेशा पंजाब और पंजाबियत की बात करते हैं...लेकिन हमारे पास 500 करोड़ रुपये नहीं हैं जो हम मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठने के लिए दे सकें। सिद्धू पर बात करते हुए नवजोत कौर ने दावा किया कि सिद्धू का कांग्रेस के प्रति लगाव तो बहुत है लेकिन उन्हें कभी मुख्यमंत्री पद नहीं मिलेगा। मीडिया ने सवाल किया क्यों नहीं मिलेगा जवाब में नवजोत बोली मुख्यमंत्री बनने के लिए 500 करोड़ लगते हैं और हमारे पास देने के लिए इतने पैसे नहीं हैं। इसी के साथ सिद्धू के वापस बीजेपी जाने के सवाल पर नवजोत ने कहा कि मैं खुल के बोलती हूं वो कांग्रेस के साथ अटैच्ड है। बहुत ज्यादा उनको उनके साथ प्रियंका जी के साथ अटैचमेंट है। पर मुझे इतनी इनफैक्टिंग में लग नहीं रहा कि कहीं भी नवजोत सिद्धू को ये प्रमोट होने देंगे। भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि उनकी टिप्पणी से पता चलता है कि कांग्रेस में नेताओं से लेकर कार्यकर्ताओं तक भ्रष्टाचार व्याप्त है। उन्होंने कहा है कि कोई भी व्यक्ति मुख्यमंत्री बनने के बारे में तभी सोच सकता है जब उसके सूटकेस में 500 करोड़ रुपये हों। कांग्रेस पूरी तरह से भ्रष्ट आचरण में डूबी हुई है। पंजाब भाजपा प्रमुख सुनील जाखड़ ने भी प्रतिक्रिया व्यक्त की और उनके दावे को कांग्रेस के लेन-देन की राजनीति के इतिहास से जोड़ा।

एक्टर विजय की रैली में बंदूक लेकर पहुंचा एक व्यक्ति

पुडुचेरी, 9 दिसंबर, (देवव्रत संवाद)।तमिलगा वेत्री कझगम चीफ और एक्टर विजय ने मंगलवार को पुडुचेरी स्थित उप्पलम के एक्सपो ग्राउंड (न्यू पोर्ट) में विशाल रैली की। इस दौरान तमिलनाडु के एक व्यक्ति ने बंदूक लेकर घुसने की कोशिश की, जिससे हड़कंप मच गया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। व्यक्ति ने दावा किया कि उसके पास लाइसेंसी रिवॉल्वर है। इसने बताया कि वह एक निजी सुरक्षा अधिकारी है, लेकिन समय पर नहीं पहुंचने के कारण अपनी टीम के साथ नहीं जा पाया। जब पत्रकारों ने पूछा कि वह किसे सुरक्षा दे रहा है, तो व्यक्ति ने कोई जवाब नहीं दिया। दूसरी तरफ, एक्टर विजय की रैली में भीड़ बेकाबू हो गई। रैली में सिर्फ 5,000 लोगों की एंट्री की अनुमति दी गई थी। लेकिन, बड़ी संख्या में लोग रैली स्थल पर पहुंच गए। युवक-युवतियां और महिलाएं बैरिकेड फांदकर अंदर घुस गए। लोग विजय की एक झलक पाने के लिए पास के पेड़ों पर भी चढ़ गए।भीड़ काबू करने के लिए सुरक्षाकर्मियों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। 27 सितंबर को करूर में ळश्ङ की रैली में भगदड़ मचने से 41 लोगों की मौत हो गई थी। भगदड़ के बाद विजय की यह पहली जनसभा थी।तमिलनाडु सरकार ने विजय को रैलियां निकालने की अनुमति देने से इनकार कर दिया था।

सोनिया गांधी को दिल्ली कोर्ट का नोटिस

नई दिल्ली, 9 दिसंबर, (देवव्रत संवाद)।दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी को नोटिस दिया है। यह नोटिस उस याचिका पर आया है, जिसमें दावा किया गया कि सोनिया गांधी का नाम 1980झ्र81 की वोटर लिस्ट में गलत तरीके से जोड़ा गया था। इसके अलावा याचिका में मजिस्ट्रेट के उस फैसले को चुनौती दी गई है, जिसमें सोनिया गांधी के खिलाफ दायर शिकायत को खारिज कर दिया गया था। कोर्ट ने इस मामले में राज्य सरकार को भी नोटिस जारी किया है और पूरे केस का रिकॉर्डमंगाया है। अगली सुनवाई 6 जनवरी को होगी। इस दौरान सोनिया और राज्य सरकार को नोटिस का जवाब देना होगा। यह याचिका विकास त्रिपाठी ने दायर की है। मामले की सुनवाई विशेष न्यायाधीश (पीसी एक्ट) विशाल गोगने ने की। याचिकाकर्ता ने दावा किया कि सोनिया का नाम नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र की 1980 की वोटर लिस्ट में था, जबकि वे भारत की नागरिक अप्रैल 1983 में बनीं।इससे पहले राउज एवेन्यू कोर्ट के एडिशनल चीफ मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट वैभव चौरसिया ने 11 सितंबर को याचिका को खारिज किया था। उन्होंने कहा था कि कोर्ट चुनाव से जुड़े संवैधानिक अधिकार क्षेत्र में हस्तक्षेप नहीं कर सका, अन्यथा संविधान के अनुच्छेद 329 का उल्लंघन होगा।

यूक्रेन के पास अमेरिकी हथियार खरीदने के पैसे नहीं

कीव, 9 दिसंबर, (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)।यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने मंगलवार को कहा कि इस साल अमेरिकी हथियार खरीदने के लिए करीब 6,800 करोड़ रुपए कम पड़ रहे हैं। जेलेंस्की ने कहा कि यह फंडिंग यूरोपीय देशों से आनी थी, लेकिन समय पर पैसे नहीं मिल सके। जिससे हथियारों की आपूर्ति में देरी हो सकती है। जेलेंस्की ने यह बात लंदन में फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के नेताओं के साथ बैठक के बाद कही। उन्होंने कहा कि ठअळड की प्रेसिडेंशियल यूक्रेन रिलीफ लोन पहल के तहत हथियार खरीद जारी रखने के लिए अतिरिक्त फंडिंग की जरूरत है, लेकिन अमेरिका ने भी मदद देना कम कर दिया है।उन्होंने बताया कि अमेरिकी हथियार खरीदने के लिए यूक्रेन को लगभग 15 अरब डॉलर (लगभग 1.27 लाख करोड़ रुपए) की जरूरत है। वहीं, जेलेंसेकी आज अमेरिका को एक संशोधित शांति प्लान सौंपेंगे। यह प्लान ट्रम्प के 28 पाइंट प्लान को घटाकर 20 प्वाइंट में बदली गई है।ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने बैठक की मेजबानी करते हुए साफ कहा कि शांति प्रक्रिया में यूक्रेन को अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय फैसले खुद लेने का पूरा अधिकार है।फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों ने दावा किया कि यूरोपीय देशों के लगाए गए प्रतिबंधों के कारण रूस की अर्थव्यवस्था पर गंभीर दबाव पड़ना शुरू हो गया है।वहीं, जर्मन चांसलर मर्ज ने अमेरिका के रुख पर शक जताते हुए कहा कि कुछ पहलुओं पर यूरोपीय देशों में गंभीर चर्चा जरूरी है, हालांकि उन्होंने विस्तार से कुछ नहीं बताया।प्रेसिडेंशियल यूक्रेन रिलीफ लोन (ढवफछ) यूक्रेन की जंग में सैन्य मदद के लिए बनाया गया था। यह ठअळड की पहल है, जो यूक्रेन को लोन के रूप में फंडिंग देती है। यह रिलीफ लोन है, यानी आपदा राहत के लिए उधार।इसकी शुरूआत जुलाई 2025 में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और ।हासचिव मार्क रुट्टे के बीच व्हाइट हाउस में हुई बैठक में हुई थी।इस बार यूरोपीय देशों से जो फंडिंग नहीं मिली, वह किन-किन देशों से आनी थी और क्यों अटकी इसके बारे में जेलेंस्की ने ज्यादा जानकारी नहीं दी।

वीजा शर्तों का उल्लंघन कर घूम रहा था चीनी नागरिक, सुरक्षा एजेंसियों ने दबोचा

नई दिल्ली, 9 दिसंबर, (देवव्रत संवाद)। एक चीनी नागरिक की ओर से वीजा नियमों का उल्लंघन कर लद्दाख और जम्मू-कश्मीर में सामरिक महत्व के स्थानों का दौरा करने की खबर सामने आते ही सुरक्षा एजेंसियों के बीच हड़कंप मच गया। चीनी नागरिक को हिरासत में लिया गया है और उसके मोबाइल फोन को फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। अधिकारियों ने बताया है कि 29 वर्षीय हू कांगताई को हिरासत में रखा गया है क्योंकि उसने सीमावर्ती केंद्र शासित प्रदेशों की अपनी यात्रा का कारण नहीं बताया है।

हम आपको बता दें कि कांगताई को तब हिरासत में लिया गया जब सेना की एक इकाई ने इंटरनेट पर एक असामान्य बातचीत देखी। अधिकारियों के अनुसार, सेना द्वारा इंटरसेप्ट की गई असामान्य इंटरनेट गतिविधि ने सबसे पहले सुरक्षा एजेंसियों को एक संदिग्ध विदेशी नागरिक की मौजूदगी के प्रति सतर्क किया।

इसके बाद पता चला कि हिरासत में लिया गया व्यक्ति ग्वांगडोंग प्रांत के शेनजेन क्षेत्र का रहने वाला हू कोंगताई है, जिसने 19 नवंबर को दिल्ली पहुँचकर पर्यटन वीजा पर भारत में प्रवेश किया था। यह वीजा केवल दिल्ली, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के बौद्ध धार्मिक स्थलों तक सीमित यात्रा की अनुमति देता था, लेकिन हू ने इन शर्तों का उल्लंघन करते हुए लद्दाख, जांस्कर और कश्मीर घाटी जैसी संवेदनशील जगहों की यात्रा की।जांच में यह भी सामने आया है कि हू ने दिल्ली पहुँचते ही स्थानीय बाजार से एक भारतीय सिम कार्ड खरीदा और उसके मोबाइल फोन में सुरक्षा से जुड़े कई संवेदनशील विषयों जैसे कश्मीर में उफ्ढक्रकी तैनाती, अनुच्छेद 370 और अन्य सैन्य-संबंधी मुद्दों संबंधी सर्च पाई गई। अधिकारियों का कहना है कि फोन में ब्राउज़िंग हिस्ट्री मिटाने के प्रयास भी देखे गए, जिसके चलते उसके उद्देश्य को लेकर संदेह और गहरा गया है।

चुनाव आयोग को एसआईआर कराने का कोई कानूनी अधिकार नहीं-मनीष तिवारी

नई दिल्ली, 9 दिसंबर, (देवव्रत संवाद)। संसद में चुनाव सुधारों पर गरमागरम बहस चल रही है। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी के नेतृत्व में विपक्ष ने भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) पर तीखा हमला बोला है और मतदाता सूचियों के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के संचालन के लिए उसकी निष्पक्षता और उसके कानूनी अधिकार, दोनों पर सवाल उठाए हैं। सदन को संबोधित करते हुए, तिवारी ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि यहाँ कई सदस्यों को भारतीय चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाने पड़ रहे हैं।

तिवारी ने सुझाव दिया कि पहला सुधार चुनाव आयोग के सदस्यों के चयन से संबंधित कानून में संशोधन होना चाहिए। उन्होंने कहा कि पहला सुधार जो होना चाहिए, वह चुनाव आयोग के सदस्यों के चयन को नियंत्रित करने वाले कानून में संशोधन है। मेरा सुझाव है कि लोकसभा में विपक्ष के नेता और भारत के मुख्य न्यायाधीश को चुनाव आयोग की समिति में शामिल किया जाना चाहिए।

कांग्रेस सांसद ने विभिन्न राज्यों में चल रही व्यवस्थित आंतरिक सुधार (एसआईआर) प्रक्रिया की भी आलोचना की।

उन्होंने कहा कि देश के कई राज्यों में एसआईआर चल रहा है, लेकिन भारत के चुनाव आयोग के पास एसआईआर आयोजित करने का कोई कानूनी औचित्य नहीं है।₹ उन्होंने आयोग के ऐसे सुधारों को लागू करने के अधिकार पर सवाल उठाया। संसद के निचले सदन ने चुनाव सुधारों पर चर्चा शुरू कर दी है, जिसमें विभिन्न राज्यों में भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) द्वारा शुरू की गई एसआईआर प्रक्रिया भी शामिल है। विपक्षी दल महीनों से एसआईआर पर बहस की मांग कर रहे हैं, कांग्रेस मतदाता सूची में विसंगतियों का आरोप लगा रही है।

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) इस चर्चा में हस्तक्षेप कर सकते हैं। एलओपी एसआईआर के मुखर आलोचक रहे हैं और उनका आरोप है कि सरकार इस प्रक्रिया का इस्तेमाल असली मतदाताओं को हटाने के लिए कर रही है। केसी वेणुगोपाल चुनाव सुधारों पर बहस में भाग लेने वाले वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं में से एक हैं। अन्य नेताओं में मनीष तिवारी, वर्षा गायकवाड़, मोहम्मद जावेद, उज्ज्वल रमन सिंह, ईसा खान, रवि मल्लू, इमरान मसूद, गोवाल पदवी और एस ज्योतिमणि शामिल हैं। राज्यसभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा एसआईआर पर चर्चा शुरू करने की संभावना है।

वंदे मातरम भारत की आत्मा का हिस्सा, बंगाल चुनाव की वजह से आज बहस-प्रियंका गांधी- प्रियंका गांधी वाड्रा ने लोकसभा में वंदे मातरम पर बहस पर अपना भाषण शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि यह राष्ट्रगीत भारत की आत्मा का हिस्सा है। उन्होंने भाजपा पर पश्चिम बंगाल में आगामी चुनावों के कारण इस मुद्दे को बहस के लिए लाने का आरोप लगाया। प्रियंका ने कहा कि वंदे मातरम ने भारतीयों को एकजुट किया। भाजपा सर से पहले राष्ट्रगीत पर बहस चाहती थी। यह लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश है। सरकार वंदे मातरम पर बहस चाहती थी क्योंकि बंगाल में चुनाव जल्द ही होने वाले हैं। प्रयंका ने कहा कि आज सदन में 'वंदे मातरम पर बहस की दो वजहें हैं।

केंद्र पर हल्लाबोल, फंड रोकने से नहीं रुकेगा बंगाल का विकास-ममता बनर्जी

कोलकाता, 9 दिसंबर, (देवव्रत संवाद)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को केंद्र पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी सरकार को किसी सहायता की आवश्यकता नहीं है और सभी कल्याणकारी योजनाओं को स्वतंत्र रूप से चलाना जारी रखेगी। उन्होंने एनआरसी और सीएए के प्रति अपने कड़े विरोध को भी दोहराया और घोषणा की कि बंगाल कभी भी डिटेंशन कैंप की अनुमति नहीं देगा। एक जनसभा को संबोधित करते हुए, बनर्जी ने कहा कि हमें केंद्र से किसी मदद की आवश्यकता नहीं है; हम सभी योजनाएँ स्वयं चला रहे हैं। परसों, उन्होंने (केंद्र ने) हमें एक नोटिस जारी कर 6 दिसंबर तक तिमाही श्रम बजट जमा करने को कहा था। लेकिन मैं कहना चाहती हूँ कि

आपके नोटिस का कोई महत्व नहीं है। बंगाल 100 दिनों का कार्य कार्यक्रम अपने दम पर चलाएगा।

मुख्यमंत्री ने लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करने का संकल्प लिया और कहा कि बंगाल में कोई डिटेंशन कैंप नहीं होगा। न एनआरसी, न सीएए, हम इन्हें कभी स्वीकार नहीं करेंगे। हम लोकतंत्र बचाएँगे और बंगाल को बचाएँगे। मनरेगा फंड के निलंबन को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी और अन्य नेताओं से मुलाकात की थी, लेकिन उन्होंने अभी तक कोई जवाब नहीं दिया है।ममता ने कहा, ₹उन्होंने 100 दिनों के काम के लिए धनराशि रोक दी। मैंने प्रधानमंत्री और अन्य नेताओं से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की और धनराशि फिर से शुरू करने की अपील की। निचली अदालत से लेकर उच्च न्यायालय तक, सभी ने 100 दिनों का काम शुरू करने का आदेश दिया, लेकिन उन्होंने अभी तक कोई जवाब नहीं दिया है। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य सरकार ने 32 भारतीय मछुआरों को सफलतापूर्वक वापस लाया है, जो अनजाने में बांग्लादेश में प्रवेश कर गए थे। इसके साथ ही एक महिला और उसके बच्चे को भी मालदा सीमा के माध्यम से वापस लाया गया है।

लूथरा बंधुओं के खिलाफ जारी हुआ इंटरपोल का ब्लू कॉर्नर नोटिस

गोवा , 9 दिसंबर, (देवव्रत संवाद)। बिर्च बाय रोमियो लेन स्थित नाइट क्लब के मालिक सौरव लूथरा और गौरव लूथरा के खिलाफ शनिवार देर रात हुई गोवा नाइट क्लब आग के सिलसिले में जल्द ही ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी किया जा सकता है। इस आग में 25 लोगों की जान चली गई थी। गोवा पुलिस दोनों भाइयों का पता लगाने के लिए इंटरपोल की मदद लेने की तैयारी कर रही है, जो इस त्रासदी के तुरंत बाद भारत से भाग गए थे। लूथरा बंधु 7 दिसंबर की सुबह 5:30 बजे फुकेत के लिए उड़ान भरकर देश छोड़कर चले गए। पुलिस के एक बयान के अनुसार, उत्तरी गोवा के अरपोरा गाँव स्थित बर्च बाय रोमियो लेन नाइट क्लब के मालिक 7 दिसंबर की सुबह 5:30 बजे इंडिगो एयरलाइंस की उड़ान से फुकेत भाग गए। यह घटना शनिवार देर रात हुई उस आग के कुछ ही घंटों बाद हुई जिसमें कई लोग मारे गए।

फडणवीस-शिंदे में बनी पार्टी में जोड़-तोड़ रोकने पर रजामंदी

मुंबई, 9 दिसंबर, (देवव्रत संवाद)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सोमवार रात आगामी नगर निगम चुनावों पर चर्चा के लिए एक बंद कमरे में बैठक की। एएनआई द्वारा उद्धृत एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन मुंबई और ठाणे सहित इन नगर निगम चुनावों में मिलकर चुनाव लड़ेगा। राज्य भाजपा अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले और वरिष्ठ शिवसेना नेता रवींद्र चव्हाण भी बैठक में शामिल हुए। शिवसेना ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि दोनों दलों के नेताओं ने महायुति के बैनर तले आगामी नगर निगम चुनाव मिलकर लड़ने पर रचनात्मक बातचीत की। अगले दो-तीन दिनों में, प्रत्येक नगर निगम के लिए सीट बंटवारे और अन्य विवरणों को अंतिम रूप देने के लिए स्थानीय स्तर पर चर्चा शुरू की जाएगी।दोनों नेताओं के बीच हुई इस बैठक ने राजनीतिक अटकलों का भी बाजार गर्म कर दिया है, क्योंकि यह शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे के उस दावे के बाद हुई है जिसमें उन्होंने दावा किया था कि महायुति गठबंधन के एक सहयोगी दल के 22 से ज्यादा विधायक मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के करीबी हैं और पाला बदलने को तैयार हैं। वह परोक्ष रूप से उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट का ज़िक्र कर रहे थे। ठाकरे ने कहा था, एक पार्टी है और राजकोषीय मोर्चे पर दो गुट हैं। एक गुट के 22 विधायक मुख्यमंत्री के करीब आ गए हैं। उनके पास अच्छा धन है और वे मुख्यमंत्री के इशारों पर नाचने लगे हैं।

भारत-नेपाल के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास सूर्य किरण संपन्न

काठमांडू, 9 दिसंबर, (देवव्रत संवाद)।भारत-नेपाल संयुक्त अभ्यास सूर्यकिरण का 19वां संस्करण उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में एक समापन समारोह के साथ संपन्न हुआ, जो एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास का सफल समापन था, भारतीय सेना ने मंगलवार को यह जानकारी दी। इस अभ्यास ने संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अध्याय श्क्कके तहत आतंकवाद-रोधी अभियानों के लिए संयुक्त रणनीति, तकनीक और प्रक्रियाओं (टीटीपी) को मान्यता प्रदान की, जिसमें आईएसआर और सटीक लक्ष्यीकरण के लिए ड्रोन, एआई-सक्षम निगरानी, मानवरहित लॉजिस्टिक्स प्लेटफॉर्म, उन्नत दिन/रात के दृश्य और सुरक्षित युद्धक्षेत्र संचार सहित विशिष्ट तकनीकों का प्रभावी एकीकरण शामिल है।उन्नत दिन/रात दृष्टि और सुरक्षित युद्धक्षेत्र संचार। भारतीय सेना ने कहा कि इस सत्यापन ने बटालियन, कंपनी और टीम स्तरों पर निर्बाध अंतर-संचालन, सुसंगत मिशन योजना और संयुक्त अभियानों के समन्वित निष्पादन को प्रदर्शित किया, जिसमें खुफिया जानकारी पर आधारित सर्जिकल कार्रवाइयों और जटिल इलाकों में हवाई प्रवेश पर जोर दिया गया।एक्स पर पोस्ट में कहा गया कि उच्च स्तर की परिचालन तालमेल और आपसी विश्वास की सराहना करते हुए, डीजीएमओ ने एक 'मैत्री वृक्ष' लगाया, जो भारत और नेपाल के बीच स्थायी भाईचारे और रणनीतिक साझेदारी का प्रतीक है।

रेखा गुप्ता ने कैबिनेट संग स्वर्ण मंदिर में की सेवा

नई दिल्ली , 9 दिसंबर, (देवव्रत संवाद)। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता अपने कैबिनेट मंत्रियों के साथ सोमवार को अमृतसर में श्री हरमंदिर साहिब में मत्था टेकने पहुँचीं। पदभार ग्रहण करने के बाद यह उनकी पहली स्वर्ण मंदिर यात्रा थी। गुप्ता ने पवित्र तीर्थस्थल पर शीश झुकाकर प्रार्थना की और दरबार साहिब में हृदय से कृतज्ञता व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने पिछले महीने लाल किले के प्रांगण में पूज्य गुरु तेग बहादुर जी की 350वीं शहादत वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित तीन दिवसीय 'गुरमत समागम' के सुचारू और सफल आयोजन का श्रेय गुरु तेग बहादुर जी के आशीर्वाद को दिया। उन्होंने कहा कि इसी कारण से मैं अपने पूरे मंत्रिमंडल के साथ गुरु का आशीर्वाद लेने और कृतज्ञता व्यक्त करने यहाँ आई हूँ।

शांति प्रस्ताव पर जेलेंस्की अभी तैयार नहीं, रूस ने दिखाई सहमति-डोनाल्ड ट्रंप

वाशिंगटन, 9 दिसंबर, (देवव्रत संवाद)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म करने के लिए पेश किए गए। ताजा प्रस्ताव पर रूस ने सहमति जताई है, लेकिन यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की अभी उसे पढ़कर निर्णय लेने की स्थिति में नहीं हैं। बता दें कि ट्रंप ने यह टिप्पणी वाशिंगटन में आयोजित कैनेडी सेंटर ऑनर्स के रेड कार्पेट पर बातचीत के दौरान दी।

मौजूद जानकारी के अनुसार मियामी में तीन दिन चली वाताओं में अमेरिका के विशेष प्रतिनिधि स्टीव विटकॉफ, जारेड कुश्नर और यूक्रेन

के उच्च अधिकारियों ने भाग लिया। गौरतलब है कि इस दौरान क्षेत्रीय सीमाओं और भविष्य की सुरक्षा गारंटी को लेकर गंभीर मतभेद बने रहे। यूक्रेन का रुख अब भी साफ है कि किसी भी शांति समझौते के बदले उसे क्षेत्र छोड़ने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता और विश्वसनीय सुरक्षा आश्वासन उसके लिए अनिवार्य हैं।वार्ता के बाद यूक्रेन की राजदूत ओल्गा स्तेफानिश्यना ने कहा कि बातचीत आगे बढ़ी है, पर कई जटिल मुद्दों पर समाधान अभी दूर है. उन्होंने कहा कि इलाके को लेकर दावे और सुरक्षा ढांचे के प्रारूप अभी भी मुख्य चुनौती बने हुए हैं. इसी दौरान क्रेमलिन ने ट्रंप की नई अमेरिकी सुरक्षा नीति पर प्रतिक्रिया दी और कहा कि इसमें रूस को खतरे के रूप में नहीं देखा गया है, जो भविष्य के संवाद के लिए सकारात्मक संकेत माना जा रहा है।इधर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर बताया कि उन्होंने विटकॉफ और कुश्नर से लंबी और रचनात्मक चर्चा की है ।

अफगानिस्तान में फिर डोली धरती, अब आया 3.8 तीव्रता का भूकंप

काबुल, 9 दिसंबर, (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)।राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के एक बयान में कहा गया है कि मंगलवार को अफगानिस्तान में 3.8 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप 70 किलोमीटर की गहराई पर आया। इससे पहले, दिन में 10 किलोमीटर की उथली गहराई पर 4.5 तीव्रता का एक और भूकंप आया, जिससे यह आफ्टरशॉक के लिए अतिसंवेदनशील हो गया। भूकंप आमतौर पर गहरे भूकंपों की तुलना में ज्यादा खतरनाक होते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि उथले भूकंपों से उत्पन्न भूकंपीय तरंगों की सतह तक पहुँचने की दूरी कम होती है, जिसके परिणामस्वरूप जमीन ज्यादा हिलती है और इमारतों को ज्यादा नुकसान और ज्यादा हताहत होने की संभावना होती है।रेड क्रॉस के अनुसार, अफगानिस्तान में शक्तिशाली भूकंपों का इतिहास रहा है, और हिंदू कुश पर्वत श्रृंखला एक भूगर्भीय रूप से सक्रिय क्षेत्र है जहाँ हर साल भूकंप आते हैं। शराफत जमान अमर के अनुसार, 4 नवंबर को उत्तरी अफगानिस्तान में एक शक्तिशाली भूकंप आया, जिसमें कम से कम 27 लोग मारे गए और 956 अन्य घायल हो गए। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, इस भूकंप ने देश की सबसे खूबसूरत मस्जिदों में से एक को भी क्षतिग्रस्त कर दिया।सीएनएन के अनुसार, संयुक्त राज्य भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने कहा कि सोमवार तड़के परिवार उस समय चौंक गए जब देश के उत्तर में सबसे अधिक आबादी वाले शहरों में से एक, मजार-ए-शरीफ के पास 28 किलोमीटर (17.4 मील) की उथली गहराई पर 6.3 तीव्रता का भूकंप आया अफगानिस्तान भारतीय और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेटों के बीच कई भ्रंश रेखाओं पर स्थित है।

यात्रियों को परेशान करने की अनुमति नहीं दी जाएगी- राम मोहन नायडू

नई दिल्ली, 9 दिसंबर, (देवव्रत संवाद)। नागर विमानन मंत्री राम मोहन नायडू ने इंडिगो एयरलाइन्स के परिचालन में व्यवधान पर लोकसभा में कहा कि नागरिक उड्डयन में सुरक्षा में किसी तरह का समझौता नहीं किया जा सकता। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि किसी भी विमानन कंपनी को यात्रियों के लिए परेशानियां खड़ी करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने बड़े पैमाने पर रद्दीकरण के लिए आंतरिक रोस्टरिंग व्यवधान को जिम्मेदार ठहराया। हालांकि, इंडिगो के परिचालन में व्यवधान के मुद्दे पर लोकसभा में नागर विमानन मंत्री राम मोहन नायडू के वक्तव्य पर विरोध जताते हुए विपक्ष ने वॉकआउट कर लिया।

राम मोहन नायडू किंजरापु ने कहा कि परिचालन तेजी से स्थिर हो रहा है, सुरक्षा पूरी तरह लागू है, इंडिगो को जवाबदेह ठहराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि परिचालन तेजी से स्थिर हो रहा है, सुरक्षा पूरी तरह लागू है, इंडिगो को जवाबदेह ठहराया जा रहा है, यात्रियों की सुविधा और सम्मान की रक्षा की जा रही है, और भारत के विमानन क्षेत्र को और अधिक यात्री-केंद्रित बनाने के लिए दीर्घकालिक उपाय किए जा रहे हैं। नायडू ने कहा कि किसी भी एयरलाइन को, चाहे वह कितनी भी बड़ी क्यों न हो, यात्रियों को परेशानी देने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

नागरिक उड्डुयन महानिदेशालय ने मंगलवार को इंडिगो को सभी क्षेत्रों में अपने उड़ान संचालन में 5% की कमी करने का निर्देश दिया, एयरलाइन द्वारा अपने शीतकालीन कार्यक्रम को कुशलतापूर्वक संचालित करने में विफलता और रद्दीकरण के बैकलॉग का हवाला देते हुए। एयरलाइन को 10 दिसंबर, 2025 को शाम 5 बजे तक संशोधित कार्यक्रम प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है। इंडिगो को जारी एक आधिकारिक नोटिस में, उ्क्ष्छअ ने कहा कि एयरलाइन को प्रति सप्ताह 15,014 प्रस्थानों को मंजूरी दी गई थी, जो शीतकालीन कार्यक्रम के तहत नवंबर 2025 के लिए 64,346 उड़ानों के बराबर है। हालांकि, परिचालन डेटा से पता चलता है कि इंडिगो केवल 59,438 उड़ानों का संचालन करने में कामयाब रही, जिसमें महीने के दौरान 951 रद्दीकरण दर्ज किए गए।नोटिस के अनुसार, इंडिगो को ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम 2025 की तुलना में अपने शीतकालीन कार्यक्रम में 6% की वृद्धि की अनुमति दी गई थी नोटिस में आगे कहा गया है, ₹हालांकि, यह देखा गया है कि एयरलाइन अक्टूबर 2025 में केवल 339 विमान और नवंबर 2025 में 344 विमान ही संचालित कर सकेगी।₹

हम एयरलाइन नहीं चला सकते,इंडिगो संकट पर तत्काल सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार- सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को इंडिगो संकट पर तत्काल सुनवाई की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया। देश भर में एयरलाइन को भारी व्यवधानों का सामना करना पड़ा, जिसके कारण एक हफ्ते के लिए हजारों उड़ानें रद्द कर दी गईं। इंडिगो संकट पर याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार करते हुए अदालत ने कहा कि हम एयरलाइन नहीं चला सकते। इस मुद्दे का उल्लेख एक वकील ने किया, जिन्होंने पीठ को बताया कि बिना किसी पूर्व सूचना के उड़ानें रद्द किए जाने से यात्रियों को परेशानी हो रही है। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने जवाब दिया कि स्थिति गंभीर है और लाखों लोग हवाई अड्डों पर फंसे हुए हैं लेकिन न्यायालय एयरलाइन नहीं चला सकता।मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि भारत सरकार ने पहले ही इस संकट का संज्ञान ले लिया है और कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि समय पर कार्रवाई की गई है। संबंधित घटनाक्रम में दिल्ली उच्च न्यायालय ने बुधवार को एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई करने पर सहमति व्यक्त की, जिसमें इंडिगो एयरलाइंस द्वारा नियमों के अनियंत्रित उल्लंघन का आरोप लगाया गया है। जिसमें मनमाने ढंग से रद्दीकरण, ओवरबुकिंग, यात्री अधिकारों का उल्लंघन, भेदभावपूर्ण व्यवहार और डीजीसीए अनुपालन विफलताएं शामिल हैं, जो मौजूदा विमानन संकट का कारण बनी हैं।

7 मंजिला इमारत में लगी भीषण आग, 20 की मौत

इंडोनेशिया , 9 दिसंबर, (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)।राजधानी जकार्ता में मंगलवार को एक कार्यालय भवन में आग लग जाने से कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। आग की लपटें सात मंजिला इमारत में फैल गईं, जिससे आसमान में घना काला धुआं उठने लगा और मध्य जकार्ता में कार्यालय भवन में काम करने वाले कर्मचारियों और आस-पास रहने वाले स्थानीय निवासियों में दहशत फैल गई।एएफपी समाचार एजेंसी ने मध्य जकार्ता के पुलिस प्रमुख सुसात्यो पुरनोमो कोंड्रो के हवाले से बताया कि आग लगने से 20 पीड़ितों में पाँच पुरुष और 15 महिलाएँ शामिल हैं। उन्होंने बताया कि मृतकों में एक गर्भवती महिला भी शामिल है। मध्य जकार्ता के एक मोहल्ले में आग लगने से आस-पास के निवासियों और कर्मचारियों में भी दहशत फैल गई है। स्थानीय कोम्पास टीवी के अनुसार, आग बुझा दी गई है, लेकिन इमारत को खाली कराने के प्रयास जारी हैं क्योंकि कई लोगों के फंसे होने की आशंका है। स्थानीय समाचारों में आगे बताया गया है कि आग के केंद्र में स्थित इमारत टेरा ड्रोन इंडोनेशिया का कार्यालय है, जो खनन से लेकर कृषि क्षेत्रों तक के ग्राहकों को हवाई सर्वेक्षण गतिविधियों के लिए ड्रोन उपलब्ध कराता है।कोम्पस टीवी से बात करते हुए, सेंट्रल जकार्ता मेट्रो पुलिस प्रमुख, वरिष्ठ आयुक्त सुसात्यो पुनोमो कोंड्रो ने बताया कि आग पहली मंजिल पर लगी थी और कर्मचारी आग बुझाने के लिए दौड़ पड़े। पहली मंजिल पर एक बैटरी थी।

देशवासियों में ओज भरने और एकता कायम करने वाले गीत का राजनीतिक उपयोग शोभनीय नहीं

यह सुखद ही है कि कृतज्ञ राष्ट्र देश के स्वतंत्रता सेनानियों में ओज का संचरण करने वाले गीत वंदे मातरम के सृजन के डेढ़ सौ साल पूरे होने को एक उत्सव की तरह मना रहा है। स्वतंत्रता के लिये संघर्षरत करोड़ों भारतीयों में इस गीत ने आजादी का जज्बा भरा था। लाखों स्वतंत्रता सेनानी इस गीत से प्रेरित होकर स्वतंत्रता संग्राम में सर्वस्व अर्पित करने को तत्पर हो जाते थे। इस पावन वेला में देश के विभिन्न भागों में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। सही मायनों में यह अवसर राष्ट्र के स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद करने का भी है। इस गीत की सर्वस्वीकार्यता का आलम ये था कि भारत आने से पहले दक्षिण अफ्रीका में महात्मा गांधी ने वंदे मातरम को राष्ट्रीय गान की दृष्टि से देखा था। इसी आलोक में वंदे मातरम के डेढ़ सौ साल पूरे होने पर लोकसभा में इस पर चर्चा का शुरू होना सुखद ही है। संसद में प्रधानमंत्री ने कहा भी कि जब इस गीत के सृजन के पचास साल पूरे हुए तो देश परतंत्र था। जब इसके सौ साल पूरे हुए तो देश आपातकाल के दौर से गुजर रहा था, फलतः उस दौर में इस गीत को जनता व स्वतंत्रता सेनानियों का सकारात्मक प्रतिसाद नहीं मिला। निस्संदेह,बंकिम चंद्र चटर्जी की इस रचना ने बंगाल में क्रांतिकारियों को गहरे तक प्रेरित किया और स्वतंत्रता संग्राम को गति देने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। हालांकि, विपक्ष इसे सुर्खियों में लाने के फैसले के राजनीतिक निहितार्थों की बात कर रहा है। वे इसके समय को लेकर प्रश्न उठा रहे हैं। अविभाजित बंगाल की पृष्ठभूमि में जन्मे इस ओज के गीत को बंगाली समाज ने अपनी अस्मिता से जोड़कर देखा। खासकर बंगाल विभाजन के बाद इसे बंगाल की अस्मिता पर फिरंगियों के प्रहार के दौर में एक मरहम के तौर पर देखा। निस्संदेह, देश ऐसे स्मरण उत्सव का हकदार है, मगर वे चुनावी नजरियों से मुक्त हों।

विपक्ष की दलील है कि जब पश्चिम बंगाल एक महत्वपूर्ण विधानसभा चुनाव की ओर बढ़ रहा है तो इस गीत के प्रसंगवश राजनीतिक लाभ-हानि के तर्क गढ़े जा रहे हैं। संसद में प्रधानमंत्री के संबोधन में वंदे मातरम को एकता के सूत्रधार के रूप में सराहा गया। लेकिन इसके राजनीतिक निहितार्थों पर भी चर्चा हुई। दरअसल, उन्होंने जब भी कांग्रेस की आजादी से पहले और बाद की नीतियों को कटघरे में खड़ा किया या फिर ऐतिहासिक विवादों का नये सिरे से जिक्र किया, तो विपक्ष ने उसे निशाने पर लिया। विपक्षी दलील है कि राष्ट्रीय गीत का सम्मान करने की कवायद में वैचारिक विभाजन को हवा दी जा रही है। कहा गया कि पश्चिम बंगाल, जहां इस गीत का जन्म हुआ, वहां की सांस्कृतिक पहचान राजनीति से जुड़ी रही है। वंदे मातरम एक भावनात्मक प्रतीक है और इसीलिए एक रणनीतिक प्रतीक भी। दरअसल, विपक्ष की नाराजगी राजग सरकार की उस प्रवृत्ति को लेकर है जिसमें वह सांस्कृतिक प्रतीकों को राजनीतिक अखाड़े में बदल रही है। उन्हें आशंका है कि साझी विरासत पर चिंतन के लिये आयोजित विमर्श का उपयोग चुनावी लाभ अर्जित करने के लिये किए जाने का खतरा है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस अपनी जड़ें जमाए हुए है, फिर भी उसे सत्ता विरोधी लहर का सामना करना पड़ रहा है। संसद में राष्ट्रीय गीत पर चर्चा का ममता बनर्जी द्वारा समर्थन किया जाना दशार्ता है कि वह इस मुद्दे को छोड़ने का इरादा नहीं रखती हैं। विडंबना ही है कि लाखों स्वतंत्रता सेनानियों में ओज भरने वाले गीत के विमर्श में चिंतन की गंभीरता प्रभावित हुई है। निश्चित रूप से पश्चिम बंगाल आज बेरोजगारी, पलायन और राजनीतिक हिंसा से जूझ रहा है। इसमें दो राय नहीं कि हमारा सांस्कृतिक गौरव आवश्यक है, लेकिन यह सुशासन का विकल्प नहीं हो सकता। इस ओज के गीत के 150 साल पूरे होने पर, इसे एकता को मजबूत करने और राष्ट्रवाद को बहुलता से स्वीकार करने के अवसर के रूप में होना चाहिए था। लेकिन इसके बजाय, इस बहस के ध्रुवीकृत माहौल में बदलने के विवाद के पैदा होने की चिंता है। सही मायनों में देश के नेतृत्व का इतिहास का उपयोग राष्ट्र को एकजुट करने वाला होना चाहिए।

नेहरू का विरोध जरुरी है या मजबूरी ?

• राकेश अचल

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी का ये सुझाव काबिले गौर है कि भाजपा पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू पर अपनी शिकायतों और नेहरू जी की गलतियों की एक फेहरिस्त बनाकर उनके बारे में एकमुश्त बहस कर ये अध्याय हमेशा के लिए बंद कर दे.

पंडित जवाहरलाल नेहरू भाजपा की आंख की एक ऐसी किरकिरी हैं जो पलकों में फंसकर रह गये हैं और जब चाहे तब भाजपा को रुला देते हैं. पंडित जवाहरलाल नेहरू को गये 61साल हो गये हैं. वे भारतीय ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय मानस में एक हीरो की तरह बसे हुए हैं किंतु भाजपा एक ऐसा दल है जो पंडित नेहरू को खलनायक मान बैठा है.

नेहरू की रीति नीति से भाजपा के पूर्वजों की भी असहमति रही लेकिन कोई भी नेहरू के सामने और पीठ पीछे भी उन्हें खलनायक नहीं कह सका. यहाँ तक कि नेहरू के साथ रहे श्यामा प्रसाद मुखर्जी तक नेहरु के सामने हथियार डालते रहे. लेकिन आज की भाजपा नेहरू को पानी पी -पीकर कोसती है, इस वजह से न संसद के भीतर काम हो पा रहा है और न संसद के बाहर. स्थिति ये है कि नेहरू कांग्रेस के मंचों से ज्यादा भाजपा के मंचों पर छाए हुए हैं.

संसद में वंदेमातरम की 150 वीं साल पर बहस के दौरान भी नेहरू का नशा भाजपा के सिर से उतरा नही है. नेहरू हैं ही ऐसे. कोई करे भी तो क्या करे ? नेहरू से निजात पाने के दो ही तरीके हैं. पहला जो प्रियंका गांधी ने सुझाया और दूसरा ये कि भारत के इतिहास से पंडित जवाहरलाल नेहरू को विलोपित कर देश दुनिया में उनके बुतों को नेस्तनाबूत कर दिया जाए. मुश्किल ये है कि भाजपा दोनों तरीकों का इस्तेमाल करने का साहस नहीं जुटा पा रही है.

भारतीय राजनीति में भाजपा पहला और शायद आखरी ऐसा राजनीतिक दल होगा जो नेहरू नाम से इतनी घृणा करता है. समाजवादी और वामपंथी भी नेहरू के आलोचक रहे लेकिन नेहरू से घृणा किसी ने नहीं की. नेहरू बनना आसान नहीं. नेहरू को जैसा राजनीतिक प्रशिक्षण मिला वैसा आज असंभव है. नेहरू ने जितना समय तत्कालीन सत्ता प्रतिष्ठान के विरुद्ध संघर्ष करते हुए जेल में काटा उतना अब शायद किसी को मौका मिले. मेरे खयाल से नेहरू त्याग, तपस्या की भट्टी में तपी एक जीवित प्रतिमा थे. वे आज की भाजपा और कल के भाजपा के पुरखों को ठीक उसी तरह खटकते थे जैसे कि महात्मा एमके गांधी. गांधी की तो एक गोडसे ने हत्या कर दी किंतु नेहरू को कोई गोडसे मार नही सका.

बहरहाल अब मुझे लगने लगा है कि भाजपा दिग्भ्रमित है. उसे कांग्रेस मुक्त भारत चाहिए या नेहरू मुक्त भारत ? भाजपा को नेहरू और कांग्रेस में से किसी एक को चुनना पडेगा. दो-दो मोर्चों पर लडकर तो भाजपा के देवतुल्य कार्यकर्ता और अवतारी नेता थक जाएंगे. वे न देश को नेहरू मुक्त बना पाएंगे और न कांग्रेस मुक्त..

सवाल ये है कि क्या नेहरू का विरोध

जरूरी हैङ्क या सत्ता की मजबूरी ?क्योंकि ये जो रोज-रोज ह्लनेहरू-नेहरूह्व जाप होता है,कभी-कभी लगता है जैसे देश नहीं, एक ही आदमी अब भी शासन चला रहा हो।

कहते हैं–कहानी में खलनायक न हो, तो कहानी नहीं चलती। भाजपा की राजनीति भी यही मान बैठी है ।जो काम पहले पाकिस्तान करता था,अब वो कामङ्क नेहरू कर देते हैं। महंगाई ? नेहरू की गलती ।बेरोजगारी ? नेहरू की गलती। ट्रैफिक जाम हो जाए ?नेहरू ने ही सड़कें कम चौड़ी छोड़ी होंगी ।यानी आज का मुद्दा कोई भी हो,नाम वहीं का वहीं नेहरु रहना चाहिए।

दर असल राजनीतिक मशीनरी का पेट भावना से चलता है ।जब तक जनता भावुक न हो–राजनीति का इंजन स्टार्ट नहीं होता। नेहरू का नाम लेते ही एक तरफ तिलमिलाहट, दूसरी तरफ श्रद्धा–और बस, स्क्रीन पर टीआरपी की लहरें दौड़ जाती हैं ।सत्ताधारी दल के लिए नेहरू परमानेंट पंचिंग बैग हैं,और विपक्ष के लिए परमानेंट देवप्रतिमा।

सच यह है जवाहरलाल नेहरु अब प्रधानमंत्री नहीं रहे,लेकिन बहस के प्रधानमंत्री अभी भी वही हैं ।महंगाई पर बोलिए–नेहरू ।ध्रुवीकरण पर बोलिए–नेहरू ।विदेश नीति पर बोलिए–नेहरू ।यहाँ तक कि सोशल मीडिया का अल्गोरिद्म भी सोच रहा होगा–ह्लनेहरू डालो, व्यूज मिलेंगे ।ह्व

और यह सब इसलिए चलता है,क्योंकि इससे जनता वास्तविक मुद्दों पर सवाल करना भूल जाती है ।नेहरू इसलिए नहीं याद आतेक्योंकि उनसे कुछ सीखना है–नेहरू आए इसलिए क्योंकि आज के सवालों के जवाब देना मुश्किल है।

फिर उजागर किए भारतीयों के मोबाइल नंबर

• डॉ.दिग्विजय सिंह राठौर

भारत में साइबर सुरक्षा को लेकर चिंता एक बार फिर गहरा गई है। कुछ दिन पहले प्रोक्सी अर्थ नाम की वेबसाइट ने भारतीयों का निजी डाटा सार्वजनिक किया था, जिसके बाद डाटा चोरी का मुद्दा राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में आ गया। सरकार ने तुरंत कार्रवाई करते हुए इस वेबसाइट की एक्सेस रोकने के प्रयास शुरू किए। प्रोक्सी अर्थ ने अपना ऐप भी बनाया, लेकिन अब यह ऐप मोबाइल नंबर से जुड़ी जानकारी देने के बजाय सिर्फ गेम डाउनलोड कराने का काम कर रहा है।

इसी बीच leakdata.org नाम की नई वेबसाइट ने देश में साइबर सुरक्षा को लेकर फिर से हड़कंप मचा दिया है। यह वेबसाइट ईमेल आईडी और मोबाइल नंबर दोनों से जुड़ी विस्तृत जानकारी उपलब्ध करा रही है। इस पर उपयोगकताओं का– मोबाइल नंबर, वैकल्पिक नंबर, ईमेल आईडी, पता, आधार नंबर जैसा संवेदनशील डेटा आसानी से देखा जा सकता है।

खास बात यह है कि यह वेबसाइट दिसंबर माह में ही बनाई गई है, और 8 दिसंबर को ही इसका टेलीग्राम ग्रुप भी बनाया गया है, जिसमें अभी करीब 300 सदस्य जुड़े हैं। इतना ही नहीं, leakdata.orgने अपना ऐप भी बना रखा है, जिसके माध्यम से भी यह जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। कोई भी व्यक्ति इसकी वेबसाइट के को ओपन करके 12 लोगों के मोबाइल नंबर और ईमेल से जुड़ी जानकारी को आसानी से देख सकता है। बहुत सारे नंबरों की जानकारी इस पर नहीं है। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के साइबर क्लब के नोडल अधिकारी डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर कहा कि कि यदि इसी तरह आम नागरिकों का निजी डेटा सार्वजनिक होता रहा, तो यह साइबर अपराधियों के लिए बड़ा हथियार बन जाएगा। ऐसे अपराधी लोगों की मूल जानकारी का उपयोग कर वित्तीय धोखाधड़ी, फिशिंग और अन्य साइबर हमलों को अंजाम दे सकते हैं। फिलहाल भारत सरकार की कई एजेंसियां सक्रिय हो चुकी हैं और इस डाटा लीक के स्रोत का पता लगाने तथा ऐसी वेबसाइटों की पहुंच रोकने के लिए प्रयास कर रही हैं। लेकिन एक वेबसाइट बंद होते ही दूसरी वेबसाइट का उभर आना साइबर सुरक्षा एजेंसियों के लिए लगातार बढ़ती चुनौती बन चुका है। स्थिति गंभीर है और आने वाले दिनों में इस डेटा के दुरुपयोग का खतरा और बढ़ सकता है। भारत में साइबर सुरक्षा को लेकर यह घटना फिर से चेतावनी की घंटी साबित हुई है।

leakdata.org ने एक महत्वपूर्ण फीचर जारी किया है, जिसके जरिए कोई भी व्यक्ति अपनी जानकारी को वेबसाइट से तुरंत छुपा सकता है।

क्या है फीचर – Hide My Data?

leakdata.org की ओर से जारी किए गए इस फीचर में कहा गया है कि वे उपयोगकताओं की प्राइवेसी को प्राथमिकता देते हैं। प्लेटफॉर्म पर मौजूद लीक डेटा पूरी तरह सार्वजनिक स्रोतों से लिया जाता है, लेकिन यदि कोई यूजर नहीं चाहता कि उसका नंबर या ईमेल किसी को भी खोज में दिखाई दे, तो वह इसे तुरंत छुपा सकता है।

कैसे काम करता है डेटा हटाने का विकल्प? वेबसाइट पर दिए गए विवरण के अनुसारःInstant Action (तुरंत कार्रवाई)ः जैसे ही कोई व्यक्ति अपना मोबाइल नंबर या ईमेल वेबसाइट के Hide My Data फॉर्म में दर्ज करता है, उसे तुरंत Do Not Display रजिस्ट्री में जोड़ दिया जाता है। No Questions Asked (कोई पहचान प्रमाण नहीं मांगा जाएगा)ः वेबसाइट यह दावा करती है कि यूजर को अपनी पहचान साबित करने की आवश्यकता नहीं है। यदि कोई कहता है कि यह उसका नंबर है और उसे छिपाना है, तो वेबसाइट उसे छिपा देती है।

Permanent & Secure (स्थायी और सुरक्षित)ः

उनका कहना है कि यूजर की रिक्वेस्ट एन्क्रिप्टेड डेटाबेस में सुरक्षित रखी जाती है। इसके बाद भविष्य में कोई भी व्यक्ति उस नंबर या ईमेल को सर्च करता है तो परिणाम में No Result दिखाई देता है।

रिक्वेस्ट सबमिट होने के बाद क्या होता है?

यूजर द्वारा नंबर या ईमेल सबमिट करते ही वेबसाइट पर एक संदेश दिखता हैः "Request Submitted! Your mobile number has been added to our Do Not Display registry. It will be hidden from seaÔrch results immediately." यानी आपका नंबर तुरंत ही सर्च रिजल्ट से छिपा दिया जाता है ।ऐसा वेबसाइट में कहा गया है।

सिने जगत

बॉर्डर 2 से अहान शेट्टी का फर्स्ट-लुक जारी, टैंक गन थामे नेवी ऑफिसर लुक में नजर आए

फिल्म बॉर्डर 2 से अहान शेट्टी का फर्स्ट-लुक मंगलवार को जारी किया गया। इसमें वह एक नेवी ऑफिसर के किरदार में नजर आ रहे हैं और काफी दमदार लग रहे हैं। उनके लुक को देखकर लोग उनकी तुलना सुनील शेट्टी से भी कर रहे हैं, जिन्होंने पहले बॉर्डर में अहम किरदार निभाया था ।मेकर्स की ओर से जारी किए गए पोस्टर में अहान शेट्टी को युद्ध के बीच में दिखाया गया है। उनके चेहरे पर खून के निशान हैं और उनकी आंखों में दृढ़ता झलक रही है, साथ ही अहान के हाथों में टैंक की गन है। इस पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, लहरों से भी मजबूत। तूफान से भी भयानक। इसके साथ ही बताया गया है कि यह फिल्म अगले साल 2026 में 23 जनवरी को रिलीज होगी।

वहीं, इस पोस्टर पर सोशल मीडिया यूजर्स भी जमकर कमेंट्स कर रहे हैं। एक ने लिखा, क्या कमाल का फर्स्ट लुक पोस्टर है अहान की असली एंट्री तो अब होने जा रही है बॉलीवुड में। दूसरे ने लिखा है, अहान शेट्टी अपने पापा सुनील शेट्टी की तरह ही नजर आ रहा है। ऐसा लग रहा है कि बॉर्डर 2 में अहान नहीं बल्कि अन्ना सुनील शेट्टी ही हैं।

बॉर्डर-2 क्लासिक बॉर्डर (1997) का सीक्वल है। इसमें सनी देओल, वरुण धवन और दिलजीत दोसांझ मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म में एयरफोर्स, ग्राउंड बैटल और बड़े पैमाने की वॉर सीक्वेंस शामिल हैं। मेकर्स ने इसे देशभक्ति की भावना से जुड़ी सबसे बड़ी फिल्मों में से एक बताया है। बॉर्डर-2 तब विवादों का केंद्र बन गई थी, जब फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज ने दिलजीत दोसांझ की कास्टिंग पर सवाल उठाया। कहा था कि दिलजीत ने हाल ही में एक पाकिस्तानी अभिनेत्री के साथ प्रोजेक्ट किया था।

संस्था का तर्क था कि पाकिस्तानी कलाकारों पर बैन के चलते भारतीय कलाकारों को उनके साथ किसी भी तरह के सहयोग से बचना चाहिए, क्योंकि बॉर्डर-2 एक देशभक्ति फिल्म है, इसलिए संगठन ने इसे राष्ट्रीय भावना के खिलाफ बताया। त्रङ्कक्उए ने मेकर्स को आधिकारिक पत्र भेजकर मांग की कि दिलजीत को फिल्म से हटाया जाए ।मेकर्स की लिखित अपील स्वीकार की गई। अपील में कहा गया है कि दिलजीत के हिस्से की शूटिंग पहले ही पूरी हो गई थी। रिप्लेसमेंट से करोड़ों का नुकसान हो सकता है। भविष्य में नियम पालन की शर्त पर बैन हटाया।

कर्तव्य में एकता सुनिश्चित करती सेना की नैतिकता

• लेफ्ट जर्नल एसएस मेहता (रिटा.)

हाल ही में पूजास्थल में जाने से इनकार करने वाले अधिकारी को सेवा मुक्त किए जाने का निर्णय बरकरार रखना ऐसे मामलों में भविष्य की दिशा तय करने वाला है। विवाद किसी अनुष्ठान को लेकर नहीं , बल्कि सम्बद्धता, कर्तव्य और एक विविधतापूर्ण सेना की संवैधानिक संरचना के बारे में है। यूं भी सेना अपने सैनिकों के लिए आस्था का चयन नहीं करती; यह यकीनी बनाती है कि आस्था एकता में बाधक न बने।

कई बार ऐसे क्षण होते हैं जब अदालत का निर्णय किसी विवाद को निबटाने से अधिक बन जाता है; यह दिशा तय करता है। अपने सैनिकों के साथ रेजिमेंटल पूजास्थल के भीतर जाने से इनकार करने वाले एक अधिकारी को सेवा मुक्त किए जाने के निर्णय को बरकरार रखने वाला सर्वोच्च न्यायालय का फैसला ऐसा ही एक क्षण है। यह उस सच्चाई की पुष्टि करता है जो सैनिक सदा जीता है व जिसे लोकतंत्रों को निरंतर मजबूत करना चाहिए : एक गणराज्य अपने संस्थानों के बूते खड़ा होता है और संस्थान अपना प्रण ईमानदारी से निभाने पर खड़े होते हैं।

सार्वजनिक बहस में, और कुछ टिप्पणियों में, इस मामले को लंबे समय से चली आ रही सैन्य प्रथाओं पर फिर से विचार करने के अवसर के रूप में लेना, इसको गलत अर्थ देना होगा। यह व्याख्या केंद्रीय बिंदु से चूक जाती है। मामला यहां किसी अनुष्ठान पर विवाद को लेकर नहीं है, बल्कि सम्बद्धता, कर्तव्य और एक विविधतापूर्ण सेना की संवैधानिक संरचना के बारे में है।

यह विवाद एक रेजिमेंट में उत्पन्न हुआ, जहां एक मंदिर और गुरुद्वारा साथ-साथ हैं और लंबे समय से एक एकीकृत सर्व धर्म स्थान के रूप में सुचारू हैं। अधिकारी ने यह कहकर अंदर जाने से इनकार कर दिया कि उसकी धार्मिक मान्यता उस पूजा स्थल के गर्भगृह में प्रवेश करने की अनुमति नहीं देती। समूची सेना में, ऐसे स्थानों को मान्यता की दरकार नहीं है; बल्कि वे तो सह-अस्तित्व को पुष्ट करते हैं। उनका मंतव्य केवल इतना कि विविधता के बीच, सम्बद्धता में दरार न आने पाए। परामर्श-सत्र और एक पादरी द्वारा यह आश्वस्त किए जाने के बाद भी कि पूजा स्थल पर प्रवेश करना उसके धर्म से समझौता नहीं है, वह अधिकारी अपने रुख पर अडिग रहा।

विविधता में एकता का मतलब कभी भी इकाइयों के अंदर रार पैदा करना या किसी आदेश के मनमाफिक मायनों को प्रस्तुत करना नहीं रहा। सेना ने एकता का अर्थ कभी भी संख्या, अनुपात या निर्धारित संरचनाओं के रूप में नहीं लिया। जो कोई भी एक साथ खड़ा है, जहां कहीं से भी वो आता है और जिस भी अनुपात में दिखाई देता है, वह भी एकता है, क्योंकि सामंजस्य कोई गणित नहीं; यह अनुभूत अनुभव है। यही कारण है कि कुछ टिप्पणियों में दिया गया सुझाव कि यह मामला वर्गीय संरचनाओं अथवा रेजिमेंटल प्रथाओं पर पुनर्विचार के लिए प्रेरित करे, पूरी तरह बिंदु से चूक जाता है। सेना के अंदर की एकता बाहरी रूपरेखा से निर्मित नहीं है; यह साझे कर्तव्य, साझे खतरे और उस शपथ से कायम

रहती है, जो प्रत्येक सैनिक को दूसरे से जोड़कर रखती है।

एक घटना, चाहे वो कैसी भी दिखाई दे, उसका उपयोग एक संस्थागत संरचना को फिर से खोलने या पुनः व्याख्या करने के लिए नहीं किया जा सकता। कर्तव्य निर्वहन से इंकार को समझना चाहिए, न कि पुनः रूपरेखा के लिए, और जो भी इस नैतिकता विशेष की पुनः व्याख्या में लगते दिखाई दे रहे हैं, निश्चित ही वे इसके वर्ण, वर्णमाला और व्याकरण से अनभिज्ञ हैं। सेना की प्रथाएं युद्ध की वास्तविकताओं, सामंजस्य की दरकार और विविधतापूर्ण इकाइयों द्वारा एकीकृत होकर लड़ने वाले अनुभूत अनुभव से ढाली गई हैं।

कुछ लोग पूछ सकते हैं कि अगर उक्त अधिकारी बहुसंख्यक समुदाय से होता, तब क्या प्रतिक्रिया अलग होती। यह सवाल फौजी वर्दी को गलत तरीके से पढ़ता है। सेना पहचान को अधिमान नहीं देती; दायित्व पर जोर देती है। एकता जनित कर्तव्य का उल्लंघन एक समान है, चाहे वह कोई भी करे। नैतिकता किसी एक या कई के लिए, अल्पसंख्यक से हो या बहुसंख्यक वर्ग से, सबके लिए समान है, क्योंकि जिस घड़ी पहचान में गणित प्रवेश करता है, उसी पल सामंजस्य का निकास हो जाता है। इसलिए यह निर्णय इस बारे नहीं कि अधिकारी कौन था। इस बारे है कि संस्था को कैसी बने रहना चाहिए।

सर्वोच्च न्यायालय ने उस अधिकारी को सेवामुक्त किए जाने का फैसला बरकरार रखा, इसलिए नहीं कि यहां उसकी ईमानदारी पर शक है, बल्कि इसलिए कि उसका मानना है कि सशस्त्र पेशे में धार्मिक मान्यता को कर्तव्य से ऊपर नहीं रखा जा सकता। यहां निजी व्याख्या से रेजिमेंटल वैध प्रथा को अलग करके लिया जा रहा था। वह भी एक ऐसे बल में जहां परिचालन में एकता पर समझौता नहीं हो सकता, यह कृत्य अनुशासनहीनता का है। सेना ने अपने शासनादेश के भीतर रहकर काम किया; अदालत ने इसे बरकरार रखा क्योंकि यह निष्पक्ष -निर्भय होकर काम करने वाले बल की रीढ़ संवैधानिक रूप से मजबूत करता है। यह समझने को कि विश्वास को कर्तव्य से ऊपर क्यों नहीं रखा जा सकता, उसे सैनिक बनने के व्याकरण को पुनः पढ़ना होगा। थलीय युद्ध का ढंग कभी नहीं बदलता : हाथ से हाथ, संगीन से संगीन, आदमी से आदमी, टैंक से टैंक। आमने-सामने के युद्ध में दरार की कोई गुंजाइश नहीं बचती। विभिन्न हथियारों और सेवाओं वाली सेना में विविधता वर्णमाला है। व्याकरण है आक्रमण, बेदखली, कब्जा और पकड़, थलीय युद्ध का निष्ठुर वाक्यविन्यास जिसे अटूट सामंजस्य की दरकार है। अक्षर, वर्णमाला और व्याकरण के बीच, स्थिरांक है व्यक्ति : उसकी सहज प्रवृत्ति, प्रेरणा व उसकी चिरस्थायी संहिता...नाम, नमक, निशान। विविधता में एकता एक आकांक्षा नहीं; परिचालन की जरूरत है। सैन्य इकाई चाहे सर्व-वर्गीय हो, मिश्रित वर्ग की हो या निर्धारित वर्ग की, अधिकारी स्तरीय नेतृत्व हमेशा मिश्रित रहा है। इस तंत्र के वास्ते सर्वधर्म स्थल होते हैं। यह कोई अनुष्ठान नहीं; यह तो स्वतंत्रता उपरांत एक संस्थागत नीति है जो तय करती है कि हरेक सैनिक अपने साथियों संग खड़ा हो सके, भले वे समान रूप से पूजा न करें। यह सेना का एकता बनाने का अपना देसी व्याकरण है।

यह निर्णय मायने रखता है क्योंकि सेना गणतंत्र में संवैधानिक नागरिकता का सबसे अधिक दिखाई देने वाला संस्थान है। यह वह जगह है जहां प्रत्येक फौजी टुकड़ी की पंक्ति में विभिन्न भाषा, क्षेत्र, जाति और पंथ दिखाई देते हैं, फिर भी किसी के लिए विशेषाधिकार या प्राथमिकता निर्धारित नहीं। सेना की नैतिकता मतभेद मिटाना नहीं, बल्कि मतभेदों को अलगाव बनाने से रोकना है। यह लाखों पहचानों को, दूसरे की कीमत पर, खुद को हावी किए बिना, एक वर्दी पहनने की अनुमति देती है।

यह नैतिकता सजावटी नहीं। यह अनुशासन, विश्वास और परिचालन एकता की नींव है। जो क्षण सामूहिक पहचान का प्रतीक बन जाता हो, वहां एक सेनापति अपने सैनिकों से अलग खड़ा नहीं हो सकता। यदि कोई निजी पसंद के जरिये संस्थागत प्रथा की पुनः व्याख्या करने लगे तो कोई इकाई एकजुट नहीं रह पाएगी। अदालत ने माना, ऐसा रास्ता एक धर्मनिरपेक्ष, अराजनैतिक बल को कमजोर कर देगा। सेना की धर्मनिरपेक्षता यह सुनिश्चित कर सबके हकों की रक्षा करती है कि कोई भी श्रेष्ठता स्थापित न करे। यहां सेना के लिए भी ताकीद है। केवल परंपरा से सामंजस्य की गारंटी नहीं। प्रत्येक बार जब शपथ को व्याख्या से ऊपर रखा जाता है, सामूहिक नैतिकता को बिना हिचकिचाहट बरकरार रखा जाता है, तो इसका नवीनीकरण हो जाता है। सेना अपने सैनिकों के लिए आस्था का चयन नहीं करती; यह यकीनी बनाती है कि आस्था केंद्र भावना में दरार न डाले।

ऐसे युग में जब समाज अपना संतुलन बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, जब शोर सूक्ष्मता पर हावी है और पहचान सहानुभूति से आगे निकल चुकी है, भारतीय सेना की नैतिकता एक राष्ट्रीय स्थिरांक बन जाती है। दशार्ती है कि सह-अस्तित्व कोई आदर्श न होकर, एक रुटीन है। यह दशार्ती है कि पदानुक्रम के इतर असहमति बनी रह सकती है और साझा उद्देश्य अंदरूनी मतांतर रेखाओं से ऊपर हैं।

सेना के फैसले को बरकरार रखते हुए, सुप्रीमकोर्ट ने ऐसे सिद्धांत को मजबूत किया जिसने भारत को युद्धों, उथल-पुथल और

सेमराधनाथ माघ मेला,कल्पवास की तैयारियों को लेकर समिति पदाधिकारियों के साथ डीएम ने की बैठक

मेला परिसर में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं मोबाइल टीम द्वारा होगा चिकित्सीय उपचार एवं दवा वितरण

भदोही , 05 दिसंबर (देवव्रत संवाद)। सेमराधनाथ माघ मेला एवं कल्पवास की तैयारियों एवं शान्ति व्यवस्था के सम्बन्ध में जिलाधिकारी शैलेष कुमार, पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक की अध्यक्षता में कलेक्टेज्ट सभागार में बैठक सम्पन्न हुई।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ संतोष कुमार चक को निर्देशित किया कि मेला क्षेत्र में आने वाले श्रद्धालुओं एवं कल्पवासियों की सुविधा के दृष्टिगत सेमराध प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं मोबाइल टीम द्वारा जीवन रक्षक दवाओं की अनिवार्य रूप से व्यवस्था की जाएं। रोस्टर वार एम्बुलेंस सहित डाक्टरों की टीम की तैनाती कर मोबाईल नम्बर सहित सूची उपलब्ध कराएं। उन्होंने अपर मुख्य अधिकारी से स्नान के बाद महिलाओं के कपड़ा बदलने हेतु अस्थायी चेजिंग रूम बनवाने का निर्देश दिया। वन विभाग को कल्पवासियों के लिए आलाव हेतु लकड़ी उपलब्ध कराने पर बल दिया। अधिशासी अभियन्ता लोक निर्माण विभाग को निर्देशित करते हुए कहा कि शेष छूटे हुए रेत मार्गो पर भी अबिलम्ब चकर्ड प्लेट लगवा दिये जाय। अस्थायी शौचालय का निर्माण, लाईट, पानी का टैंकर मेले की सफाई हेतु सफाई कर्मी, एवं फागिंग, ब्लीचिंग की समुचित व्यवस्था कराने का निर्देश अधिशासी अधिकारी नगर पालिका गोपीगंज को दिया। जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियन्ता जल निगम को निर्देश दिया कि अस्थायी हैण्डपम्प की व्यवस्था सुनिश्चित की जाय । उन्होंने सुरक्षा के दृष्टिगत मेले मे पर्याप्त पुलिस बल, बैरिकेटिंग, जल पुलिस, नाविक, गोताखोर, महिला पुलिस की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश सम्बन्धित अधिकारी को दिया। जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने समस्त विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि 20 दिसम्बर तक सभी सुविधाएं संपन्न कर दिया जाय।

जिलाधिकारी ने 15 जनवरी को मकरसंक्रान्ति में सम्भावित भीड़ की दृष्टिगत उनकी सुरक्षा व्यवस्था हेतु मेला अधिकारी/उप जिलाधिकारी ज्ञानपुर व पुलिस क्षेत्राधिकारी को मेला को सुचारू रूप से सम्पन्न कराने हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को कुशलता के साथ पूर्ण कराने का निर्देश दिया। जनपद में सेमराधनाथ धाम माघ मेला अन्तर्गत मकरसंक्रान्ति पर रामपुर घाट एवं सीतामढ़ी घाट पर भी उपर्युक्त आवश्यक व्यवस्थाएं कराने का जिलाधिकारी महोदय ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया।

इस अवसर पर सेमराध नाथ धाम मकर संक्रांति मेला समिति के अध्यक्ष श्री रामबली सिंह, मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविन्द शुक्ल, उप जिलाधिकारी ज्ञानपुर भानसिंह एवं मेले से सम्बन्धित पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

शिकायतों के समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण में भदोही पुलिस अव्वल

भदोही , 05 दिसंबर (देवव्रत संवाद)। उ0प्र0 सरकार की आनलाइन शिकायत प्रणाली जनसुनवाई पोर्टल से प्राप्त शिकायतों को जनपद भदोही पुलिस द्वारा समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया गया। जिसके फलस्वरुप विगत माह नवंबर, 2025 में प्रदेश स्तर पर जारी की गयी रैकिंग में प्रथम रैंक प्राप्त हुआ है। इसके पहले माह जुलाई, अगस्त, सितम्बर व अक्टूबर 2025 में भी भदोही पुलिस को पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ था। जनपद भदोही पुलिस के जनसुनवाई पोर्टल पर प्राप्त सन्दर्भों का मा0 मुख्यमंत्री कार्यालय से मूल्यांकन किया गया तो उ0प्र0 के सभी 75 जनपदों में जनपद भदोही की कार्यवाही 100% रही व रैंक प्रथम रहा।श्री अभिमन्यु मांगलिक, पुलिस अधीक्षक भदोही के निर्देशन में व श्री शुभम अग्रवाल अपर पुलिस अधीक्षक भदोही के पर्यवेक्षण में जनसुनवाई पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के त्वरित, गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण हेतु जनसुनवाई पोर्टल के कार्यों की मानीटरिंग करते हुए जनपद के समस्त पुलिस अधिकारी व थाना प्रभारियों को लगातार निर्देश दिये जा रहे हैं।

यातायात पुलिस ने अचेत युवक की बचाई जान

पीडीडीयू नगर(चंदौली), 09 दिसंबर (देवव्रत संवाद)। मुगलसराय कोतवाली थाना अंतर्गत मंगलवार की सुबह काली मंदिर जीटी रोड के सामने एक युवक अचेत अवस्था में पड़ा हुआ था जिसकी सूंघ लेने वाला कोई पुलिसकर्मी या कोई दुकानदार सामने नही आया वहीं युवक की हालत चिंताजनक लग रही थी मौके पर ड्यूटीरत यातायात टीएसआई अंचित प्रसाद चौधरी व सतेंद्र राय द्वारा उक्त अचेत युवक के पास पहुंचकर उसके सीने पर पंप किया गया जिसके बाद युवक को होश आया।उक्त युवक राजस्थान का निवासी बताया जाता है जो अपने गंतव्य के लिए रवाना हुआ और यातायात पुलिस को धन्यवाद दिया।गौरतलब हो कि अगर वक्त रहते यातायात पुलिस मौके पर ना पहुंचती तो उक्त युवक की जान भी जा सकती थी।

समाजसेविका की मनाई सातवीं पुण्यतिथि

पीडीडीयू नगर(चंदौली), 09 दिसंबर (देवव्रत संवाद)। भारतीय समाचार पत्र विक्रेता संघ की बैठक संघ के प्रदेश महामंत्री भागवत नारायण चौरसिया के आवास वेस्टर्न बाजार पर जिला अध्यक्ष विजय जायसवाल के अध्यक्षता में हुई संचालन वरिष्ठ पत्र वितरक नेता मदन यादव ने किया।बैठक में समाज सेविका मंजू देवी चौरसिया की 7 वीं पुण्यतिथि चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर दो मिनट का मौन धारण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित किया गया।बैठक में समरनाथ सिंह यादव एडवोकेट,भागवत नारायण चौरसिया,विजय जायसवाल,मदन यादव, राजेश सिंह,धर्मेंद्र कुशवाहा,सीताराम पांडेय,सुरेश गोंड़,अली मोहम्मद,नरेंद्र कुमार अन्य मौजूद रहे।

अवैध गांजा बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

पीडीडीयू नगर(चंदौली), 09 दिसंबर (देवव्रत संवाद)। पुलिस अधीक्षक चन्दौली आदित्य लांग्हे द्वारा गाँजा तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने व तस्करी में संलिप्त अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु दिये गये निदेर्शों के अनुपालन के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन दिगम्बर कुशवाहा व क्षेत्राधिकारी चकिया, रघुराज के कुशल पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष अर्जुन सिंह के नेतृत्व में थाना चकिया पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर चेकिंग के दौरान गांधीनगर से अभियुक्त अशोक कुमार यादव पुत्र पारस यादव नि0 सेमरा थाना चैनपुर जनपद कैमूर भभुआ बिहार व अवधेश राम पुत्र चिरौजी राम नि0 सेमरा थाना चैनपुर जनपद कैमूर भभुआ बिहार को गिरफ्तार किया गया गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से 16.200 कि0ग्रा0 नाजायज गांजा बरामद हुआ जिसको तस्कर मोटरसाइकिल के माध्यम से लेकर जा रहे थे।गिरफ्तार अभियुक्तों ने पूछताछ में बताया कि हम लोगो का संगठित गिरोह है।हम लोग बराबर-बराबर पैसा लगाकर अपने गांव सेमरा बिहार से गांजा खरीद कर उ0प्र0 मे लाकर बिक्री करते है।दिनांक 08.12.2025 को हम लोग बाईक से एक बोरी मे गांजा पैक करके बेचने हेतु वाराणसी ले जा रहे थे जहां पर गांजा को ऊंचे दामो पर बेचते तथा जो भी फायदा होता उसे हम तीनो आपस मे बराबर बराबर बाट लेते है।जिनपर पुलिस संबंधीत धारा लगाते हुए अग्रिम कार्रवाई करने में जुट गई।

चोरी का पैसा व चावल बरामद, एक अभियुक्त गिरफ्तार

पीडीडीयू नगर(चंदौली), 09 दिसंबर (देवव्रत संवाद)। पुलिस अधीक्षक चन्दौली आदित्य लांग्हे द्वारा अपराध व अपराधियों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही हेतु दिये गये निर्देश के अनुपालन के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन दिगम्बर कुशवाहा व क्षेत्राधिकारी चकिया रघुराज के कुशल पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष अर्जुन सिंह के नेतृत्व में थाना चकिया पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर एक अभियुक्त रोहित पुत्र बिन्दू निवासी बुढवल थाना चकिया जनपद चन्दौली को दैत्रावीर बाबा के पास ग्राम बुढवल के पास से गिरफ्तार किया गया गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से चोरी किये माल में से 5200/-रुपएं नकदी व अनाज बरामद किया गया।गिरफ्तार अभियुक्त द्वारा बताया गया कि विगद दिनों पूर्व मै प्रमोद गुप्ता निवासी ग्राम अमरा उत्तरी के आटा चक्की की दुकान के पीछे बने खिडकी के अन्दर से मैने घुसकर कमरे मे रखे हुये बक्शा और बोरी मे रखे हुये चावल को चुरा लिया था। बक्शा मे से पैसा निकालकर बक्शा को थोडी दूर ले जाकर कुँआ मे फेक दिया तथा चावल की बोरी को आटा चक्की के पीछे ही झाडी मे छिपा दिया था।जिसपर पुलिस संबंधीत धारा लगाते हुए अग्रिम कार्रवाई करने में जुट गई।

आईजीआरएस प्रार्थना पत्रों के त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराने पर किया पुरस्कृत

मीरजापुर , 09 दिसंबर (देवव्रत संवाद)। सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मीरजापुर द्वारा शिकायती/ आईजीआरएस प्रार्थना पत्रों के त्वरित, गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध रूप से निस्तारण हेतु दिये गये निर्देश व अपर पुलिस अधीक्षक नगर के प्रभावी पर्यवेक्षण के परिणाम स्वरूप तथा आईजीआरएस शाखा में नियुक्त कर्मियों के त्वरित कार्यवाही कराने के परिणाम स्वरूप आईजीआरएस प्रार्थना पत्रों के निस्तारण में जनपद मीरजापुर विगत 04 माह से प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त कर रहा है । इस सराहनीय कार्य के लिए ह्रसोमेन बर्माह्रवरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मीरजापुर द्वारा आज आईजीआरएस शाखा में नियुक्त प्रभारी निरीक्षक आईजीआरएस सेल चन्द्रप्रकाश पाण्डेय, क0आपरेटर लक्ष्मीशंकर यादव व आरक्षी दुर्गेश प्रजापति,अनुज विश्वकर्मा, सौरभ कुमार, आरक्षी रश्मि सिंह व आरक्षी चन्द्रप्रकाश महतो को उत्साह वर्धन हेतु प्रशस्ति पत्र व नगद पुरस्कार से पुरस्कृत कर किया गया है ।

हॉट बाजार में उच्चकों का गिरोह सक्रिय जिस पर पुलिस अंकुश लगाने में विफल

पीडीडीयू नगर(चंदौली), 09 दिसंबर (सरदार रोशन सिंह/देवव्रत संवाद)। मुगलसराय कोतवाली थाना अंतर्गत नगर में प्रत्येक सोमवार को लगने वाले हॉट बाजार में आए खरीदारी करने वाले लोग वह सड़कों पर सजे हाट बाजार के चलते पुण रूप से नगर में जाम की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। बताते हैं चलें कि सोमवार को लगने वाला उक्त बाजार विगत कई सालों से नगर में लगता चला आ रहा है जो अब तेजी से सड़कों पर फैल रहा है जिसके चलते सड़क दुर्घटना की स्थिति भी लगातार बनी रहती है।वहीं फुटपाथ पर सजे हाट बाजार दुकानदारों से स्थानीय दुकानदार अच्छी खासी पैसे की वसूली कर अपने दुकानों के सामने दुकाने लगवाते हैं।दूसरी तरफ हाट बाजार में उचक्कों

का गिरोह भी काफी सक्रिय रहता है जो प्रत्येक सोमवार को किसी न किसी घटनाओं को अंजाम देता रहता है। वहीं बीते दिन सोमवार को दुकान लगाने पहुंचे मुगलसराय भोगवार निवासी अंजली देवी जो आर्टिफिशियल ज्वेलरी बेचने बाजार में पहुंची थी जिनके पीछे से उचक्कों ने आर्टिफिशियल ज्वेलरी सहित अन्य सामानों से भरा झोला गायब कर दिया।भुक्तभोगी महिला ने बताया कि झोले में लगभग 5 हजार मूल्य के समान थे जो पूरा उच्चके अपने साथ ले गए जिसके चलते महिला दुकानदार को मायूस होकर अपने घर लौटना पड़ा।वही सोमवारी बाजार में कोतवाली पुलिस द्वारा भी किसी तरह की सक्रियता नहीं देखी जाती है।जिसके चलते उचक्कों का गिरोह बाजार में काफी सक्रिय साबित हो रहा है।

महिला सुरक्षा,सम्मान एवं स्वावलंबन के उद्देश्य से पुलिस द्वारा चलाया गया जागरुकता अभियान

भदोही, 09 दिसंबर (देवव्रत संवाद)। महिला सुरक्षा, सम्मान व स्वावलम्बन हेतु चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0 के तहत श्री अभिमन्यु मांगलिक,पुलिस अधीक्षक जनपद भदोही के निर्देशन में एवं *अपर पुलिस अधीक्षक श्री शुभम अग्रवाल जनपद भदोही के पर्यवेक्षण में जनपद में महिला बीट आरक्षी/एंटी रोमियों पुलिस टीम सहित पुलिस अधिकारीगण के माध्यम से क्षेत्र में भ्रमण कर प्रमुख चौराहों, कस्बों, बाजारों, मन्दिर, शापिंग मॉल, भीड़भाड़ वाले इलाकों, स्कूलों/कॉलेजों/कोचिंग संस्थानों, रेलवे स्टेशन, रोडवेज सहित अन्य सार्वजनिक स्थानों व गांवों में जाकर बालिकाओं/छात्राओं एवं महिलाओं को शासन द्वारा चलायी जा रही विभिन्न लाभकारी योजनाओं जैसे- मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उ०प्र० राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, पी०एम०स्वानिधि योजना,पी०एम०सम्मान निधि योजना, वन स्टाप सेन्टर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, प्रधानमंत्री फ्री सिलाई योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, कन्या सुमंगला योजना, महिला ई-हाट योजना तथा बाल विवाह, पाक्सो एक्ट, एवं महिला उत्पीड़न की रोकथाम संबंधी अधिकारों एवं ऑपरेशन मुक्ति के अंतर्गत बाल विवाह एवं बालश्रम तथा महिला उत्पीड़न के संबंध में पुलिस द्वारा की जाने वाली कार्यवाही के बारे में जानकारी देते हुए जागरूक किया जा रहा है तथा छोटे-छोटे बच्चों को गुडटच-बैडटच के बारें में बताया गया और किसी भी समस्या के बारे में अपने अभिभावकों या पुलिस को अवश्य अवगत कराने के सुझाव दिये गये । सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेट्फार्मों के सुरक्षित उपयोग एवं सुरक्षा के दृष्टिकोण से बरते जाने वाले विभिन्न एहतियात के बारें में, साइबर अपराधों एवं डिजिटल अरेस्ट के बारें में विस्तृत जानकारी देते हुए साइबर फ्रॉड की घटना घटित होने पर तत्काल 1930 पर कॉल करने व उसके द्वारा बताए गए निदेर्शों का पालन करें। अपनी जन्मतिथि, नाम, मोबाइल नंबर, आदि का इस्तेमाल कभी भी पासवर्ड बनाने में ना करें, एक ही पासवर्ड का प्रयोग विभिन्न सेवाओं वेबसाइट और ऐप में ना करें, अनजान व्यक्तियों से प्राप्त वीडियो कॉल को रिसीव ना करें, अपने निजी और बैंकिंग डिटेल्स को किसी के साथ फोन या ईमेल पर एसएमएस के जरिए शेयर ना करें, फ्री वाई-फाई का इस्तेमाल करने से बचें ।

सड़क हादसे मे आटो सवार व्यक्ति घायल

गोपीगंज, 09 दिसंबर (देवव्रत संवाद)। ज्ञानपुर मार्ग पर लालापुर गांव के पास मंगलवार को दिन में हुए सड़क हादसे मे जयप्रकाश 50 वर्ष निवासी मामदेवपुर भदोही घायल हो गए।मामदेवपुर निवासी जयप्रकाश रविवार को गोपीगंज थाना क्षेत्र के गिराई गांव ससुराल आए थे।मंगलवार को आटो से भदोही जा रहे थे,लालापुर के पास आटो व बाइक की टक्कर के दौरान सड़क पर गिर जाने से गंभीर रूप से घायल हो गए।इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोपीगंज में ले जाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

बच्चो के विवाद मे जमकर हुआ खूनी संघर्ष,घंटे भर चले ईट पत्थर

गोपीगंज, 09 दिसंबर (देवव्रत संवाद)। कोतवाली के पूरे प्रताप गांव में बच्चों का विवाद तूल पकड़ लिया,जमकर चले ईट पत्थर लाठी डंडा व धारदार हथियार से हुई मारपीट में दोनों पक्ष के लगभग 12 लोग घायल हो गए है।

घटना के बारे में बताया जाता है कि सोमवार की रात राज बिन्द 18 वर्ष बताया जाता है कि नशे में था जिसका पड़ोसियों से किसी बात को लेकर कहां सुनी हो गई और उसे रात में भी मारा पीटा गया।उक्त घटना के बाद भी मामला सुलझा नहीं सुबह होते ही मकान की छतों से ईंट पत्थर धुआंधार चलने शुरू हो गए इस दौरान राजेश 34 वर्ष, राजीव कुमार 28 वर्ष , अनंत लाल 42 वर्ष,राज 18 वर्ष , इंदिरा 34 वर्ष, तथा दूसरे पक्ष से ग्राम प्रधान संजय कुमार बिंद, वीरेंद्र कुमार 32 वर्ष, बब्बन 62 वर्ष, गुड्डू बिन्द 26 वर्ष, रमेश 32 वर्ष, रामनाथ 70 वर्ष, राजा राम 42 वर्ष अन्य सभी गंभीर रूप से घायल हो गए सभी घायलों का उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कराया गया तथा स्थानीय थाने में दोनों पक्षों ने अपनी अपनी तहरीर दी। वही दोनों पक्ष एक दूसरे के ऊपर हमला करने का आरोप प्रत्यारोप करते नजर आए एक पक्ष का आरोप रहा की ग्राम प्रधान के ललकारने के बाद प्रधान के तथा उनके पड़ोसियों के छत से ईट पत्थर फेके गए साथ ही लाठी डंडे और धारदार हथियार का भी प्रयोग हुआ। वही ग्राम प्रधान ने आरोप लगाया कि दूसरे पक्ष के लोगों ने घर पर चढ़ कर हमला किया और धारदार हथियार का भी प्रयोग किया।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान दिवस,महिला चिकित्सक नदारत

गोपीगंज, 09 दिसंबर (देवव्रत संवाद)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मंगलवार को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान दिवस में महिला चिकित्सक की मौजूदगी नहीं रही महज काउंसलर के सहारे अभियान दिवस की खानापूर्ति पूरी की गई। बताया जाता है कि काफी समय से अस्पताल में तैनात महिला चिकित्सक अवकाश पर है और महिला चिकित्सक के अवकाश के बाद से ही अभी तक उनके स्थान पर दूसरी महिला चिकित्सक की तैनाती अस्पताल में नहीं हो पाई है जिससे अस्पताल आने वाली महिलाओं के उपचार में असुविधा व्याप्त है।मंगलवार को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस के दिन भी महिला चिकित्सक की ड्यूटी नहीं होना भी बड़ी बात है ।

स्क्रब टायफस एवं लैप्टोस्पायरोसिस से बचाव है जरुरी-स्नेह प्रभा

पीडीडीयू नगर(चंदौली), 09 दिसंबर (देवव्रत संवाद)। जिला कृषि रक्षा अधिकारी स्नेह प्रभा ने पत्र के माध्यम से अवगत कराया कि जनपदवासियों को स्क्रब टायफस एवं लैप्टोस्पायरोसिस से बचाव जरुरी है।आज कल स्क्रब टायफस एवं लैप्टोस्पायरोसिस नामक दो जीवाणुजनित बीमारियां जनपद के कुछ विकासखंडों में देखने को मिल रही हैं,ये दोनों व्याधियाँ संक्रामक हैं जो चूहा/छछूंदर से फैलती हैं। इस समय खरीफ के फसलों की कटाई हो जाने के कारण चूहे स्वाभाविक रूप से घर की तरफ जा रहे होंगे जिससे संक्रमण होने की आशंका बढ़ जाती है। बचाव-आसपास का परिवेश साफ-सुथरा रखें,चूहे के मल-मूत्रों की सफाई रखें. जीवाणु इन्हीं में पनपते हैं,सभी लोग अपने-अपने घरों में चूहेदानी का प्रयोग करें और चूहों को फंसाकर मारने के बाद जमीन में गाड़ दें,ब्रोमोडियोलॉन 0.005 प्रतिशत के बने बिस्किट की 10 ग्राम मात्रा चूहों के प्रत्येक बिल में डालकर बंद कर दें। उसे खाकर चूहे मर जाते हैं,जिंक फास्फाइड 80 प्रतिशत डब्ल्यूपी मूषकनाशी जनपद के समस्त विकासखंडों में स्थापित राजकीय कृषि रक्षा इकाई/बीज भंडार पर 7 रुपये(प्रति 10 ग्राम पैकेट)में उपलब्ध है जिसे खरीद सकते हैं।

मण्डल स्तरीय खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी का विधायक ने फीता काटकर किया उद्घाटन

मीरजापुर , 09 दिसंबर (देवव्रत संवाद)। मण्डल स्तरीय खादी एवं ग्रामोद्योग प्रदर्शनी 2025-26 के तहत खादी एवं स्वावलंबन उत्सव का भव्य आयोजन बीएलजे ग्राउंड, महुअरिया मे किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन विधायक नगर रत्नाकर मिश्र, विधायक मड़िहान रमाशंकर सिंह पटेल, विधायक मझवां शुचिस्मिता मौर्या ने फीता काटकर व दीप प्रज्जवलन कर किया गया। उद्घाटन के पश्चात मा0 जनप्रतिनिधियों ने स्वदेशी निर्मित खादी वस्त्रों तथा ग्रामोद्योग आधारित विभिन्न उत्पादों की स्टालों का भ्रमण कर निरीक्षण किया। प्रदर्शनी में खादी से बने आधुनिक वस्त्र, कुर्ता, जैकेट, साड़ी, सूटकेस साथ-साथ पश्मीना शाल, सूती कपड़े, मिट्टी के बर्तन, धूप-अगरबत्ती, डिटर्जेंट, ब्लैक पाटरी, लकड़ी के शिल्प तथा अन्य स्थानीय ग्रामीण उत्पाद को भी देखा।विधायक नगर ने अपने सम्बोधन में खादी के कपड़े पहनें और स्वरोजगार स्थापित करने के लिए लोगो को प्रोत्साहित किया। उन्होंने स्थानीय उद्यमियों और हस्तशिल्पियों को अपनी कलाकृतियों और उत्पादों का प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया यह भी कहा कि प्रदर्शनी का उद्देश्य स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहन देना और क्षेत्रीय ग्रामीण उद्योगों को आत्मनिर्भर बनाना है। इस प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य खादी और ग्रामोद्योग के

महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना, स्वदेशी उत्पादों के उपयोग को प्रोत्साहित करना और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार के अवसर पैदा करना है। उन्होंने कहा कि सभी नागरिक इस प्रदर्शनी में पधारें और खादी एवं ग्रामोद्योग उत्पादों की खरीदारी कर स्थानीय कारीगरों और बुनकरों के जीवन स्तर को उठाने में सहयोग करें।

विधायक मड़िहान ने अपने सम्बोधन में कहा कि खादी और ग्रामोद्योग भारत की सांस्कृतिक पहचान और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनी में लगे सभी उत्पाद न केवल स्वदेशी कारीगरी की उत्कृष्टता को दशार्ते हैं, बल्कि स्थानीय कारीगरों की लगन, मेहनत और कौशल का जीवंत प्रमाण भी हैं। श्री पटेल जी ने बताया कि आज खादी आधुनिक परिधान का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है और युवाओं के बीच इसकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में खादी एवं ग्रामोद्योग को दिए जा रहे प्रोत्साहन की सराहना करते हुए कहा कि प्रदेशभर में आयोजित हो रही प्रदर्शनियाँ और मेले स्वावलंबन एवं वोकल फार लोकल की भावना को मजबूत कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे आयोजन स्थानीय रोजगार को बढ़ावा देते हैं और कारीगरों को नए बाजार उपलब्ध कराते हैं।

विधायक मझवां ने अपने सम्बोधन में कहा कि हमारा भारत वर्ष गांव का देश है और देश का दिल गांव में ही धड़कता है जब गांव में स्वाबलम्बन होगा तो निश्चित ही देश आगे बढ़ेगा। उसी के तहत आज सरकार भी पूरे तरीके से प्रकार से हमारे गांव के लोग पलायन न करे और वहीं पर उन्हें कुटीर उद्योग, खादी ग्रामोद्योग के रूप में माटी कला बोर्ड से लेकर विभिन्न योजनाओं के माध्यम से वे वहीं स्वाबलम्बी हो और उन्हें एक अच्छा प्लेटफार्म मिले कि आगे अपना जीवन यापन अच्छा कर सकें। उन्होंने कहा कि विभिन्न जगहो से प्रदर्शनी हो लेकर आए है और निश्चित तौर पर एक हुनर कला को प्रदर्शित करने के लिए प्रदर्शनी लगाई हैं। मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार व खादी ग्रामोद्योग अधिकारी अमितेश सिंह ने जनप्रतिनिधिगणो को अंगवस्त्रत व स्मृति चिन्ह देकर स्वागत व अभिन्नदन किया गया। मा0 अध्यक्ष नगर पालिका परिषद श्याम सुन्दर केसरी, चेयरमैन सहकारिता जगदीश सिंह पटेल, मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार ने भी जनपदवासियों से अपील की कि प्रदर्शनी बढ़ चढ़ कर प्रतिभाग करते हुए खरीददारी करते हुए सफल बनाए।

इस अवसर पर मा0 जनप्रतिनिधियो ने मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना में वित्त पोषित लाभार्थियों को निशुल्क 03 अदद पग मिल मशीन एवं पापकार्न मेकिंग मशीन वितरण हेतु चयनित लाभार्थियों को 08 अदद निशुल्क पापकार्न मेकिंग मशीन वितरित किया गया।इस अवसर पर परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी वाराणसी यू0पी0 सिंह, पूर्व ब्लाक प्रमुख नरायनपुर अनमोल सिंह उपस्थित रहें।

फूलबाग में आयोजित बिजली बिल राहत शिविर का ऊर्जा मंत्री ने किया निरीक्षण

गोपीगंज, 09 दिसंबर (देवव्रत संवाद)। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एवं भदोही के प्रभारी मंत्री ए. के. शर्मा ने रविवार को फूलबाग, गोपीगंज में संचालित बिजली बिल राहत योजना 2025-26 के शिविर का निरीक्षण किया। शिविर में 52 उपभोक्ताओं ने पंजीकरण कराया, जिसे मंत्री ने योजना की बढ़ती लोकप्रियता का संकेत बताया। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यह योजना उपभोक्ताओं को वास्तविक आर्थिक राहत दे रही है। उन्होंने बताया कि एकमुश्त भुगतान पर 100% ब्याज माफी और बकाया मूलधन पर 25% की छूट उपभोक्ताओं के लिए बड़ी राहत है।

मंत्री ने उपभोक्ताओं से संवाद कर उनकी समस्याएँ सुनीं और अधिकारियों को अधिक शिविर आयोजित कर गांव-गांव तक जागरूकता फैलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह योजना ऊर्जा क्षेत्र में पारदर्शिता और सुशासन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, विद्युत विभाग के अधिकारी, उपभोक्ता और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

गोंडवाना स्टूडेंट्स यूनियन और आदिवासी एकता मंच का प्रदर्शन, आरक्षण में हिस्सेदारी सुनिश्चित करने की मांग

सोनभद्र , 09 दिसंबर (देवव्रत संवाद)। मंगलवार को गोंडवाना स्टूडेंट्स यूनियन और आदिवासी एकता मंच के सैकड़ों कार्यकताओं ने आरक्षण में हिस्सेदारी की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। कार्यकर्ता जीआईसी मैदान में एकत्र हुए और जुलूस निकालकर तहसील मुख्यालय पहुंचे। इस दौरान ₹आरक्षण हमारा अधिकार₹ और ₹आदिवासियों के साथ न्याय करो₹ जैसे नारे लगाए गए।

तहसील पहुंचकर कार्यकताओं ने न्यायिक एसडीएम अश्वनी सिंह को संबोधित एक ज्ञापन सौंपा। जिला पंचायत सदस्य जुबेर आलम और बबई सिंह मरकाम सहित कई जनप्रतिनिधियों ने सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद जनजातियों को केवल दो प्रतिशत आरक्षण मिला है, जिसमें थारू, भिक्सा, भाटिया, सहरिया, बंजारा, नायक, ओझा जैसी कई जातियां शामिल हैं। नेताओं ने बताया कि पूर्वांचल की कई प्रमुख जनजातियों, जैसे गोंड़, खरवार, चेरो, बैगा, पनिका, अगरिया, भुइया और पठारी को लंबे समय तक आरक्षण से वंचित रखा गया। इन जनजातियों को 2003 में सूचीबद्ध किया गया था। इसके बाद 2014 में रैपिड सर्वे और शासनादेश जारी हुआ, तथा 2015 के पंचायत चुनाव में इन्हें शामिल किया गया, लेकिन यह व्यवस्था पूरी तरह लागू नहीं हो पाई। कार्यकताओं ने जानकारी दी कि शासनादेश के अनुसार सोनभद्र में आदिवासी आबादी 20.67% है। हालांकि, ग्राम प्रधान पद सहित कई स्थानीय निकायों में आरक्षण आबादी के अनुपात में नहीं दिया गया है। उन्होंने मांग की कि वर्ष 2025 में प्रदेश के विभिन्न विभागों में चल रही बड़ी संख्या में भर्तियों में आदिवासी समुदाय को उनकी वास्तविक हिस्सेदारी मिलनी चाहिए। संगठनों ने स्पष्ट किया कि नए शासनादेश में जनजातियों को आबादी के आधार पर आरक्षण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सोनभद्र के आदिवासियों को सरकारी नौकरियों में 20.67 प्रतिशत हिस्सेदारी देने की मांग की। संगठनों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर कार्रवाई नहीं होती है। तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। इस कार्यक्रम में उमाशंकर सिंह (आदिवासी अधिकार मंच), रामनारायण, फौजदार सिंह परस्ते, बृजेश कुमार सिंह, राज नारायण गोंड, देव कुमार, जोखन सिंह और अशोक सहित बड़ी संख्या में आदिवासी प्रतिनिधि मौजूद थे।

नशीले कफ सिरप तस्करी गिरोह के 5 आरोपी गिरफ्तार

सोनभद्र , 09 दिसंबर (देवव्रत संवाद)। नशीले कफ सिरप की तस्करी से जुड़े बहुचर्चित मामले में गाजियाबाद से गिरफ्तार पांच आरोपियों को सोमवार को सोनभद्र के विशेष न्यायाधीश (एनडीपीएस कोर्ट) के समक्ष पेश किया गया। अदालत ने सभी को 14 दिन की न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार आरोपियों को सोनभद्र पुलिस व कमिश्नरेट गाजियाबाद द्वारा संयुक्त कार्रवाई में पकड़ा गया था। यह मामला रॉबर्ट्सगंज कोतवाली में पंजीकृत है। पुलिस का कहना है कि रिमांड अवधि में तस्करी नेटवर्क, उसकी सप्लाई चेन, स्टॉकिस्ट, फंडिंग और वितरण तंत्र से जुड़े हर पहलू की गहराई से जांच की जाएगी। गिरफ्तार आरोपियों में सुशील यादव – निवासी टीकमगढ़, मध्य प्रदेश, सौरभ त्यागी – निवासी मकनपुर, इंदिरापुरम, गाजियाबाद, संतोष भड़ाना – निवासी गढ़ी माजरा, मधुबन बापू धाम नगर, गाजियाबाद, शादाब – निवासी कैला भट्टा चौक, गाजियाबाद, शिवकांत उर्फ शिव- निवासी कनवानी, इंदिरापुरम, गाजियाबाद शामिल है। गाजियाबाद कोर्ट में औपचारिक कार्यवाही के बाद सभी आरोपियों को सोनभद्र कोर्ट में पेश किया गया।

सदर विधायक ने किया श्मशान घाट पर विश्रामालय निर्माण का भूमिपूजन

गाजीपुर , 09 दिसंबर (देवव्रत संवाद)। श्मशान घाट पर आने वाले लोगों की सुविधा के लिए एक विश्रामालय का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। सदर विधायक जैकिशन साहू की निधि से यह परियोजना शुरू की गई है। विधायक ने स्वयं मौके पर पहुंचकर विधि-विधान से भूमि पूजन कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी (सपा) के नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। यह विश्रामालय अंतिम संस्कार में शामिल होने आने वाले लोगों को गर्मी, बरसात और सर्दी के मौसम में राहत प्रदान करेगा। सदर विधायक जैकिशन साहू ने बताया कि इस विश्रामालय के निर्माण पर लगभग आठ लाख रुपये की लागत आएगी। उन्होंने कहा कि यह सुविधा लोगों को श्मशान घाट पर प्रतीक्षा करते समय आराम और आश्रय प्रदान करेगी।

कलेक्ट्रेट से 150 फीट का राष्ट्रीय ध्वज गायब

सोनभद्र , 09 दिसंबर (देवव्रत संवाद)। कलेक्ट्रेट परिसर में स्थापित 150 फीट लंबा राष्ट्रीय ध्वज गायब हो गया है। समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं ने इस पर सवाल उठाए हैं, जबकि इस ध्वज का उद्घाटन स्वयं मुख्यमंत्री ने किया था। समाजवादी पार्टी के जिला सचिव प्रमोद यादव ने कहा कि कलेक्ट्रेट आने वाले लोगों की नजर सबसे पहले इस विशाल तिरंगे पर पड़ती थी, जिससे वे गौरवान्वित महसूस करते थे। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि आज यह तिरंगा गायब है और जिलाधिकारी कार्यालय पर भी कोई राष्ट्रध्वज नहीं लगा है। यादव ने सवाल उठाया कि करोड़ों-अरबों रुपये का विकास बजट कलेक्ट्रेट से बनता है, जनप्रतिनिधि भी यहां आते हैं, लेकिन उन्हें यह अनुपस्थिति क्यों नहीं दिखाई देती। उन्होंने भाजपा सरकार के जनप्रतिनिधियों पर भी निशाना साधा और कहा कि वे आंख मूंदकर आते-जाते हैं। उन्होंने बताया कि यह 150 फीट लंबा तिरंगा उत्तर प्रदेश के सरकारी कार्यालयों में अब तक का सबसे लंबा ध्वज था, जो अन्य किसी सरकारी कार्यालय में देखने को नहीं मिलता।पूर्व नगर सचिव मनीष त्रिपाठी ने जिलाधिकारी महोदय से इस मामले का तत्काल संज्ञान लेने की मांग की। इस अवसर पर अल्पसंख्यक सभा प्रकोष्ठ के जिला उपाध्यक्ष जुनैद अंसारी, मुन्ना कुशवाहा, विक्की शेख और गोपाल गुप्ता सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सोनभद्र के छात्र ने गणित ओलंपियाड में तीसरा स्थान पाया

सोनभद्र , 09 दिसंबर (देवव्रत संवाद)।सोनभद्र के नगवां विकास खंड स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय खलियारी के छात्र हिमांशु कुमार ने जनपद स्तरीय गणित ओलंपियाड में तृतीय स्थान प्राप्त किया है। कक्षा 8 के छात्र हिमांशु की

इस उपलब्धि से विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन हुआ है। इस सफलता पर नगवां ब्लॉक प्रमुख आलोक कुमार सिंह, खंड शिक्षा अधिकारी धनंजय सिंह और खंड विकास अधिकारी अनिल सिंह ने हिमांशु को सम्मानित किया। उन्हें डायरी, पेन और एक रेंजर साइकिल प्रदान की गई। सम्मान समारोह में ब्लॉक प्रमुख आलोक सिंह ने छात्र का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि नगवां ब्लॉक में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, उन्हें केवल सही मार्गदर्शन और मंच देने की आवश्यकता है। उन्होंने खलियारी जूनियर हाईस्कूल के शिक्षकों के समर्पण की भी सराहना की और हिमांशु को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस उपलब्धि को विद्यालय के लिए गर्व का क्षण बताया गया। हिमांशु की यह सफलता न केवल विद्यालय बल्कि पूरे क्षेत्र के बच्चों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई है।इस अवसर पर मनोज जायसवाल, मुरारी पटेल, अवधेश पटेल, आशिष, शिवम, हनुमान, अनिल, महेश खरवार, लक्षन देव खरवार, महेश पटेल, शिवाजी सिंह और श्याम बिहारी चौबे सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

युवती को भगाने में पांच के खिलाफ केस

जौनपुर, 09 दिसंबर (देवव्रत संवाद)। जफराबाद थाना क्षेत्र के सरैया गांव के अनुसूचित बस्ती का निवासी एक युवक अपने घर के पड़ोस की एक 18 वर्षीय युवती को चार दिन पूर्व भगा ले गया था।युवती के परिजन के तहरीर पर युवक सहित उसके परिवार के पांच के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।उक्त गांव के अनुसूचित बस्ती की एक महिला ने नामजद तहरीर देकर आरोप लगाया था कि पांच दिसंबर को गांव का एक युवक उसकी 18 वर्षीया पुत्री को भगा ले गया है।तहरीर में यह भी आरोप लगाया कि युवती को भगाने में युवक के पिता और भाई सहित दो अन्य लोगो ने भी सहयोग किया। थानाध्यक्ष जफराबाद श्री प्रकाश शुक्ल ने बताया कि महिला की तहरीर पर सरैयां गांव के अनुसूचित बस्ती के विवेक कुमार उसके भाई और पिता सहित पांच के खिलाफ अपहरण की धारा में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। उन्होंने बताया कि पांच महीने पहले भी युवक द्वारा लड़की के साथ छेड़खानी करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज हुआ था। मोबाइल फोन ट्रेस कर जांच पड़ताल की जा रही है। मामले में दो आरोपियों को हिरासत में लिया गया है।

समाजसेविका प्रभावती सिंह का 102 वर्ष की उम्र में निधन

जफराबाद/जौनपुर, 09 दिसंबर (देवव्रत संवाद)। हरगोविंद इंटर कॉलेज जफराबाद के प्रधानाचार्य डॉ. संजीव कुमार सिंह की माता प्रभावती सिंह पत्नी स्वर्गीय लालता सिंह का 102 वर्ष की उम्र में उनके पैतृक आवास नरौली में निधन हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।उनका रामघाट पर अंतिम संस्कार किया गया। उनके बड़े बेटे श्रवण कुमार सिंह ने मुखाग्नि दी।उनके निधन की खबर पर वीरेंद्र कुमार सिंह, डॉ ओम प्रकाश सिंह,अरुण कुमार सिंह, डॉ राजेंद्र सिंह,अनिल कुमार सिंह, राजकुमार सिंह, शिवशंकर सिंह समेत सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।निधन की सूचना पर क्षेत्र के श्री बजरंग इंटर कॉलेज घनश्यामपुर तथा एलएसएस नेशनल पब्लिक स्कूल नरौली में छुट्टी घोषित कर दी गई।

राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य शिविर आयोजित

जौनपुर, 09 दिसंबर (देवव्रत संवाद)। जौनपुर के केराकत स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर मंगलवार को राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में कुल 378 मरीजों का पंजीकरण कर उनका उपचार किया गया। शिविर का शुभारंभ चिकित्साधीक्षक डॉ. अरुण कुमार कन्नौजिया ने फीता काटकर किया। इसका मुख्य उद्देश्य लोगों को मानसिक रोगों के प्रति सचेत करना, मरीजों की देखभाल के तरीके बताना और समय पर इलाज कराने के लिए जागरूक करना था।इस अवसर पर चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अरुण कुमार कन्नौजिया ने बताया कि नींद न आना, चिंता, घबराहट और तनाव जैसे लक्षण मानसिक रोगों के सामान्य संकेत हैं। उन्होंने इन लक्षणों का समय पर उपचार कराने की आवश्यकता पर जोर दिया।शिविर में जिले से आए डॉ. दिलीप चौरसिया, डॉ. राम प्रकाश, डॉ. विकास कुमार सिंह और डॉ. पंकज वर्मा ने मरीजों की जांच की, उनका उपचार किया और दवाएं वितरित कीं।इस आयोजन के दौरान डॉ. श्रुति कीर्ति श्रीवास्तव, डॉ. शकील अहमद और स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी गुंजन कुमार सहित समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

जौनपुर में पार्टी प्रवक्ता से मारपीट

जौनपुर, 09 दिसंबर (देवव्रत संवाद)। जौनपुर में समाज विकास क्रांति पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता जंग बहादुर यादव के साथ सोमवार शाम गाड़ी रोककर मारपीट की गई। इस घटना के बाद, यादव ने जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक से मिलकर पूरे मामले की जानकारी दी। जंग बहादुर यादव ने आरोप लगाया है कि यह हमला फर्जी अस्पताल संचालकों के विरुद्ध उनकी पूर्व शिकायत के कारण हुआ है। उन्होंने बताया कि उन्होंने पहले फर्जी अस्पतालों का भंडाफोड़ किया था और हमलावरों ने उन्हें जान से मारने की नीयत से हमला किया। यादव के अनुसार, हमलावरों ने उन्हें फंसाने के लिए एक लड़की को खड़ा कर उन पर गलत आरोप लगाए हैं, जिन्हें उन्होंने पूरी तरह फर्जी बताया है। उन्होंने इस मामले में कठोर कार्रवाई और दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है। यादव ने यह भी बताया कि घटना के संबंध में अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है।

राख परिवहन से हो रही समस्याओं को लेकर पार्षद ने सौंपा ज्ञापन

सिंगरौली, 09 दिसंबर (देवव्रत संवाद)। कलेक्टर कार्यालय सिंगरौली में आयोजित जनसुनवाई के दौरान वार्ड 36 के पार्षद प्रेम सागर मिश्रा ने भारी राख वाहनों के कारण हो रही समस्याओं को लेकर प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मुख्य रूप से सड़क पर ओवरलोडिंग, तेज गति, प्रदूषण और सुरक्षा से जुड़े मुद्दे उठाए गए। ज्ञापन में मांग की गई कि विंध्यनगर से तेलगवा मुख्य मार्ग पर सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक भारी वाहनों के आवागमन पर रोक लगाई जाए। साथ ही एनटीपीसी के राख परिवहन के लिए अलग मार्ग बनाए जाएँ ताकि आमजन, विद्यार्थियों और मजदूरों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। पार्षद ने यह भी कहा कि भारी वाहनों के कारण सड़क कई जगहों पर क्षतिग्रस्त हो गई है और तेलगवा स्थित राज्य सीमा पुल जर्जर हो चुका है। इसके अलावा, ओवरलोडिंग और तेज गति से सड़क पर दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ रहा है। उन्होंने प्रशासन से अनुरोध किया कि सड़क सुरक्षा, प्रदूषण नियंत्रण और आमजन की सुविधा के लिए आवश्यक कार्रवाई तुरंत की जाए। ज्ञापन सौंपने के दौरान संबंधित अधिकारी और नागरिक उपस्थित रहे। सिंगरौली प्रशासन ने इस मुद्दे पर ध्यान देने का आश्वासन दिया है और जल्द समाधान की प्रक्रिया शुरू करने की संभावना है।

स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय और जिला अस्पताल ने सीएचसी में मेगा स्वास्थ्य कैंप का किया आयोजन

सोनभद्र , 09 दिसंबर (देवव्रत संवाद)। जनपद के घोरावल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) परिसर में मंगलवार को एक मेगा स्वास्थ्य परीक्षण कैंप का आयोजन किया गया। इस शिविर में 700 से अधिक मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इसका आयोजन स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय सोनभद्र और जिला अस्पताल के सौजन्य से हुआ।

घोरावल सीएचसी के अधीक्षक डॉ. नरेंद्र सरोज ने बताया कि शिविर में आए मरीजों को निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, दवाएं और विशेषज्ञ परामर्श जैसी सभी उपलब्ध सुविधाएं प्रदान की गईं। इस दौरान बड़ी संख्या में जनमानस ने भागीदारी की।शिविर में डॉ. सुरेश कुमार (प्राचार्य, मेडिकल कॉलेज), डॉ. जीएस यादव (एसीएमओ), डॉ. नरेंद्र सरोज (अधीक्षक), डॉ. प्रशांत पाल, डॉ. मुकेश प्रजापति और डॉ. देवेश पांडेय सहित अन्य चिकित्सकों की टीम ने मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें दवाएं और परामर्श प्रदान किया।

स स्वास्थ्य शिविर के सफल आयोजन में आईसीटीसी काउंसलर सुनील श्रीवास्तव, अतुल पांडेय, चीफ फार्मासिस्ट राजीव कुमार, आशीष शुक्ल, अमित कुमार, बीपीएम प्रशांत दुबे, बीसीपीएम अखिलेश कुमार बीएएम और आरोग्य मित्रों ने महत्वपूर्ण सहयोग दिया।

सिंगरौली में यातायात पुलिस का विशेष अभियान, 1750 से अधिक वाहनों पर कार्रवाई

सिंगरौली, 09 दिसंबर (देवव्रत संवाद)। जिले में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर 15 दिवसीय यातायात अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री के मार्गदर्शन में 26 नवंबर से शुरू हुए इस अभियान के तहत अब तक 1750 से अधिक वाहनों पर कार्रवाई की गई है। इन उल्लंघनों पर कुल 10 लाख रुपये से अधिक का जुमार्ना लगाया गया है।

पुलिस के अनुसार, बिना हेलमेट वाहन चलाने, तेज गति, बिना वैध बीमा और बिना एचएसआरपी नंबर प्लेट वाले वाहनों के खिलाफ अधिकतर कार्रवाई की गई है। केवल बिना हेलमेट वाहन चलाने पर ही 1000 प्रकरण दर्ज किए गए, जिन पर तीन लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया है। इसी तरह अन्य श्रेणियों में भी नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर चालानी कार्रवाई की गई।

अभियान के दौरान पुलिस ने सड़क सुरक्षा से संबंधित सरकारी योजनाओं का भी प्रचार-प्रसार किया। इसमें 'राहगीर योजनाइ के बारे में जानकारी दी गई, जिसके तहत सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को समय पर अस्पताल पहुंचाने वाले व्यक्ति को 25 हजार रुपये की सहायता और प्रशस्ति पत्र दिया जाता है। इसके अलावा हिट एंड रन प्रतिकर योजना और कैशलेस इलाज योजना की जानकारी भी लोगों तक पहुंचाई गई।

सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता बढ़ाने के लिए यातायात पुलिस द्वारा विभिन्न चौराहों, पेट्रोल पंपों और सार्वजनिक स्थानों पर फ्लेक्स-बैनर लगाए गए हैं। पुलिस का कहना है कि अभियान 10 दिसंबर तक जारी रहेगा और नियमों का पालन न करने वालों पर सख्त कार्रवाई होती रहेगी।

सिंगरौली पुलिस का सड़क सुरक्षा अभियान देशभर में हुआ वायरल

सिंगरौली, 09 दिसंबर (देवव्रत संवाद)। सड़क सुरक्षा को लेकर सिंगरौली पुलिस द्वारा चलाया जा रहा अभियान अब पूरे देश में चर्चा का विषय बन गया है। पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री के निर्देशन में शुरू किए गए इस प्रयास ने सोशल मीडिया पर व्यापक लोकप्रियता हासिल की है। अभियान का उद्देश्य लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना और दुर्घटनाओं में कमी लाना है।अभियान के तहत पुलिस द्वारा हेलमेट और सीटबेल्ट जागरूकता कार्यक्रम, स्कूल-कॉलेजों में संवाद, चौराहों पर समझाइश और सोशल मीडिया पर निरंतर संदेश प्रसारित किए जा रहे हैं। विशेष रूप से प्रधान आरक्षक आशीष बागरी की आवाज में तैयार सड़क सुरक्षा गीत को लोगों ने काफी पसंद किया है। यह गीत भावनात्मक संदेश देता है और परिवार की सुरक्षा को प्राथमिकता बनाने की अपील करता है।गीत की पंक्तियाँ– जीवन बहुत अनमोल है सिर की सुरक्षा की खातिर हेलमेट लगाओ –जनता के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रही हैं। लोग इसे राज्य से बाहर भी साझा कर रहे हैं और अपने शहरों में अभियान चलाने की मांग कर रहे हैं।पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री ने कहा कि सड़क सुरक्षा आदतों से शुरू होती है और हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है कि वह नियमों का पालन करे।

सोनिया गांधी के जन्मदिवस पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिला महिला अस्पताल में मरीजों को बांटे फल

गाजीपुर , 09 दिसंबर (देवव्रत संवाद)। यूपीए चेयरपर्सन एवं पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी के जन्मदिवस 9 दिसंबर पर मंगलवार को कांग्रेस कार्यकताओं ने जिला महिला अस्पताल में मरीजों के बीच फल वितरित कर उनका कुशलक्षेम जाना। कार्यक्रम का आयोजन जिलाध्यक्ष सुनील राम और शहर अध्यक्ष संदीप विश्वकर्मा के संयुक्त नेतृत्व में शहर कोतवाली क्षेत्र के महर्षि विश्वामित्र स्वायत्तशासी मेडिकल कॉलेज के अंतर्गत आने वाले जिला महिला चिकित्सालय परिसर में किया गया। कार्यकताओं ने विभिन्न वार्डों में भर्ती महिला मरीजों से मुलाकात कर उन्हें फल दिए और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। जिलाध्यक्ष सुनील राम ने कहा कि श्रीमती सोनिया गांधी जी 79 वर्ष की हो गई, वे त्याग और सेवा की प्रतिमूर्ति हैं, उन्होंने पार्टी मुखिया होने के नाते देशहित में कई बड़े फैसले लिए और उसपर पार्टी नेताओं ने कई जनहित के काम भी किए।

सुनील राम ने बताया कि सोनिया जी के जन्मदिन पर जरूरतमंदों की मदद करना कांग्रेस पार्टी की सामाजिक प्रतिबद्धता का हिस्सा है। शहर अध्यक्ष संदीप विश्वकर्मा ने भी जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए मरीजों को हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया। एआईसीसी सदस्य रविकांत राय एवं पूर्व जिलाध्यक्ष मार्कण्डेय सिंह ने संयुक्त रूप से कहा कि श्रीमती गांधी ने हमेशा देशहित में महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं, यह सेवा कार्यक्रम उनके आदर्शों को मजबूत करता है। फल पाकर कई मरीजों और परिजनों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कांग्रेस कार्यकताओं का आभार जताया। वितरण अभियान के दौरान कार्यकताओं ने मरीजों की समस्याएं सुनीं। अस्पताल स्टाफ ने कार्यक्रम के संचालन में सहयोग किया और व्यवस्था बनाए रखने में मदद की। पार्टी प्रवक्ता अजय श्रीवास्तव ने श्रीमती सोनिया गांधी के दीघार्यु की कामना करते हुए कहा कि कांग्रेस आगे भी ऐसे सेवा कार्यों के माध्यम से समाज के कमजोर वर्गों तक सहायता पहुंचाती रहेगी। इस अवसर पर प्रमुख रूप से अजय श्रीवास्तव ज्ञान प्रकाश सिंह चंद्रिका सिंह हामिद अली राजीव सिंह सतीश उपाध्याय आशुतोष गुप्ता राशिद आलोक यादव सतीश श्रीवास्तव सुमन चौबे सदानंद गुप्ता कुसुमदेवी कमलेश्वर शर्मा जेपी पांडे शबीहूल हसन रमेश गुप्ता संजय सिंह देवेंद्र सिंह जुगनू सिंह अंसार अहमद प्रवीण दुबे विनय पांडे आदि लोग उपस्थित रहे।

माडा मुख्य बाजार में दो पक्षों में भिड़ंत, छह घायल

सिंगरौली, 09 दिसंबर (देवव्रत संवाद)।माडा मुख्य बाजार में सोमवार देर शाम दो पक्षों के बीच हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। मामूली कहासुनी देखते ही देखते लाठी-डंडों की मारपीट में बदल गई, जिसमें जनपद सदस्य रणधीर सिंह सहित करीब छह लोग घायल हो गए। सभी घायलों को पुलिस सहायता से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र माडा में भर्ती कराया गया।जानकारी के अनुसार विवाद दिनेश सोनी और धीरेंद्र साहू के समूहों के बीच हुआ। देखते ही देखते करीब एक दर्जन लोग इसमें शामिल हो गए। अचानक हुई मारपीट से बाजार में भगदड़ मच गई और दुकानदारों ने सुरक्षा के चलते दुकानें बंद कर दीं। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल रहा। सूचना पर माडा थाना प्रभारी शिवपूजन मिश्रा पुलिस दल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया। थाना प्रभारी ने बताया कि दोनों पक्षों में पुरानी रंजिश थी, जिसकी वजह से विवाद भड़का। पुलिस ने दोनों पक्षों पर मारपीट सहित संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।वहीं, एक पक्ष के पीड़ित दिनेश सोनी ने आरोप लगाया कि संभावित विवाद की जानकारी घटना से पहले ही पुलिस को दी गई थी, लेकिन समय पर कार्रवाई न होने से मामला बढ़ गया। इसके चलते कई लोग घायल हो गए।अफरा-तफरी और तनाव को देखते हुए माडा बाजार में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया

राजकीय हाईस्कूल सौरी का वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह सम्पन्न

सादात (गाजीपुर) , 09 दिसंबर (देवव्रत संवाद)। राजकीय हाई स्कूल सौरी का वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह मंगलवार को धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर 25 छात्र एवं छात्राओं को मुख्य अतिथि एवं माध्यमिक शिक्षा परिषद क्षेत्रीय कार्यालय वाराणसी के पूर्व उप सचिव डॉ राम अवतार यादव , विशिष्ट अतिथि अब्दुल्ला और प्रधानाचार्य गौरीशंकर यादव द्वारा संयुक्त रूप से प्रशस्ति पत्र, मेडल और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। माध्यमिक शिक्षा परिषद की वर्ष 2023,2024 एवं 2025 की हाई स्कूल परीक्षा में जिले में टाप टेन में स्थान बनाने वाली छात्रा पम्मी पासवान, प्रीति कुशवाहा, काजल खरवार और लालशाह अंसारी को मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर पुरस्कृत किया गया। विद्यालय के चौकीदार मुनौवर को अंगवस्त्रम देकर उनका सम्मान किया गया। इससे पूर्व छात्र एवं छात्राओं द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ नाटक का प्रभावी ढंग से मंचन कर अभिभावकों एवं अतिथियों को भावुक बना दिया। इसके अलावा सरस्वती वंदना, तांडव नृत्य एवं समूह नृत्य करके छात्र छात्राओं ने अपनी प्रतिभा की पहचान दशार्या। कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर और धूप बत्ती जला कर किया गया। विद्यालय के शिक्षक आलोक यादव , जमुना यादव, पंकज मौर्या विरेन्द्र कुमार, आशुतोष ने विद्यालय की उपलब्धियों पर अपने विचार रखे। समारोह में खेल-कूद और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले छात्र एवं छात्राओं को पुरस्कृत किया गया । अंत में प्रधानाचार्य गौरीशंकर यादव ने सभी के प्रति आभार प्रकट किया । कक्षा 9 और कक्षा 10 की जिन छात्र एवं छात्राओं को पुरस्कृत किया गया ।

सरकारी योजनाओं में लंबित आवेदनों का यथाशीघ्र करें निस्तारण-जिलाधिकारी

ऋण जमा अनुपात(सीडी रेशियो) में वृद्धि हेतु आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

मऊ, 09 दिसंबर (देवव्रत संवाद)। जिलाधिकारी प्रवीण मिश्र की अध्यक्षता में जिला सलाहकार समिति (डीसीसी)/ जिला स्तरीय समीक्षा समिति(डीएलआरसी) की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में हुई। इस दौरान लीड बैक मैनेजर अनिल कुमार सिन्हा ने बताया कि ऋण जमा अनुपात माह जून में 39.62 प्रतिशत था। सितंबर माह में डिपॉजिट अधिक होने के कारण 39.62 से घटकर 39.44 प्रतिशत हो गई।जिलाधिकारी ने एक सब कमेटी गठित कर सभी बैंकों को दिसंबर माह तक ऋण जमा अनुपात 40% प्राप्त करने हेतु आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके लिए उन्होंने प्रमुख बैंकर्स को उनके यहां लंबित बड़े ऋण वाले फाइलों का अनुमोदन करने को कहा। वार्षिक ऋण योजना में अब तक कुल 56% की वृद्धि दर्ज की गई। विभिन्न शासकीय योजनाओं यथा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, एक जनपद एक प्रोडक्ट

योजना, प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना, पीएम स्वनिधि योजना आदि की समीक्षा के दौरान उन्होंने सभी योजनाओं में विभिन्न बैंकों में लंबित फाइलों का शीघ्र निस्तारण करने को कहा जिससे इन योजनाओं से अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हो सके। साथ ही बिना ठोस कारण के किसी भी फाइल को रिजेक्ट न करने के भी निर्देश जिलाधिकारी द्वारा दिए गए। बैठक के दौरान उन्होंने समस्त बैंकर्स को फसल बीमा योजना से किसानों को लाभान्वित करने हेतु इस संबंध में केसीसी कार्ड धारकों के माध्यम से किसानों को आच्छादित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने किसानों को प्रेरित कर इस योजना से लाभान्वित करने को भी कहा, साथ ही जिला कृषि अधिकारी को इस योजना का व्यापक प्रचार प्रसार करने तथा किसान गोष्ठियों के दौरान इसका प्रचार प्रसार करने को भी कहा। बैठक मे जिलाधिकारी ने विभिन्न विभागों द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं में पेंडेंसी की स्थिति की जानकारी लेते हुए संबंधित बैंकों को आवश्यक निर्देश दिए।

इस दौरान लीड बैंक मैनेजर अनिल कुमार सिन्हा के अलावा जिला उद्यान अधिकारी संदीप गुप्ता, जिला कृषि अधिकारी, जिला ग्राम उद्योग अधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी तथा समस्त बैंकर्स उपस्थित रहे।

शातिर चोर गिरफ्तार, मोटर साइकिल, टायर, तंमचा बरामद

मऊ, 09 दिसंबर (देवव्रत संवाद)।पुलिस अधीक्षक इलामारन जी के निर्देशन में अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में मंगलवार को थाना घोसी पुलिस ने कारीसाथ मोड़ से मु0अ0स0 505/2025 धारा 303(2), से संबंधित अभियुक्त रोशन यादव पुत्र सीताराम यादव निवासी रसूलपुर को पकडा। उसके कब्जे से तमंचा 315 बोर, कारतूस 315 बोर बरामद हुआ। तथा एक एन्ड्राइड मोबाइल बिबो का व एक किपैड मोबाइल मोटोरोला की व एक अदद बिना नम्बर प्लेट की मोटर साइकिल हीरो की काले कलर की जिस पर 05 मोटर साइकिल टायर रस्सी से बंधा हुआ मिला। उक्त प्रकरण में धारा 317(2), 318(4),319(2), बी.एन.एस.व बरामदगी के आधार पर मु.अ.सं.592/2025 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट की बढ़ोत्तरी कर चालान न्यायालय किया।

अयोध्या से बाबरी मस्जिद का नामोनिशान मिटा-दयाशंकर सिंह

बलिया,09दिसंबर,(देवव्रत संवाद)। बलिया में परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने सोमवार को एक विवादास्पद बयान दिया। कहा कि जब अयोध्या से बाबरी मस्जिद का नामोनिशान मिट गया है, तो अब इस देश में कहीं भी बाबरी मस्जिद का निर्माण नहीं हो सकता।

मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि बाबर एक आक्रमणकारी था, और यह ऐतिहासिक तथ्य है। उन्होंने आरोप लगाया कि बाबर ने भारत आकर सनातन धर्मावलंबियों के मंदिरों को तोड़ने का काम किया था। उन्होंने कहा कि ऐसा व्यक्ति, जिसने देश की संस्कृति और सभ्यता को नुकसान पहुंचाया, उसके नाम पर अब भारत में मस्जिद या कोई अन्य संरचना नहीं बन सकती।दयाशंकर सिंह ने कहा कि मुसलमानों के आदर्श बाबर नहीं हो सकते। उनके समाज में कई महापुरुष हुए हैं, जो उनके आदर्श हो सकते हैं।वहीं दयाशंकर सिंह ने तृणमूल कांग्रेस को भी घेरा। दयाशंकर सिंह ने आरोप लगाया कि टीएमसी ह्वोट बैंक की राजनीतिह्व के तहत एक धर्म विशेष के लोगों को संगठित कर रही है। उन्होंने दावा किया कि बंगाल में पूरे बांग्लादेशियों को बसाया गया।

बलिया महिला अस्पताल में डिलीवरी के लिए 5,000 मांगे, प्रसूता के परिजनों ने नर्स पर अवैध वसूली का लगाया आरोप

बलिया,09दिसंबर,(देवव्रत संवाद)। बलिया के जिला महिला चिकित्सालय में प्रसूता के परिजनों से डिलीवरी के नाम पर अवैध वसूली का आरोप लगा है। एक गरीब परिवार की महिला से 5000 की मांग की गई, जिसमें से ?1100 कथित तौर पर नर्स को दिए गए। यह मामला तब सामने आया जब एक युवा समाजसेवी ने अस्पताल का दौरा किया। यह घटना द्वाबा क्षेत्र की एक प्रसूता के साथ हुई, जो डिलीवरी के लिए ज़िला महिला अस्पताल आई थीं। प्रसूता के परिजनों का आरोप है कि अस्पताल की नर्सों ने उनसे सामान्य डिलीवरी के लिए5000 की मांग की। परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक न होने के बावजूद, उन्होंने किसी तरह 1100 नर्स को दिए।

युवा समाजसेवी रिपुंजय रमन पाठक को इस मामले की जानकारी तब हुई, जब वे अस्पताल की व्यवस्थाओं का जायजा लेने पहुंचे थे। उन्होंने तत्काल इसकी शिकायत मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) से की। सीएमएस ने मामले की जांच करने का प्रयास किया, लेकिन संबंधित नर्स ने ?5000 की मांग के आरोप से इनकार कर दिया। हालांकि, प्रसूता के परिजनों ने ?1100 नकद देने की पुष्टि की है।

रिपुंजय रमन पाठक ने आरोप लगाया कि ज़िला महिला अस्पताल में डिलीवरी के नाम पर अवैध वसूली का यह कोई पहला मामला नहीं है, बल्कि यह लंबे समय से चल रहा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि अस्पताल में सुई से रुई तक की चीजें सीएमएस की मिलीभगत से बेची जाती हैं, और गरीबों की सुनवाई नहीं होती। पाठक ने मुख्यमंत्री से इस पूरे मामले की गहन जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

सिताबदियारा जयप्रकाश नगर से आई प्रसूता की सास ने बताया कि नर्स ने पहले बच्चे के उल्टा होने की बात कही थी, लेकिन बाद में सामान्य डिलीवरी कराई। इसी के लिए 5000 मांगे गए थे। उन्होंने कहा कि उनके पति मजदूर हैं और वे गरीब परिवार से हैं, फिर भी उन्होंने 1100 दिए। इसके बाद उनसे साफ-सफाई के नाम पर 200 और मांगे गए, जो अभी तक दिए नहीं गए हैं, लेकिन कुल 2100 की मांग की जा रही है।

गंगा नदी की मत्स्य नीलामी रद्द करने की, निषाद समाज का कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन

बलिया, 09 दिसंबर (देवव्रत संवाद)। बलिया में भाजपा जिला उपाध्यक्ष शुभ नारायण उर्फ सुरेंद्र सिंह के नेतृत्व में निषाद, केवट और मल्लाह समाज के लोगों ने मंगलवार को जिला कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन किया। उन्होंने गंगा नदी में मत्स्य नीलामी रद्द करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन भी जिलाधिकारी प्रतिनिधि को सौंपा।

प्रदर्शनकारियों ने बताया कि वे सभी निषाद, केवट और मल्लाह जाति से संबंधित हैं, जो मुख्य रूप से गंगा नदी के किनारे निवास करते हैं। उनके अनुसार, गंगा नदी न केवल एक वैदिक और आस्था का प्रतीक है, बल्कि उनके लिए मत्स्य आखेट का एक प्रमुख जीविका का साधन भी है।

उन्होंने कहा कि अनादि काल से उनके पूर्वज और परिवार के सदस्य गंगा नदी में नौका संचालन और मछली पकड़ने का काम करते आ रहे हैं, जिससे उनके परिवारों का भरण-पोषण होता है। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि 09 सितंबर और 09 अक्टूबर को अपनी समस्याओं से अवगत कराने के बावजूद, गंगा नदी की नीलामी समिति के माध्यम से कुछ मत्स्य माफियाओं को दे दी गई है।

समाज के लोगों का कहना है कि नीलामी के बाद से उन्हें गंगा नदी के किनारे मत्स्य माफियाओं द्वारा परेशान किया जा रहा है। वे मारपीट करते हैं और उनके जाल छीन लेते हैं, जिससे उनके परिवार भुखमरी के कगार पर पहुंच गए हैं। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि लाखों लोगों की जीविका और जीवन की रक्षा के लिए, गलत तरीके से हुई इस नीलामी प्रक्रिया को तुरंत निरस्त किया जाए।

चोरी के मामले 4 अभियुक्त गिरफ्तार ,कब्जे से जनरेटर बरामद

मऊ, 09 दिसंबर (देवव्रत संवाद)। पुलिस अधीक्षक इलामारन जी के निर्देशन में अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में मंगलवार को थाना सरायलखन्सी पुलिस टीम ने ग्राम रस्तीपुर के पास से मु0अ0स0 512/2025 धारा 303(2) से संबंधित 4 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। इसमें सुमित राजभर पुत्र पप्पू राजभर निवासी दशवन्तपुर थाना कासिमाबाद जनपद गाजीपुर, अजहर अली पुत्र स्व0 शौकत अली निवासी इन्दौर थाना कासिमाबाद जनपद गाजीपुर, विशाल राजभर पुत्र रामचन्द्र राजभर निवासी ग्राम चकमकपुर पोस्ट सिखड़ी थाना दुल्लहपुर जनपद गाजीपुर और साहिल राजभर पुत्र गुड्डू राजभर निवासी ग्राम चकमकपुर पोस्ट सिखड़ी थाना दुल्लहपुर जनपद गाजीपुर को पकड़ा। उनके कब्जे से चोरी का जनरेटर बरामद कर गिरफ्तार किया। उक्त प्रकरण में धारा 317(2) इठर का बढोत्तरी कर चालान न्यायालय किया।उल्लेखनीय है कि 03 दिसम्बर की रात में आर0डी0 पैलेस रस्तीपुर से एक अदद जनरेटर चोरी हो गया था। जिसके सम्बन्ध में वादी संजय सिंह पुत्र सौदागर सिंह निवासी बकवल थाना सरालखन्सी की तहरीर पर सूचना पर मु0अ0सं0 512/2025 धारा 303(2) बनाम अज्ञात चोर पंजीकृत किया गया था।

पेंशनरों का सम्मान समारोह का आयोजन किया गया

बलिया, 09 दिसंबर (देवव्रत संवाद)। गंगा बहुउद्देशीय सभागार में मंगलवार के दिन सेवा निवृत्त कर्मचारी/अधिकारी कल्याण समिति द्वारा वरिष्ठ पेंशनरों का सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान मुख्य वरिष्ठ कोषाधिकारी आनन्द कुमार दूबे द्वारा 75 वर्ष आयु पूर्ण कर चुके वरिष्ठ पेंशनरों को अंगवस्त्रम, सुन्दरकाण्ड का गुटका तथा माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया।इस मौके पर मुख्य अतिथि ने अपना उद्बोधन ₹ तेरा राम जी करेंगे बेड़ा पार उदासी मन काहे को करेह भजन के साथ किया। वरिष्ठ कोषाधिकारी ने कहा कि बलिया ऋषि मुनियों तथा सेनानियों की धरती है। यहां की मिट्टी में मेधा छिपी हुई है। कहा कि बुजुर्ग हमारे धरोहर है।बुजुर्गों का सम्मान करना हम लोगों का कर्तव्य बनता है। कहा कि बुजुर्गों का अनुभव प्राप्त कर अपने जीवन में उतारें,सफलता आपके निश्चित ही कदम चूमेगी। वरिष्ठ कोषाधिकारी ने कहा कि हम अपने पेंशनरों के लिए समय-समय पर कुछ न कुछ कार्यक्रम आयोजित हमेशा ही कराते रहते हैं।इस दौरान आबिद अली ने श्रद्धा थी हृदय में और आशा लगी थी, श्रीमान आ गये,सर नमन स्वागतम हैह के साथ मुख्य अतिथि सहित सभी का स्वागत किया।वहीं लोकगीत के प्रख्यात गायक मुक्तेश्वर कुंवर ने अपने गीतों के माध्यम से उपस्थित लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। आगन्तुकों के प्रति आभार सेवा निवृत्त कर्मचारी/अधिकारी कल्याण समिति के अध्यक्ष तथा कार्यक्रम के बरमेश्वर पाण्डेय ने व्यक्त किया। संचालन अविनाश उपाध्याय ने किया।

विद्यालयी अंडर -17 बालिका कबड्डी प्रतियोगिता में दो खिलाड़ियों का चयन

मुहम्मदाबाद गोहना (मऊ) , 09 दिसंबर (देवव्रत संवाद)।महाराष्ट्र के कोंकणधाम में 69वीं राष्ट्रीय विद्यालयी कबड्डी अंडर -17 बालिका प्रतियोगिता में मऊ जनपद की दो महिला कबड्डी खिलाड़ियों का चयन हुआ है। सूची में जनपद के रतनपुरा स्थित नेहरू इंटर कॉलेज की छात्रा अनुराधा यादव और चिरैयाकोट के राष्ट्रीय इंटर कॉलेज की छात्रा अंशिका सिंह का नाम शामिल है। जनपद की दो छात्राओं को राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने का मिला है। प्रदेश स्तरीय टीम के खिलाड़ियों के चयन के लिए 5 दिसंबर से 9 दिसंबर तक अयोध्या के भीमराव अंबेडकर खेल संस्थान मे आयोजन हुआ था। इसमें मऊ जनपद की दोनों खिलाड़ियों का चयन किया गया है। इस संबंध में डॉ भीमराव अंबेडकर विद्यालयी कीड़ा संस्थान अयोध्या के प्राचार्य डॉक्टर आरपी शर्मा द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि अयोध्या स्थित संस्थान में 5 दिसंबर से 9 दिसंबर को आयोजित विद्यालयीय कबड्डी अंडर - 17 बालिका कबड्डी प्रतियोगिता में प्रदर्शन के आधार पर प्रदेश के विभिन्न जिलों के कुल 12 खिलाड़ियों का चयन किया गया है। प्रदेश की टीम आगामी 24 दिसंबर से 26 दिसंबर तक महाराष्ट्र के कोंकणधाम में आयोजित प्रतियोगिता में हिस्सा लेगी। टीम में मऊ जनपद की दो खिलाड़ियों का चयन हुआ है। चयन की सूचना मिलने पर मंगलवार को राष्ट्रीय इंटर कॉलेज के अध्यापकों और छात्रों में जश्न का माहौल रहा। राष्ट्रीय इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य अखिलेश सिंह ने कहा कि यह हमारे लिए गौरव की बात है कि कॉलेज की छात्रा को राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने का मौका मिला है। उन्होंने बताया कि इसके पीछे कॉलेज के व्यायाम शिक्षक शिवकुमार भारती का अहम योगदान है।

विशाल सामूहिक विवाह समारोह – 30 अक्टूबर 2026 को लखनऊ में दहेज-प्रथा के खिलाफ जागरूकता का महाकुंभ

बलिया,09दिसंबर,(देवव्रत संवाद)। डाक बंगला, बलिया में राष्ट्र संघ विश्व शांति मिशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनय कुमार यादव ने प्रेस वार्ता आयोजित की। इस अवसर पर उन्होंने मिशन के आगामी कार्यक्रम झ 30 अक्टूबर 2026 को लखनऊ के रमाबाई पार्क में आयोजित होने वाले विशाल सामूहिक विवाह समारोह के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

श्री यादव ने कहा कि मिशन के संस्थापक/निदेशक श्री सुरेंद्र कुमार गुप्ता का मुख्य उद्देश्य समाज के सभी वर्गों के लोगों को प्रेम, एकता और सच्चाई के साथ जोड़ना है। उन्होंने बताया कि इस सामुहिक विवाह का प्रमुख लक्ष्य दहेज प्रथा, भ्रूण हत्या, महिलाओं एवं बालिकाओं के प्रति हिंसा जैसी सामाजिक बुराइयों को समाप्त करना है। विनय कुमार यादव ने कहा, दहेज प्रथा हमारे घरों में अशांति का कारण बन रही है। बेटियों, बहनों और बहुओं को आत्महत्या,

हत्या और अत्याचार का सामना करना पड़ रहा है। इस विशाल सामूहिक विवाह के माध्यम से हम इन बुराइयों पर लगाम लगाने और समाज में जागरूकता पैदा करने का प्रयास करेंगे।समारोह की रूपरेखा के अनुसार, 30 अक्टूबर 2026 को लखनऊ के रमाबाई पार्क में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक संगठनों, शैक्षणिक संस्थानों और स्थानीय प्रशासन के सहयोग की अपेक्षा की गई है और सहयोग भी प्राप्त हो रहा है।दहेज प्रथा एक ऐसी सामाजिक बुराई है जो हमारे समाज में गहरी जड़ें जमाए हुए है। यह एक ऐसी प्रथा है जिसमें शादी के समय लड़की के परिवार से लड़के के परिवार को धन, संपत्ति और अन्य सामान देने की मांग की जाती है। यह प्रथा न केवल लड़की के परिवार के लिए आर्थिक बोझ बन जाती है, बल्कि लड़की के जीवन को भी खतरे में डाल देती है। दहेज हमारे समाज के लिए एक अभिशाप की तरह है, जो हमें पीछे की ओर ले जा रहा है। इसलिए 30 अक्टूबर 2026 को सामुहिक विवाह समारोह में देश भर से जोड़ों का पंजीकरण किया जा रहा है और वे सभी मिलकर हमारे देश को दहेज प्रथा से मुक्त करने का संकल्प ले रहे हैं।

दस दिन बाद भी नहीं पहुंची दरवाजे पर कूडा उठाने वाली गाड़ी

रसड़ा,बलिया,09दिसंबर,(देवव्रत संवाद)। घर घर कूड़ा उठाने के लिए 27 नवंबर को शाम 5:00 बजे 8 गाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर नगर पालिका परिषद रसडा.के अध्यक्ष विनय शंकर जायसवाल ने रवाना किया। लगभग 10 दिन भी जाने के बाद भी कुडा.उठाने की गाड़ी वार्ड नंबर 12 वार्ड नंबर 15 में अभी तक नहीं पहुंची। नगर के लोगों का कहना है कि कूड़ा उठाने की गाड़ियों के संचालन की सूचना बहुत खुशी हुई कि अब इधर-उधर कूड़ा फेंकना नहीं पड़ेगा लेकिन गाड़ियों का संचालन कोरा कागज साबित हो रहा है गाड़ियां कहां है कहां गई कुछ पता नहीं। क्या गाड़ियों का संचालन कोलम पुरक था। नगर के लोग प्रतिदिन इंतजार करते हैं कि आज कूड़ा की गाड़ी आएगी और कूड़ा ले जाएगी। वार्ड नंबर 12 के बबलू सिंह हुआ अनिल जायसवाल कहते हैं लगभग 10 ,11 दिन हो गए एक दिन भी कूड़ा उठाने की गाड़ी नहीं। सूखा गीला कूड़ा एकत्रित करने के लिए घर-घर बाल्टिया पहुंचा दी गई उसे ले जाने के लिए गाड़ी दरवाजे तक नहीं आया। नगर पालिका परिषद के नागरिकों की मांग है कि कूड़ा उठाने वाली गाड़ियों का संचालन सुचारू रूप से किया जाए जिससे इधर-उधर कूड़ा फेंकने की नौबत ना आए।

गोविंद शाह मेले में आयोजित दौड़ प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने दिखायी प्रतिभा

रसड़ा,बलिया,09दिसंबर,(देवव्रत संवाद) क्षेत्र के गौरा में लग रहे ऐतिहासिक गोविंद शाह के खिचड़ी मेले में शुक्रवार को श्री श्री 1008 पंथी बाबा दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें युवाओं एवं युवतियों ने अपने शानदार जौहर का प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक उमाशंकर सिंह के अनुज रमेश सिंह ने हरी झंडी दिखाकर दौड़ प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। 1600 मीटर की दौड़ प्रतियोगिता में बलिया के शिवनारायण राजभर प्रथम, जवैनिया के सत्यम द्वितीय, रसड़ा (लबकरा) के सुनील कुमार तृतीय तथा बलिया के सत्या ने चतुर्थ स्थान प्राप्त किया। 2 किमी की दौड़ में आरती यादव रेवतीपुर प्रथम, वर्तिका यादव रेवतीपुर द्वितीय तथा संध्या यादव गौरा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 800 मीटर की दौड़ में नितेश यादव नागपुर प्रथम, मंजीत राजभर फिरोजपुर द्वितीय तथा शिवनारायण राजभर बलिया ने तृतीय स्थान प्राप्त कर करने पर मेल कमेटी के अध्यक्ष एवं ग्राम प्रधान गोविंद राजभर ने अन्य अतिथियों एवं पदाधिकारियों संग कप, मेडल व उचित पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस दरम्यान मेले में हजारों की संख्या में भक्तों ने गोविंद शाह के दरबार में हाजिरी लगाकर लोक मंगल की कामना की। इस अवसर पर महंत परशुराम दास, मेला कमेटी के व्यवस्थापक पवन राजभर, मुन्ना राजभर, मंत्री सुनील राजभर, अनिल, हरिवंश, मनोज पासवान, तिलेश्वर राजभर, पूर्व प्रधान जयराम राजभर, बृजेश आदि की सराहनीय रही।

80,000 लीटर अवैध शराब और उपकरण को किया नष्ट

मनियर,बलिया,09दिसंबर,(देवव्रत संवाद)। मनियर पुलिस ने अवैध शराब बनाने के उपकरण और लहन को नष्ट करने में सफलता हासिल की है। पुलिस टीम ने घाघरा नदी के उस पार मनियर और बिहार बार्डर पर छापा मारी करते हुए अवैध कच्ची देशी शराब बनाने के उपकरण, लहन, नौसादर, फिटकिरी आदि सामाग्री में लगभग 80,000/- लीटर लहन तथा 8 अवैध भट्टी को नष्ट किया है। पुलिस अधीक्षक बलिया ओमवीर सिंह के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत मनियर पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की है। मौके पर कोई भी शराब बनाने वाला व्यक्ति मौजूद नहीं मिला। लहन नष्ट करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष कौशल कुमार पाठक, उ0नि0 संजय यादव, उ0नि0 अंकित यादव, हे0का0 सत्येन्द्र कुमार, हे0का0 अभिषेक सिंह, हे0का0 वकील कुमार, हे0का0 कमला यादव, का0 राम पाल, का0 आलोक कुमार, का0 जगदीश पटेल, का0 भानु प्रताप यादव, और का0 आकाश यादव शामिल थे।

जुआ खेलते हुए 3 युवक गिरफ्तार, ताश का पत्ता व 2350 रुपये बरामद

मऊ, 09 दिसंबर (देवव्रत संवाद)। पुलिस अधीक्षक इलामारन जी के निर्देशन में अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार के पर्वेक्षण में थाना घोसी पुलिस ने दुर्गा मन्दिर के पास खत्रीपार से हार जीत की बाजी लगाकर ताश के पत्तों के साथ जुआ खेल रहे तीन लोगों को गिरफ्तार किया। इसमें सतेन्द्र चौहान पुत्र गंगा चौहान, सुधीर चौहान पुत्र गुलाब चौहान और राजकुमार चौहान पुत्र गुलाब चौहान निवासी खत्रीपार को गिरफ्तार किया। उनके पास से ताश के पत्ते व फड से 2350 रुपए व जामा तलाशी से 850 रुपए बरामद किया। गिरफ्तार करने वाले पुलिस टीम मे उ0नि0 अरुण कुमार ,हे0का0 शोएब आलम, हे0का0 सुनील कुमार यादव,का0 धर्मपाल भारती, का0 दिग्विजय ,का0 धर्मेन्द्र यादव शामिल रहे।

धोखाधड़ी से जमीन हड़पने पर आधा दर्जन के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज

मुहम्मदाबाद गोहना (मऊ) , 09 दिसंबर (देवव्रत संवाद)।स्थानीय कस्बा के सैदापुर निवासी मोहल्ला निवासी एहताशामुद्दीन की शिकायत पर पुलिस ने महिला समेत तीन नामजद और तीन अज्ञात के विरुद्ध धोखाधड़ी से संपत्ति हड़पने और अपराधिक कृत की धाराओं में प्राथमिकी दर्ज किया है। मामले के अनुसार सैदपुर मोहल्ला के रहने वाले एहताशामुद्दीन का आरोप है कि मुहम्मदाबाद गोहना कस्बा के कबीराबाद मोहल्ला निवासी खुर्रम रिजवान और मनसा यादव ने धोखाधड़ी कर उसकी जमीन पर कब्जा किया है। आरोप है कि खुर्रम रिजवान जमीनों की खरीद फरोख्त करता है। वह इसके पहले भी धोखाधड़ी कर चुका है। आरोप है कि जमीन के एक टुकड़े का मामला अभी न्यायालय में विचाराधीन है। इसमें खुर्रम ने फर्जी दस्तावेज और हिब्बानामा दाखिल किया है जबकि हिबानामा करने वाली महिला ने कोर्ट में शपथ पत्र देकर उक्त हिबानामा को फर्जी बताया है। पीड़ित का यह भी कहना है कि उसकी निजी जमीन पर निर्माण के दौरान उपरोक्त आरोपी आए दिन मारपीट और झगड़ा करने पर आमदा रहते हैं। शिकायत के आधार पर कबीराबाद निवासी मनसा यादव, खुर्रम रिजवान शिवम सिंह सहित तीन अन्य अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है। इस बारे में कोतवाल केके वर्मा का कहना है कि पीड़ित की तहरीर पर आधा दर्जन आरोपियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर घटना की जांच की जा रही है।

दैनिक देवव्रत
www.dainikdevvrat.in
हिन्दी दैनिक, आजमगढ़
बुधवार, 10 दिसम्बर, 2025

आजमगढ़

सिधारी क्षेत्र में एक ही रात में दो दुकानों में लगी सेंध

ज्वेलरी व इलेक्ट्रानिक की दुकान से 10 लाख से ज्यादा की चोरी

सिधारी, 09 दिसम्बर (देवव्रत संवाद)। जिले के सिधारी क्षेत्र में चोरों ने बीती रात बड़ी वारदात को अंजाम देते हुए दो दुकानों को निशाना बनाया। ज्वेलरी और इलेक्ट्रॉनिक दुकान से 10 लाख रुपये से अधिक का माल और नकदी चोरी कर चोर फरार हो गए। वारदात के बाद व्यापारियों में दहशत का माहौल है। सिधारी हाइडिल निवासी सुनील वर्मा की पुराने पुल के पास स्थित ज्वेलरी दुकान में चोरों ने बेहद जोखिम भरा तरीका अपनाते हुए दुकान के पिछवाड़े बनी करीब 25 फीट गहरी खाई से चढ़कर प्रवेश किया। दुकानदार के मुताबिक, रिपेयरिंग के लिए रखी लगभग ढाई किलो चांदी, करीब 30 ग्राम सोने के आभूषण को चोर उठा ले गए। चोरी गए माल की कुल कीमत लगभग 10 लाख रुपये बताई जा रही है। ज्वेलरी दुकान के ठीक बगल स्थित इलेक्ट्रॉनिक शॉप, जिसके मालिक ओमप्रकाश यादव, निवासी जमालपुर हैं। वहां भी चोरों ने सेंध लगाई और दुकान के कैश काउंटर से 60 हजार रुपये नकद उड़ा ले गए। सुबह मकान मालिक ने जब दुकानों के पीछे का एरिया देखा, तो चोरी का पता चला। उन्होंने दुकानदारों को सूचित किया। सूचना पर दोनों व्यापारी मौके पर पहुंचे और पुलिस को फोन किया।

सीओ नगर शुभम तोदी भारी पुलिस बल के साथ तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और चेकिंग की। सीओ ने बताया कि ज्वेलरी दुकान की मुख्य अलमारी सुरक्षित है। सिर्फ रिपेयरिंग के लिए बाहर रखा माल चोरी हुआ है। दोनों दुकानों में अलग-अलग मुकदमे दर्ज कर लिए गए हैं। पुलिस अब आसपास लगे CCTV कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। अधिकारियों का कहना है कि चोरों के निकलने का कोई सुराग जल्द मिलने की उम्मीद है और पुलिस टीम जल्द आरोपियों तक पहुंचने का दावा कर रही है।

रजनीश हत्याकांड : पीड़ित परिवार ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए डीएम से लगाई न्याय की गुहार

आजमगढ़, 09 दिसम्बर (देवव्रत संवाद)। जिले में भूमि विवाद को लेकर बढ़ते तनाव के बीच एक युवक की हत्या का मामला तूल पकड़ने लगा है। ग्राम मारहा, कर्मनाथ पट्टी निवासी राधव पांडेय ने जिलाधिकारी आजमगढ़ को शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया है कि 06 दिसंबर 2025 की शाम उनके पुत्र रजनीश पांडेय की जुनेदगंज के पास गोली मारकर हत्या कर दी गई, लेकिन कई दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस ने किसी भी नामजद आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया है। पीड़ित पिता के अनुसार, घटना पूर्व से चली आ रही जमीन संबंधी रंजिश और विरोधी पक्ष की दबंगई का परिणाम है। उन्होंने बताया कि विरोधी पक्ष कई बार धमकियां दे चुका था तथा पैसों और प्रभाव का इस्तेमाल कर दबाव बनाने की कोशिश करता रहा है। घटना के बाद थाना कोतवाली में मुकदमा दर्ज की गई, जिसमें नगीना सिंह, इन्द्रसेन सिंह, भीमसेन सिंह, उमेश सिंह और आज़म को नामजद किया गया है।

राधव पांडेय ने बताया कि उनका परिवार गहरे सदमे और भय के माहौल में है। मृतक की पत्नी, जो जिला महिला चिकित्सालय में ANM के पद पर कार्यरत हैं, मानसिक रूप से अत्यंत आहत हैं और उनकी सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता बनी हुई है। जिलाधिकारी को दिए पत्र में पीड़ित पक्ष ने कहा कि पुलिस द्वारा अब तक कोई गिरफ्तारी न होना गंभीर लापरवाही है। विरोधी पक्ष प्रभाव के दम पर जांच को प्रभावित करने की कोशिश कर रहा है। पीड़ित परिवार ने सभी नामजद आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी, मामले की जांच किसी वरिष्ठ अधिकारी या विशेष टीम को सौंपी जाए। मृतक की पत्नी को सरकारी सुरक्षा उपलब्ध कराई जाए। परिवार को सरकारी आर्थिक सहायता प्रदान की जाए। दोषियों के खिलाफ कठोरतम दंड सुनिश्चित किया जाए। विवादित भूमि प्रकरण की निष्पक्ष और पारदर्शी पुनः जांच कराई जाए। पीड़ित परिवार ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द गिरफ्तारी और निष्पक्ष कार्रवाई नहीं होती तो वे बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। घटना ने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी है। प्रशासन पर अब यह दबाव बढ़ गया है कि वह हत्या कांड में त्वरित और ठोस कार्रवाई करे।

जनपद पुलिस ने रचा इतिहास पूरे प्रदेश में IGRS पोर्टल पर नंबर-1

आजमगढ़, 09 दिसम्बर (देवव्रत संवाद)। जन शिकायतों के निस्तारण के लिए प्रदेश सरकार का सबसे बड़ा मंच IGRS (Integrated Grievance Redressal System) इस महीने आज़मगढ़ पुलिस की उत्कृष्ट कार्यशैली का साक्षी बना। नवंबर 2025 के प्रदर्शन में आज़मगढ़ जनपद ने पूरे उत्तर प्रदेश के 75 जिलों को पीछे छोड़ते हुए प्रथम स्थान हासिल किया है। यही नहीं, जनपद के सभी 25 थानों ने भी व्यक्तिगत रैंकिंग में प्रदेश स्तर पर नंबर–1 प्राप्त किया। एक ही जिले के सभी थानों का संयुक्त रूप से शीर्ष पर आना रिकॉर्ड माना जा रहा है। पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार के नेतृत्व में जनपद की पुलिस ने IGRS पर मिले हर प्रकरण का समयबद्ध, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया। शिकायतकर्ताओं से लिया गया फीडबैक भी 100 प्रतिशत संतुष्टिजनक रहा, जिसके आधार पर शासन ने रैंकिंग जारी की। उच्चाधिकारियों ने आज़मगढ़ पुलिस के इस प्रदर्शन को "विशेष रूप से उल्लेखनीय" करार दिया है।

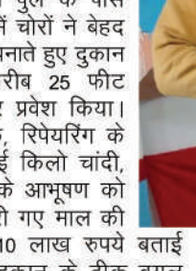

महानगर थाना, देहात कोतवाली, रानी की सराय, कंधरापुर, गंभीरपुर, निजामाबाद, मुबारकपुर, जहानागंज सहित जनपद के सभी 25 थानों ने प्रदेश स्तरीय रैंकिंग में पहला स्थान हासिल किया। यह उपलब्धि न केवल आज़मगढ़ पुलिस की कार्यकुशलता दर्शाती है, बल्कि यह भी बताती है कि जनपद में थाना स्तर पर समन्वय और जवाबदेही कितनी मजबूत है। पुलिस की इस उपलब्धि के बाद आमजन में संतोष और विश्वास का भाव स्पष्ट रूप से देखने को मिल रहा है। फरियादियों का कहना है कि शिकायत दर्ज करने के बाद तुरंत कार्रवाई होती है। प्रगति की जानकारी नियमित मिलती है। निस्तारण में पारदर्शिता बढ़ी है। IGRS पर मिले "पूर्ण संतुष्टि" के अंक इसका प्रमाण हैं। एसएसपी डॉ. अनिल कुमार ने सभी थानाध्यक्षों, चौकी प्रभारियों और कर्मियों को बधाई देते हुए कहा "जनता की सेवा, शिकायतों का त्वरित समाधान और पारदर्शी पुलिसिंगकृयही हमारी प्राथमिकता है। यह उपलब्धि पूरे जनपद पुलिस परिवार की मेहनत का परिणाम है।"

दो फर्जी पुलिसकर्मी साइबर ठगी के आरोप में गिरफ्तार

आपके केस में बड़ी गड़बड़ी है, पैसे भेज दो वरना मुश्किल बढ़ जाएगी

आजमगढ़, 09 दिसम्बर (देवव्रत संवाद)। तेजी से बदलती आपराधिक तकनीकों के बीच आज़मगढ़ पुलिस ने एक ऐसे साइबर गिरोह का पर्दाफाश किया है जो सरकारी ऐप से डाउनलोड की गई FIR और डिजिटल डेटा को हथियार बनाकर लोगों से ठगी कर रहा था। पुलिस की इस कार्रवाई ने न केवल एक नए मॉडस ऑपरेंडी को उजागर किया है, बल्कि साइबर अपराधों की भयावहता पर भी सवाल खड़े किए हैं। जांच में सामने आया कि गिरफ्तार अपराधी UPCOP मोबाइल ऐप के जरिए एफआईआर डाउनलोड कर पीड़ितों के नाम–पते जैसी संवेदनशील जानकारी हासिल कर लेते थे। फिर गूगल और निर्वाचन आयोग की वेबसाइट से गांव के प्रधान का नंबर खोजकर पीड़ित का मोबाइल नंबर निकालते थे। इसके बाद शुरू होता था फोन पर धमकी और डराने का खेल। आरोपी खुद को पुलिसकर्मी बताकर कहते कि "आपके केस में बड़ी गड़बड़ है.. अभी कार्रवाई हो सकती है, पैसे भेज दो वरना मुश्किल बढ़ जाएगी" और जैसे ही पीड़ित डरकर फट कोड पर रकम भेजता, आरोपियों का फोन हमेशा के लिए बंद। गिरफ्तारी की यह कार्रवाई 25 नवंबर 2025 को दर्ज हुई एक शिकायत से शुरू हुई। मेहनगर क्षेत्र की एक महिला, सविता, को फोन कर बताया गया। "आपकी बेटी मिल गई है, उसे लाने जा रहे हैं, जल्दी 24 हजार रुपये भेजो।" घबराहट में महिला ने 22 हजार रुपये क्यूआर कोड पर भेज दिए। इसके बाद फोन बंद, और कोई सूचना नहीं। थाना जहानागंज में मामला दर्ज किया गया।

मुखबिर से सूचना मिलने पर थानाध्यक्ष अतुल कुमार मिश्रा व साइबर सेल की टीम ने आज़मगढ़ रेलवे स्टेशन के पूर्वी छोर से दो संदिग्धों को पकड़ा। गिरफ्तार आरोपी मध्यप्रदेश के टीकमगढ़ के निवासी निकले। पूछताछ में अपना नाम अंकित यादव (24), व दीनदयाल यादव बताया। पुलिस के अनुसार, दोनों कई राज्यों में फैले साइबर नेटवर्क से जुड़े बताए जा रहे हैं। पुलिस ने उनके पास से दो रियलमी मोबाइल, एक फर्जी पुलिस आईडी, चार फर्जी आधार कार्ड व टूटा–फूटा जिओ और एयरटेल सिम बरामद किया। यह बरामदगी साफ बताती है कि गिरोह लंबे समय से पहचान बदलकर साइबर ठगी कर रहा था। रिकॉर्ड के अनुसार आरोपी भदोही साइबर पुलिस स्टेशन में दर्ज मु0अ0सं. 48/2025 के मामले में भी वांछित थे। पकड़ में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली पुलिस टीम में थाना जहानागंज थानाध्यक्ष अतुल कुमार मिश्रा, उपनिरीक्षक विनय कुमार, का. शिवम चौधरी, हरेन्द्र सिंह, वाहन चालक का. राशिद ख़ाँ साइबर सेल उपनिरीक्षक सागर कुमार रंगू, हे. का. ओमप्रकाश जायसवाल, हे.का. मुकेश भारती, आरक्षी राहुल सिंह, आरक्षी सतेंद्र यादव, आरक्षी श्याम कुमार साहनी शामिल रहे।

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि यह केस बताता है कि किस तरह सार्वजनिक डिजिटल डेटा अपराधियों के लिए अवसर बन गया है। लोगों से अपील करते हुए अपर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि अनजान नंबरों से आने वाली कॉल, पुलिस बनकर पैसे मांगने वाले संदेश, क्यूआर कोड से भुगतान की मांग पर तुरंत पुलिस को सूचित करें और किसी भी परिस्थिति में घबराकर ट्रांजैक्शन न करें।

कुएं में गिरकर युवक की मौत नीबी गांव में मचा हड़कंप

मुबारकपुर, 09 दिसम्बर (देवव्रत संवाद)। मुबारकपुर थाना क्षेत्र के नीबी गांव में उस समय अफरा–तफरी मच गई जब एक युवक का शव गांव के ही एक गहरे कुएं में पड़ा मिला। सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और तुरंत रेस्क्यू कार्य शुरू किया। मृतक की पहचान मन्नू यादव, निवासी मुबारकपुर थाना क्षेत्र, के रूप में हुई है। कुआं अत्यंत गहरा होने के कारण शव को बाहर निकालने में फायर ब्रिगेड की टीम को काफी मशक्कत करनी पड़ी। देर रात तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद शव को सुरक्षित बाहर निकाला जा सका। शव बाहर निकलते ही पुलिस ने उसे कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधिकारी बताते हैं कि मौत के कारणों का स्पष्ट पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल पाएगा। फिलहाल पुलिस घटना के हर पहलू की गहन जांच कर रही है। उधर, घटना की सूचना मिलते ही मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

रेलवे पुलिस ने भटक रही नाबालिग को परिजनों को सकशुल किया सुपुर्द

आजमगढ़, 09 दिसम्बर (देवव्रत संवाद)। जीआरपी थाना आजमगढ़ पुलिस द्वारा रेलवे स्टेशन पर किन्हीं परिस्थितियों में भटक कर पहुंची नाबालिग लड़की जिसकी उम्र 15 वर्ष बताई गई है को परिजनों से संपर्क उसे सकुशल सुपुर्द कर दिया गया। उल्लेखनीय है कि पुलिस अधीक्षक रेलवे लक्ष्मी निवास मिश्र के निर्देशन व पुलिस उपाधीक्षक सर्किल बलिया सविरत्न गौतम के पर्यवेक्षण में जीआरपी थाना आजमगढ पुलिस द्वारा चलाये जा रहे अभियान आपरेशन मुस्कान के तहत चेकिंग के दौरान रेलवे स्टेशन आजमगढ के प्लेटफार्म न. 2 पर एक बच्ची अकेली दिखी उसके व्यवहार से प्रतीत हो रहा था कि वह परेशान है चेकिंग टीम व महिला आरक्षी श्वेता भारती द्वारा उनके पास जाकर उससे पूछताछ की गई तो उसने बताया कि उसका नाम पूजा पुत्री रामशंकर थाना जहानागंज उम्र करीब 15 वर्ष (नाम पता काल्पनिक) व भटक कर रेलवे स्टेशन आ गई है। जीआरपी थाना पुलिस ने दूरभाष के माध्यम बरामदशुदा नाबालिग लड़की के परिजनों से संपर्क किया। सूचना पा कर लड़की का भाई मुकेश निवासी जहानागंज जीआरपी थाना पहुंचा पुलिस ने आवश्यक कार्यवाही कर नाबालिग लड़की को भाई को सुपुर्द कर दिया।

SIR के दौरान हुई गड़बड़ी को BLO से समन्वय कर सही करायें-डीएम

आजमगढ़, 09 दिसम्बर (देवव्रत संवाद)। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी रविंद्र कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम हेतु बढ़ाई गई समय सीमा के दृष्टिगत राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर सुझाव लिए गए। जिलाधिकारी ने राजनितिक दल के प्रतिनिधियों से कहा कि बूथवार बूथ लेवल एजेंट नियुक्त कर किसी कारण से यदि किसी मतदाता का नाम एसआईआर के दौरान शिफ्टेड अथवा डुप्लीकेट में मार्क हो गया हो, तो उसको बीएलओ से समन्वय स्थापित कर 11 दिसंबर 2025 तक सही करा सकते हैं। उन्होंने कहा कि बीएलओ के सहयोग के लिए एईआरओ एवं सुपरवाइजर लगाए गए हैं। जिलाधिकारी ने राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों को अवगत कराया कि एसआईआर का कार्य निर्धारित समय सीमा के अंदर पूर्ण करने हेतु मेरे द्वारा स्वयं लालगंज, अतरौलिया, सदर विधानसभा आदि विधानसभाओं के सबसे कम प्रगति वाले बूथों का निरीक्षण किया गया था, तथा जहां पर लापरवाही/शिथिलता पाई गई, वहां संबंधित के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की गई। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि मुख्य विकास अधिकारी, जिला विकास अधिकारी, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को नोडल अधिकारी के रूप में तैनात किया गया था, जिनके सतत निगरानी एवं पर्यवेक्षण के कारण एसआईआर का कार्य भारत निर्वाचन आयोग द्वारा बढ़ाई गई समय सीमा के 05 दिन पहले ही पूर्ण कर लिया गया। जिलाधिकारी ने बताया कि फार्मो के डिजिटाइजेशन कार्य मे जहां पर नेटवर्क आदि की समस्या आ रही थी वहां के नजदीकी ब्लॉकों तहसीलों में वाई–फाई की सुविधा उपलब्ध कराई गई थी, जिससे कि एसआईआर का कार्य शत प्रतिशत पूर्ण किया जा सके। उन्होंने राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों से कहा कि यदि किसी का नाम गलत भर गया हो या शिफ्टेड हो गया हो या किसी अन्य प्रकार की कोई आपत्ति हो, तो उसकी सूची उपलब्ध करा दे, ताकि बीएलओ के माध्यम से उसको ठीक कराया जा सके। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के नई गाइडलाइन के अनुसार जिनका नाम मृतक की श्रेणी में, शिफ्टेड अथवा डुप्लीकेट की श्रेणी, अथवा अन्य किसी श्रेणी में है, उसका बीएलओ द्वारा तीन–तीन बार जाकर सत्यापन किया जायेगा। जिलाधिकारी ने बताया कि दिनांक 11 दिसंबर के बाद बीएलओ द्वारा अपने बूथों पर बूथ लेवल एजेंट के साथ बैठक करेंगे तथा उनके सामने नयी मतदाता सूची तथा अनुपस्थित एवं शिफ्टेड किए गए मतदाताओं की सूची पढ़कर सुनाएंगे। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी राहुल विश्वकर्मा, विधान परिषद सदस्य रामसूरत राजभर एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

विजय बहादुर राय बने विश्व सनातन भगवा रक्षा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष

बरदह, 09 दिसम्बर (देवव्रत संवाद)। विश्व सनातन भगवा रक्षा परिषद के प्रदेश अध्यक्ष विजय बहादुर राय को संगठन द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने पर बरदह बाजार में संगठन के पदाधिकारियों एवं क्षेत्र के संभ्रांत लोगों ने हर्ष व्यक्त किया। इस अवसर पर लोगों ने माल्यार्पण कर एवं मिठाई खिलाकर उनके उज्ज्वल भविष्य एवं सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में चंदेशर राय (डीसीएफ पूर्व चेयरमैन), श्रीनाथ पांडे (राष्ट्रीय मंत्री), आर. सिंह बब्बू, परमहंत सिंह, शिव गोविंद राय, राजेश त्रिपाठी, श्री प्रकाश राय, राधेश्याम राय, नागेंद्र सिंह, तेज बहादुर सिंह, रामसमुझ राय, रामसुंदर राय, इंद्रमणि भट्ट, तेजबहादुर सिंह, राज नारायन राय, मोहन राय, अनिल राय (प्रोफेसर), बली मोहम्मद अंसारी, प्रकाश मौर्य, इंद्रमणि राय सहित कई पदाधिकारी एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे। सभी ने विजय बहादुर राय का गर्मजोशी से स्वागत किया और मिठाई खिलाकर पदोन्नति की बधाई दी।

मरीजों में फल वितरित कर मना सोनिया गांधी का जन्मदिवस

आजमगढ़, 09 दिसम्बर (देवव्रत संवाद)। यूपीए चेयरपर्सन एवं पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के जन्मदिवस पर जिला कांग्रेस कमेटी, आज़मगढ़ ने जनसेवा का कार्यक्रम आयोजित करते हुए महिला अस्पताल में मरीजों के बीच फल वितरण किया। जिलाध्यक्ष कौशल कुमार सिंह 'मुन्ना राय' के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस नेताओं ने मरीजों का हाल–चाल लिया और उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। फल वितरण के साथ ही कांग्रेसजनों ने सोनिया गांधी के नेतृत्व, सेवा और त्याग की भावना को प्रेरणादायी बताया।

जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कौशल कुमार सिंह 'मुन्ना राय' ने कहा, "सोनिया गांधी ने करुणा, सेवा और समर्पण पर आधारित राजनीति को हमेशा प्राथमिकता दी है। उनके जन्मदिवस पर ज़रूरतमंदों की सहायता करना हमारे लिए सम्मान की बात है। कांग्रेस पार्टी समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुँचाने के संकल्प पर दृढ़ है।" इस सेवा कार्यक्रम में रियाजुल हसन, राहुल राय, गिरीशचंद्र चतुर्वेदी, तेज बहादुर यादव, बेलाल बेग, चंद्रपाल यादव, शीला भारती, पूर्णमासी प्रजापति, मुन्नू मौर्य, प्रदीप यादव सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। जनसेवा के इस आयोजन ने कांग्रेसजनों के बीच उत्साह बढ़ाया और अस्पताल में उपस्थित मरीजों एवं परिजनों ने उनके इस प्रयास की सराहना की।

राजीव तलवार फिर हुए गिरफ्तार

आजमगढ़, 09 दिसम्बर (देवव्रत संवाद)। कचहरी मुख्य मार्ग पर यातायात बाधित करने और पुलिस टीम पर हमला करने के आरोप में एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। घटना 09 दिसंबर को उस समय हुई जब उपनिरीक्षक यश सिंह पटेल अपनी टीम के साथ गेट संख्या 01 और 05 के पास शांति व्यवस्था ड्यूटी पर थे। वहां एक व्यक्ति पोस्टर और लाठी–डंडा लेकर राहगीरों को रोक रहा था और वकीलों तथा आम जनता से अभद्र भाषा में गाली–गलौज कर रहा था। रोकने पर वह पुलिसकर्मियों को भी जान से मारने की धमकी देते हुए धक्का–मुक्की करने लगा, जिससे सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न हुई। पुलिस ने आवश्यक बल प्रयोग कर उसे हिरासत में लिया और कोतवाली थाने में उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान राजीव तलवार (38 वर्ष), निवासी राहुल नगर मडैया, थाना कोतवाली के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार राजीव तलवार के खिलाफ पहले भी कई गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं।